वायुसेना के लिए 97 तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी
- 7

जीएसटी सुधारों पर राज्यों से बनाएंगे आम सहमति
- 10

रूस ने दिलाया भरोसा, भारत पर ट्रंप के लगाए प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम
- 11

एशियाई चैम्पियनशिप में अनंत ने स्वर्ण सौरभ-सुरुचि ने जीता कांस्य
- 12

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.45

सूर्यास्त 06.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 12:45 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 21 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 271, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मोदी करेंगे विकास कार्यों का लोकार्पण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और 18,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे बिहार के गया में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 13,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। उसी दिन शाम को कोलकाता में नवनिर्मित खंडों पर मेट्रो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। कोलकाता में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

29 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में बुधवार को 55 .5 लाख के इनामी 29 नक्सलियों ने पुलिस व सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंतेवाड़ा जिले में 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें से 13 पर कुल 25 लाख 50 हजार का इनाम घोषित था। सभी आत्मसर्पित माओवादी अपने क्षेत्र में नक्सली बंद सप्ताह के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं। वहीं बस्तर अंचल में 30 लाख रुपये के इनामी आठ नक्सलियों ने बुधवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

सज्जन की याचिका पर 24 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सुनाई गई सजा के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार और पार्टी के पूर्व पार्षद बलवान खोखर द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई 24 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने बुधवार को मामले की सुनवाई टाल दी क्योंकि सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश नहीं हो सके। जुलाई 2024 में उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई से खोखर की राहत के अनुरोध वाली याचिका पर जवाब देने को कहा था।

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

गंभीर अपराधों में पीएम-सीएम को हटाने का विधेयक लोस में पेश, जेपीसी को भेजा

विपक्षी दलों के सदस्यों ने किया सदन में हंगामा, गृहमंत्री शाह पर फेंके कागज

नई दिल्ली, एजेंसी

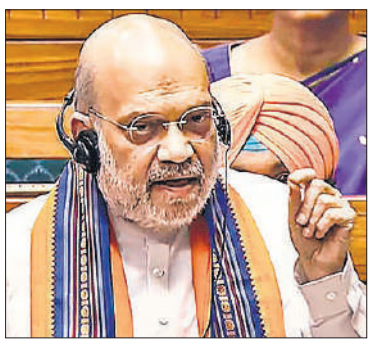

लोकसभा ने बुधवार को दूरगामी परिणामों वाले एक संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को विचारार्थ भेज दिया। इन विधेयकों को पेश किए जाने और अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच सदन की बैठक चार बार के स्थगन के बाद गुरुवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे और यह अपनी रिपोर्ट अगले संसद सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक पेश करेगी। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है। विपक्ष के सदस्यों ने विशेष रूप से इस विधेयक को पेश किए जाने पर जोरदार विरोध दर्ज कराया। विपक्ष की ओर से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस के मनीष तिवारी और केसी वेणुगोपाल, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और सपा के धर्मेंद्र यादव ने विधेयकों को पेश किए जाने का विरोध किया।

प्रेमचंद्रन ने कहा कि तीनों विधेयकों को सदन में पेश करने की सरकार को इतनी हड़बड़ी क्यों है? इस पर गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रेमचंद्रन जल्दबाजी की बात कर रहे हैं, लेकिन इसका सवाल इसलिए नहीं उठता क्योंकि मैं इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को सौंपने का अनुरोध करने वाला हूं। संयुक्त समिति लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को मिलाकर बनेगी और इस पर विचार करके विधेयक को आपके सामने लाएगी। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा के लोग कह रहे हैं कि यह विधेयक राजनीति में शुचिता लाने के लिए लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या मैं गृह मंत्री से पूछ सकता हूं कि जब वह गुजरात के गृह मंत्री थे, उन्हें गिरफ्तार किया गया था तब क्या उन्होंने नैतिकता का ध्यान रखा था? गृह मंत्री ने जवाब में कहा कि मैं रिकॉर्ड स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने गिरफ्तार होने से पहले नैतिकता के मूल्यों का हवाला देकर इस्तीफा भी दिया और जब तक अदालत से निर्दोष (साबित) नहीं हुआ, तब तक मैंने कोई संवैधानिक पद स्वीकार नहीं किया। मैं तो चाहता हूं कि नैतिकता के मूल्य बढ़ें। हम ऐसे निर्लज्ज नहीं हो सकते कि हम पर आरोप लगें और हम संवैधानिक पद पर बने रहें। इस दौरान कुछ सदस्यों को गृह मंत्री के सामने कागज फाड़कर फेंकते हुए देखा गया। एसआईआर के मुद्दे पर सदन की बैठक दो बार स्थगित हुई।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक लोकसभा में पारित

लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को पारित कर दिया तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के सांसदों के हंगामे के बीच ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 को सदन में पारित कराने के लिए रखते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा जिंदगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

संसद ने दी आईआईएम संशोधन विधेयक को मंजूरी

संसद ने गुवाहाटी में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के प्रावधान वाले एक विधेयक को बुधवार को मंजूरी दे दी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके लिए 550 करोड़ रुपये के आर्थिक अनुदान की व्यवस्था की है तथा संस्थान में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही दाखिला शुरू हो जाएगा। राज्यसभा ने आज भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं शिक्षा मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार को ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा एवं पारित किए जाने के दौरान कई विपक्षी दलों के सदस्य अनुपस्थित थे। विपक्षी सदस्यों ने बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वाकआउट किया।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का ओडिशा में सफल परीक्षण

नई दिल्ली/बालासोर, एजेंसी। भारत ने अपनी सामरिक सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से अग्नि-5 का परीक्षण किया गया और यह मिसाइल सभी परिचालन एवं तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का 20 अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 11 मार्च 2024 को इसी परीक्षण रेंज से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक का इस्तेमाल करके अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया था। विभिन्न दूरमापी और रडार केंद्रों से परीक्षण पर नजर रखी गई। भारत ने पहली बार अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण 19 अप्रैल 2012 को चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया था। तब इस मिसाइल को हिंद महासागर में एक निर्दिष्ट बिंदु पर प्रक्षेपित किया था। मिसाइल 600 किमी की ऊंचाई पर जा सकती है और करीब 5,000 किमी तक मार कर सकती है। इसकी रेंज में पाकिस्तान, चीन जैसे कई देश आ रहे हैं।

जन सुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला

जानलेवा हमले में सीएम के हाथ, कंधे और सिर में चोटें आईं

- राजकोट निवासी आरोपी गिरफ्तार
- हत्या के प्रयास का केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को सुबह सिविल लाइंस स्थित उनके कार्यालय पर आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को मुख्यमंत्री की हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राजकोट (गुजरात) निवासी 41 वर्षीय आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजीभाई को हिरासत में लिया गया है और उससे खुफिया ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम पूछताछ कर रही है।

उन्होंने बताया कि हमला सुबह करीब सवा आठ बजे हुआ। पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के हाथ, कंधे और सिर में चोटें आई हैं। जांच से जुड़े एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह एक गंभीर हमला था और जानलेवा भी हो सकता था।

हमलावर पर गुजरात में दर्ज हैं पांच मामले

हमलावार पर गुजरात में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चाकू से हमले के दो और आबकारी अधिनियम के तीन मामले शामिल हैं। आरोपी के पास कोई हथियार नहीं था। उसके पास एक बैग था जिसमें कपड़े और कुछ कागज थे। पुलिस ने हमले के सिलसिले में हत्या के प्रयास के आरोप में एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंठिया ने बताया कि सिविल लाइंस थाने में उस पर कथित तौर पर हमला करने और लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने का भी मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि खिमजीभाई दो दिन पहले दिल्ली आया था और उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस में रुका था।

हमले से पहले की मुख्यमंत्री आवास की रेकी

आधिकारिक सूत्रों ने शालीमार बाग स्थित गुप्ता के आवास से मिले सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पर हमला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। सीसीटीवी फुटेज से साफ पता चलता है कि हमलावर ने हमले की तैयारी 24 घंटे पहले से शुरू कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में बुधवार को आरोपी मुख्यमंत्री आवास की ओर जाते हुए दिख रहा है। वीडियो में आरोपी परिसर की रेकी करता, मुख्यमंत्री आवास के दृश्य रिकॉर्ड करता दिख रहा है। वह एक दिन पहले अपने दौरे के दौरान फोन पर बात करता हुआ दिख रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव

राधाकृष्णन ने दाखिल किया नामांकन पत्र

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए राजग के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को नामांकन पत्रों के चार सेट सौंपे, जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी हैं। नामांकन पत्रों के चार सेट में मोदी, सिंह, शाह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी से कमा रहे थे 4000 करोड़, पांच गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,संभल

- देश भर में 500 से ज्यादा फ्रेंचाइजी, एक केंद्र से एक साल में होती थी 8 करोड़ कमाई
- तीन आरोपी उत्तर प्रदेश के निवासी, एक पंजाब और एक नेपाल का रहने वाला

अमृत विचार : संभल की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें बैंक के रिकवरी एजेंट सहित तीन उत्तर प्रदेश के जबकि एक पंजाब और एक नेपाल का है।

इनके पास से 200 से ज्यादा चेक, 40 से ज्यादा क्रेडिट कार्ड, 3 लैपटॉप सहित कई अन्य डिवाइस बरामद हुई हैं। गिरोह इस धंधे से साल भर में 4000 करोड़ की कमाई कर रहा था। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि गिरोह देश भर में जंबो 365 वेबसाइट के जरिए अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी का धंधा चला रहा था। इसकी फ्रेंचाइजी देश भर में 500 से ज्यादा जगह पर थी। एक फ्रेंचाइजी से 1 साल में 7 से 8 करोड़ रुपये की आमदनी होती थी। इस रकम को हवाला के जरिए दुबई भेजा जाता था। पुलिस ने धंधे में शामिल पुष्कर सरकी निवासी कंचनपुर नेपाल, पवन कुमार निवासी पंचपीर नगर थाना सदर जनपद फाजिल्का पंजाब, ऋषिपाल यादव ग्राम कोठा थाना उघैती जनपद बदायूं, अमित वार्ष्णेय ब्रह्मा बाजार चंदौसी, इंगित कोहली निवासी पंचकूला हरियाणा मूल निवासी पंजाबी कॉलोनी चंदौसी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन्होंने देशभर में संचालित इस धंधे के बारे में कई जानकारियां दीं। एसपी ने बताया की मुख्य कर्ताधर्ता जय कक्कड़ व आदित्य गुप्ता हैं जो दिल्ली में फ्रेंचाइजी संभालते हैं।

9वीं के छात्र ने शिक्षक को मारी गोली

- स्कूल में वारदात, डांट से नाराज था, टिफिन में लाया था तमंचा

काशीपुर। काशीपुर में एक पब्लिक स्कूल में बुधवार सुबह कक्षा नौ के छात्र ने शिक्षक को तमंचे से गोली मार दी। आरोप है कि दो दिन पहले एक सवाल का जवाब नहीं देने पर शिक्षक ने कक्षा में छात्र को डांटा था। घायल शिक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी छात्र हिरासत में है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने घटनास्थल से साक्ष्य जमा किए हैं।

पुलिस के अनुसार, भौतिक विज्ञान के शिक्षक गगनदीप सिंह कोहली (37) सुबह करीब पौने दस बजे क्लास लेने कक्षा नौ में पहुंचे। क्लास समाप्त होते ही मध्यांतर हो गया।

सभी छात्र कक्षा से बाहर निकलने लगे। तभी एक छात्र ने अपने टिफिन से तमंचा निकालकर गगनदीप पर फायर झोंक दिया। गोली दाहिने कंधे के नीचे लगी। आरोपी छात्र को अन्य शिक्षकों ने दबोच लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली।

अब्बास अंसारी को कोर्ट से राहत

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा पर लगाई रोक

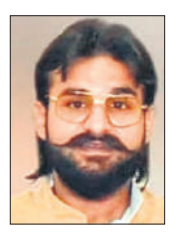

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को नफरती भाषण मामले में राहत देते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई दो साल कैद की सजा पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति समीर जैन द्वारा दिए गए इस फैसले के बाद अब्बास की विधानसभा सदस्यता बहाल होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। अब मऊ की सदर विधानसभा सीट पर उप चुनाव नहीं होगा। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सुभासपा से मऊ सदर क्षेत्र से विधायक रहे अब्बास अंसारी ने चुनावी सभा में राज्य सरकार के अधिकारियों को सपा के सत्ता में आने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। जिसके बाद उन पर हेट स्पीच का मुकदमा दर्ज हुआ था।

चिकित्सा के यूजी व पीजी कोर्स में बढ़ेंगी 8000 सीटें

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनएमसी प्रमुख ने दी जानकारी

इस शैक्षणिक सत्र में देश में चिकित्सा के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कुल 8,000 सीट बढ़ाए जाने की उम्मीद है और इसके मद्देनजर चिकित्सा महाविद्यालयों का मूल्यांकन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के प्रमुख डॉ. अभिजात शेठ ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2025 के लिए काउंसलिंग शुरू हो चुकी है और पहला चक्र पूरा हो चुका है। काउंसलिंग का दूसरा चक्र 25 अगस्त तक शुरू होने की उम्मीद है। इस वर्ष जुलाई में सीबीआई द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों, बिचौलियों और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किए जाने के बाद आशंका जताई जा रही थी कि इस शैक्षणिक सत्र में चिकित्सा पाठ्यक्रमों की सीटों की संख्या में कमी आएगी। ये अधिकारी कथित तौर पर भ्रष्टाचार और नियामक ढांचे में गैर कानूनी तरीके से हेरफेर सहित कई गंभीर कृत्यों में संलिप्त थे। सीबीआई द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद एनएमसी ने सीट की संख्या बढ़ाने या नए पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

प्रधानमंत्री ने नवीन पटनायक से हाल पूछा

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से फोन पर बात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री ने पटनायक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता को कुछ दिन आराम करना चाहिए। विपक्ष के नेता के कार्यालय द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पताल में भर्ती नवीन पटनायक से आज बात की। उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटनायक को रविवार शाम निर्जलीकरण की शिकायत के बाद 'एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर' में भर्ती कराया गया था।

शक्तियों पर सवाल | राज्यपाल के अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

विधानसभा से दोबारा पारित विधेयक राष्ट्रपति को नहीं भेज सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को टिप्पणी की कि कोई भी विधेयक राज्य विधानसभा द्वारा दोबारा पारित करके राज्यपाल को भेजे जाने की स्थिति में वह उसे विचार के लिए राष्ट्रपति को नहीं भेज सकते हैं। शीर्ष अदालत ने विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राज्यपाल की शक्तियों पर केंद्र से सवाल करते हुए यह टिप्पणी की।

संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को विधानसभा द्वारा पारित विधेयक पर या तो अपनी अनुमति देनी होती है या वह अपनी अनुमति रोक सकता है या फिर उसे राष्ट्रपति के विचारार्थ भेज सकता है। इसके तहत राज्यपाल को विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा में वापस भेजने का भी अधिकार है, बशर्ते कि वह धन विधेयक न हो। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ की यह टिप्पणी केंद्र के इस रुख के मद्देनजर आई है कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा विधेयक को दूसरी बार पारित करने के बाद भी उसे राष्ट्रपति के पास भेजने के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पीठ ने केंद्र का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि यदि चौथे विकल्प (विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा में वापस भेजने का) का प्रयोग (राज्यपाल द्वारा) विधानसभा को पुनर्विचार के संदेश के साथ किया जाता है, तो विधेयक पर मंजूरी न देने या इसे राष्ट्रपति के पास भेजने का विकल्प समाप्त हो जाता है...। विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान, पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि यदि राज्यपाल विधेयकों को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटाए बिना ही उन्हें मंजूरी देने से इनकार कर देते हैं, तो इससे निर्वाचित सरकारें राज्यपाल की मर्जी पर निर्भर हो जाएंगी। पीठ ने कहा कि यदि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक स्वीकृति रोक सकते हैं, तो बहुमत के समर्थन से गठित सरकारें एक अनिर्वाचित नियुक्त व्यक्ति की दया पर निर्भर होंगी।

अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास होते हैं चार विकल्प

शीर्ष अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास चार विकल्प हैं– या तो वह अनुमति दे दें या अनुमति रोक लें या फिर वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रख लें। वह विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा सकते हैं। अब, यदि विधेयक सदन द्वारा फिर से पारित कर दिया जाता है और अनुमति के लिए राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो राज्यपाल अनुमति नहीं रोकेंगे। वह विधेयक को दूसरी बार राष्ट्रपति के विचार के लिए नहीं भेज सकते। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने केन्द्र की इस दलील पर आपत्ति की कि यदि राज्यपाल ने सहमति नहीं देने का निर्णय लिया तो विधेयक पारित नहीं हो सकेगा।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 21 अगस्त 2025

औद्योगिक पार्कों को मिलेगी आर्थिक सहायता

फुटवियर नीति 2025 : निवेश बढ़ाने और रोज़गार सृजन के लिए वित्तीय सहायता और टैक्स में छूट का प्रावधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार ने फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति-2025 के तहत निजी पार्कों को निवेश बढ़ाने और रोज़गार सृजन के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और टैक्स में छूट दी जाएगी। सरकार ने नीति में स्पष्ट किया है कि ऐसे पार्कों को विकसित करने वाले डेवलपर्स को 25 प्रतिशत पात्र पूंजी निवेश या अधिकतम राशि के रूप में वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह मदद पार्क के आकार के अनुसार होगी।

इस नीति के जरिये सरकार चाहती है कि राज्य में बड़े पैमाने पर निजी औद्योगिक पार्कों की स्थापना हो। ऐसे पार्कों के जरिये हजारों युवाओं को रोज़गार मिलेगा। फुटवियर और लेदर सेक्टर को वैश्विक पहचान मिलेगी। यूपी निवेश का नया केंद्र बनेगा। यह नीति अधिसूचना जारी होने की तिथि से 5 साल तक प्रभावी रहेगी। इसके तहत सभी नए प्रोजेक्ट, विस्तार या विविधीकरण करने वाले औद्योगिक उपक्रम वित्तीय प्रोत्साहनों के पात्र होंगे।

क्षेत्र विकास नीति में शर्तें

- पार्क क्षेत्रफल के 25% हिस्से पर रहे हरियाली।
- न्यूनतम 25 एकड़ भूमि पर विकसित होना अनिवार्य।
- प्रत्येक पार्क में कम से कम 5 औद्योगिक इकाइयां होंगी।
- कोई भी इकाई 80% से अधिक भूमि का उपयोग नहीं कर सकेगी।
- कुल क्षेत्रफल का 25% हिस्सा हरियाली और सामान्य अवसंरचना के लिए सुरक्षित रखना होगा।
- 25 एकड़ से 100 एकड़ तक के पार्कों का निर्माण 5 वर्षों में पूरा करना होगा।
- 100 एकड़ एवं इससे अधिक के पार्कों का निर्माण 6 वर्षों में पूर्ण करना होगा।

मिलेगी छूट

- 25 से 100 एकड़ तक के पार्क : पात्र पूंजी निवेश का 25% या अधिकतम 45 करोड़।
- 100 एकड़ से बड़े पार्क : पात्र पूंजी निवेश का 25% या अधिकतम 80 करोड़।
- सभी पार्क विकासकर्ताओं को 100% स्टाम्प शुल्क में छूट।

इन पर नहीं मिलेगा लाभ

- भूमि की खरीद लागत।
- ईंधन, वाहन, फर्नीचर, पुरानी मशीनरी।
- अन्य सेवा शुल्क।

खर्च की गाइडलाइन

वित्तीय सहायता केवल बुनियादी ढांचा विकास पर खर्च की जा सकेगी। इसमें सड़क, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, ड्रेनेज, बाउंड्री वॉल, पावर सप्लाई, जल आपूर्ति, बैंकिंग सुविधाएं, वेयरहाउस, होटल, हॉस्पिटल, ट्रेड फेयर/डिस्प्ले सेंटर, ट्रांसपोर्ट सुविधा और स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट जैसे कार्य शामिल होंगे।

श्रद्धांजलि...

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते पार्टी के वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया, साथ में अन्य। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

एक करोड़ से संवरेगा अतरौली का मंदिर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अलीगढ़ में अतरौली स्थित बड़े महादेव मंदिर का एक करोड़ रुपये से सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास किया जाएगा। कल्याण सिंह की जन्मस्थली अतरौली अब धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर के नए केंद्र के रूप में उभरेगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर अतरौली को यह सौगात उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

पर्यटन स्थलों पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : जिलों में सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सप्ताह में एक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ये सांस्कृतिक कार्यक्रम अगस्त 2025 से शुरू होकर 31 मार्च, 2026 तक कराये जायेंगे। यह कार्यक्रम लोक कलाकारों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा रोजी रोटी के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके लिए प्रति स्थल प्रतिदिन कलाकार का मानदेय 40 हजार रुपये एवं कार्यक्रम की अन्य व्यवस्थाओं के लिए 8 हजार रुपये दिये जायेंगे। यह जानकारी अपने सरकारी आवास पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी।

63 लाख महिलाओं ने की मुफ्त बस यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर परिवहन निगम की बसों में 66 घंटे में 63 लाख महिलाओं, बहनों एवं बेटियों ने 15 लाख सहयात्री के साथ मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। यह सरकार की महिला सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। परिवहन मंत्री ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उठाया गया यह कदम वास्तव में महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षा को नई दिशा देने वाला रहा।

फिल्मी रामलीला में अनोखा होगा रावण दहन

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में इस बार 22 सितंबर से दो अक्टूबर तक फिल्मी सितारों की रामलीला का आयोजन होगा। इसमें अलग-अलग फिल्मी कलाकार अपनी भूमिका निभाएंगे। इस बार आयोजन सरयू तट स्थित राम कथा पार्क में होने जा रहा है। इसको लेकर अयोध्या की रामलीला की कमेटी ने तैयारियां शुरू कर दी है और 22 अगस्त को महापौर गिरीश पति त्रिपाठी व साधु संतों की उपस्थिति में भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। रामलीला में इस बार रावण दहन सबसे अनोखा होगा।

किसानों की 100 फीसदी रजिस्ट्री का लक्ष्य तय

प्रदेश में 16 सितंबर से शुरू होगा विशेष अभियान

- जिलाधिकारी करेंगे प्रतिदिन समीक्षा, फार्मर रजिस्ट्री में अब तक बिजनौर सबसे आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री को लेकर बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 16 सितम्बर से प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिलाधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति पर प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व विभाग को निर्देश दिया गया है कि राजस्व अधिकारियों को मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिकार अभिलेख में मालिकों के नाम को आधार के अनुसार सही किया जा सके।

राज्य में कुल 2.88 करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अब तक 50 प्रतिशत से अधिक लगभग 1.45 करोड़ किसानों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री में अब तक बिजनौर जिला सबसे आगे है, जहां 58 प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। इसके बाद हरदोई (57.84 प्रतिशत), श्रावस्ती (57.47 प्रतिशत), पीलीभीत (56.89 प्रतिशत) और रामपुर (56.72 प्रतिशत) टॉप-5 जिलों में शामिल हैं।

वहीं, जो किसान अभी तक रजिस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं, उनके डाटा का फील्ड ऑफिसर्स द्वारा वेरिफिकेशन किया जा रहा है। इसमें अमरोहा, आजमगढ़, बलरामपुर, एटा और जौनपुर जैसे जिलों में 100 प्रतिशत वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।

पिछड़ रहे जिलों पर विशेष ध्यान

राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों का 100 प्रतिशत पंजीकरण अगली किस्त जारी होने से पहले पूरा हो। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों को व्यापक आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियां चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को विशेष रूप से चेताया गया है कि पिछड़ रहे जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएं।

सपा सरकार में आत्महत्या करते थे किसान: शाही

कहा- सपा प्रमुख को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है। उनके शासनकाल में किसान न तो समय से बुवाई कर पाते थे और न ही उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की सुविधा मिलती थी। उस दौर में कर्ज में डूबे 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये हमारी सरकार को माफ करने पड़े। यदि सपा सरकार इतनी ही किसान हितैषी थी तो किसानों को आत्महत्या क्यों करनी पड़ी।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

कृषि मंत्री ने यूरिया के संबध में जानकारी दी कि 18 अगस्त तक प्रदेश में 37.70 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता रही। इसमें से 31.62 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों द्वारा की जा चुकी है। वहीं डीएपी की 18 अगस्त तक 9.25 लाख मी. टन की उपलब्धता रही, जिसमें से 5.38 लाख मी. टन की खरीद किसानों ने कर ली है। जबकि, एनपीके की 18 अगस्त तक 5.40 लाख मी.टन की उपलब्धता रही। इसमें से 2.39 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों ने कर ली। शाही ने कहा कि राज्य सरकार हर किसान को समय से खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय है।

किसानों को अनुदान पर मिलेंगे बीज

अमृत विचार, लखनऊ : किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। इस सत्र में किसानों को 10 लाख क्विंटल गेहूं बीज अनुदान पर दिया जाएगा। गन्ना उत्पादक किसानों को शीतकालीन गन्ने के साथ सहफसली खेती के लिए 7080 क्विंटल राई और सरसों तथा 12500 क्विंटल मसूर के बीज नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 6 .50 लाख दलहनी और तिलहनी बीज मिनीकिट तथा भारत सरकार के सहयोग से 5 .41 लाख दलहनी बीज मिनीकिट भी नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-लॉटरी प्रणाली अपनाई जाएगी, जिससे वास्तविक किसानों को ही लाभ मिल सके। इसके लिए किसानों को पहले से पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। तोरिया बीज मिनीकिट के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई है। इसके बाद 1 सितंबर से अन्य फसलों के बीज मिनीकिट के लिए पंजीकरण शुरू होगा।

एमडीए अभियान की केंद्रीय टीम ने परखी हकीकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडी) की संयुक्त निदेशक डॉ. रिंकू शर्मा ने सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में सुपरवाइजरी विजिट बढ़ाने और रेफ्यूजल केसों पर दैनिक आधार पर काम करने के निर्देश दिये हैं। यह बात उन्होंने रायबरेली और फतेहपुर में भ्रमण के दौरान अभियान की समीक्षा करते हुए कही।

दिल्ली से आई तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम ने बुधवार को फतेहपुर में बिठौरा ब्लाक के भसौनी गांव का भ्रमण किया, जहां फाइलेरिया के मरीज अधिक हैं। इस गांव में दवा सेवन से इंकार करने वालों के लिए डॉ. रिंकू ने स्वास्थ्य टीम व पीएसपी सदस्यों से और कर्मठता से काम करने की हिदायत दी। केंद्रीय टीम ने बछरावां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और वहीं पर इचौली-सुभाष खेड़ा व रामपाल खेड़ा गांव का भ्रमण किया। हरचंदपुर सीएचसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव डिघौरा का भी दौरा किया। केंद्रीय टीम में तकनीकी सहायता इकाई, प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के विशेषज्ञ शामिल थे।

भोपाल की अर्चना नेपाल से बरामद

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- इंदौर में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही थी छात्रा

अमृत विचार : मध्य प्रदेश से 12 दिन पहले रहस्यमय तरीके से लापता हुई सिविल जज की तैयारी कर रही छात्रा अर्चना तिवारी को मध्य प्रदेश के भोपाल जीआरपी की टीम ने लखीमपुर खीरी से जुड़े नेपाल के धनगढ़ी से बरामद कर लिया है।

अर्चना तिवारी

जीआरपी उसे अपने साथ ले गई है। जीआरपी के मुताबिक जांच में सामने आया है कि अर्चना ही पूरे प्लान की मास्टर माइंड है।

मध्य प्रदेश जीआरपी के एसपी राहुल लोढ़ा के मुताबिक कटनी निवासी 22 वर्षीय अर्चना इंदौर में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही है। नर्मदा एक्सप्रेस से वह सात अगस्त को कटनी जाने के लिए सवार हुई, लेकिन वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। उसका बैग उमरिया स्टेशन पर एसी कोच बी-3 में सीट नंबर 3 पर रखा मिला। जीआरपी गुमशुदगी दर्ज करने के बाद इंदौर, कटनी जीआरपी जिला पुलिस के साथ उसकी तलाश कर रही थी। सर्विलांस सेल की मदद ली जा रही थी। जांच के दौरान जीआरपी को जानकारी हुई कि अर्चना ग्वालियर के भंवरपुर थाने में तैनात सिपाही राम तोमर के संपर्क में थी। सिपाही ने ही अपनी आईडी से अपने मोबाइल से अर्चना का कटनी के लिए टिकट बुक किया था। मंगलवार को उसने अपनी मां को फोन भी किया और कहा कि वह सुरक्षित है। इसके बाद जीआरपी उसकी लोकेशन ट्रेस करने में जुट गई। साथ ही जांच का दायरा बढ़ा दिया। जीआरपी ने राम तोमर के आवास पर दबिश दी तो कई लड़कियों के सामान और आपत्तिजनक सामग्री पुलिस के हाथ लगी। इधर युवती की लोकेशन धनगढ़ी (नेपाल) में मिली। इस पर टीम नेपाल पहुंची और अर्चना तिवारी को सकुशल बरामद कर लिया और उसे लेकर भोपाल रवाना हो गई है।

प्रदेश में फिर भारी बारिश की चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के लिए आने वाले दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहे नए वेदर सिस्टम के प्रभाव से राज्य के पूर्वी-पश्चिमी दोनों संभागों में 22 से 25 अगस्त के बीच भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इस बार भी मानसूनी बारिश दक्षिणी हिस्से से प्रवेश करेगी। इसके बाद तीन-चार दिनों के लिए बारिश का विस्तार पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मानसूनी रेखा फिर से उप्र. की ओर खिसकी है। इसके असर से हवाएं बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों से राज्य में पर्याप्त में नमी लेकर आएंगी।

प्रदेश में बच्चे 10 करोड़, बाल रोग विशेषज्ञ मात्र 2500

आईएपी नियोकोन का राष्ट्रीय सम्मेलन कल से, जुटेंगे बाल रोग विशेषज्ञ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 10 करोड़ बच्चों की आबादी पर 2500 बाल रोग विशेषज्ञ हैं, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम हैं। पांच साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का बड़ा कारण समय पर समुचित इलाज न मिलना भी है। बच्चों के बेहतर इलाज को लेकर भारतीय बाल अकादमी (आईएपी) के, नियोकोन के नियोनेटोलॉजी स्पेशिलिटी चैप्टर का 16वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 22 से 24 अगस्त को राजधानी के एक निजी होटल में होगा। इसमें देश दुनिया से बाल रोग विशेषज्ञ आएंगे। यह जानकारी आईएपी के पूर्व अध्यक्ष और कार्यशाला आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. संजय निरंजन ने दी।

लखनऊ में प्रेसवार्ता में जानकारी देते डॉ. संजय निरंजन, साथ में अन्य।

वह बुधवार को पत्रकार वार्ता में जानकारी साझा कर रहे थे। डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि गुजरे कुछ वर्षों में जागरुकता बढ़ी है। नतीजतन पांच साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में सुधार आया है, लेकिन नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में ज्यादा बदलाव नहीं आ रहा है। आयोजन समिति की सचिव डॉ. शालिनी त्रिपाठी ने बताया कि नियोनेटोलॉजी स्पेशिलिटी चैप्टर 16 साल पहले इस उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था। प्रदेश की एनएमआर वर्तमान में 1000 जीवित जन्मों पर 25 है। जबकि भारत की 17 है। सतत विकास के लक्ष्य, एनएमआर 12 से कम करने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। डॉ. आकाश पंडिता ने बताया कि 22 अगस्त को जनपद के विभिन्न सरकारी व निजी चिकित्सा संस्थानों 800 बाल विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे।

युवाओं को रोजगार के साथ नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहन देगा ईपीएफओ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रेस वार्ता कर बताईं प्राथमिकताएं

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने लालकिले से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) की औपचारिक शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य देश के युवाओं को संगठित क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना है।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पहली बार ईपीएफओ में पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों को अधिकतम 15,000 तक का प्रोत्साहन दो किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त 6 माह की सेवा पूरी होने पर और दूसरी किस्त 12 माह की सेवा के साथ वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रदान की जाएगी। नियोक्ताओं को भी प्रति अतिरिक्त रोजगार 3,000 रुपये प्रतिमाह तक प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो सामान्य क्षेत्र में 2 वर्षों और विनिर्माण क्षेत्र में 4 वर्षों तक मिलेगा। प्रोत्साहन राशि वेतन के स्लैब के अनुसार 1,000 से 3,000 रुपये प्रतिमाह तक होगी। यह योजना 1 लाख रुपये तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर लागू होगी।

उन्होंने बताया कि लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी और रायबरेली जिलों में 37,926 पंजीकृत प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से 7,087 सक्रिय योगदानकर्ता हैं और 5 लाख से अधिक कर्मचारी सक्रिय यूएएन धारक हैं। क्षेत्रीय कार्यालय ने पिछले चार महीनों में 1.88 लाख से अधिक दावे निस्तारित कर 498 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की है। योजना का लाभ उठाने के लिए प्रतिष्ठानों को नए कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। योजना की विस्तृत जानकारी के लिए 18 अगस्त को pmvbry.epfindia.gov.in पोर्टल शुरू किया गया है।

मंथन | यूपीएसआईएफएस में तीन दिनी सेमिनार के अंतिम दिन एक्सपर्ट्स ने कई प्रमुख विषयों पर पैनल डिस्कशन में लिया हिस्सा

चीन, पाकिस्तान की ऑफेंसिव स्ट्रैटेजी का मुकाबला करना जरूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार भविष्य आधारित तकनीकों के प्रयोग के जरिए प्रदेश के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने की तैयारी कर रही है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेस (यूपीएसआईएफएस) में तीन दिवसीय सेमिनार के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार को कई अहम विषयों पर लेकर चर्चा हुई। इसमें साइबर सुरक्षा से लेकर फॉरेंसिक साइंस की उन्नति से लेकर कई विषयों पर पैनल डिस्कशन का आयोजन हुआ, जिसमें जीनोम मैपिंग, जिनियोलॉजिकल डाटाबेस निर्माण, एआई व आंत्रप्रेन्योरशिप जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

इसी कड़ी में साइबर क्राइम को लेकर एक्सपर्ट्स ने माना कि चीन-पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की ओर से भारत की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाने की बढ़ती कोशिशों पर लगाम लगाने की जरूरत है। एक्सपर्ट्स ने माना कि चीन-पाकिस्तान की ऑफेंसिव स्ट्रैटेजी का सामना करने के लिए भारत को तेजी से सिक्योर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करनेकी जरूरत है। साइबर क्राइम की सबसे अहम कड़ी साइबर किल चेन को रक्तबीज बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे वैश्विक प्रयासों के जरिए ही तोड़ा जा सकता है। वहीं, फॉरेंसिक की फील्ड में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भविष्य आधारित तकनीकों के प्रयोग के जरिए पीड़ितों को न्याय व सहायता दिलाने के साथ दोषियों को दंड दिलाने पर जोर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया के साइबर एक्सपर्ट रॉबी अब्राहम ने वर्चुअल माध्यम से पैनल डिस्कशन में जुड़कर हैकिंग की बदलती प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इसे रोकने के लिए रेगुलर सिक्योरिटी ट्रेनिंग, सभी अकाउंट को एमएफए इनेबल करना, एंटीवायरस का इस्तेमाल, ई-मेल और मैसेज के प्रति सजग रहकर साइबर हैकिंग और फ्रॉड से बचा जा सकता है।

छोटा सा परिवर्तन डाल सकता है बड़ा प्रभाव

बुधवार को पैनल डिस्कशन में हिस्सा लेते हुए महाराष्ट्र के प्रमुख सचिव ब्रजेश सिंह ने साइबर खतरे व पुलिसिंग के वैश्विक परिदृश्य को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज छोटा सा परिवर्तन बहुत बड़ा इंपैक्ट ला सकता है। हिज्बुल्ला पेजर अटैक इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि साइबर किल चेन रक्तबीज की तरह है। भारत का सबसे बड़े पोर्ट यानी 3 महीने के लिए जीएनपीटी का पोर्ट ऑपरेट नहीं हो पाया एक मालवेयर के कारण। यह साइबर किल चेन का उदाहरण था। साइबर क्राइम इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक प्रयासों के जरिए ही तोड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि लॉकबिट को तोड़ने के लिए 11 देशों की सुरक्षा एजेंसियों को साथ आकर काम करना पड़ा।

इन पैनलिस्ट्स ने रखा अपना पक्ष

कार्यक्रम में एनसेस्ट्री इंटरफेस व फॉरेंसिक केसवर्क के विभिन्न पहलुओं पर सीडीआरआई लखनऊ के साइंटिस्ट राजेंद्र सिंह, आईईएसआर नोएडा के सीईओ आशीष दूबे, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलेयोसाइंसेस लखनऊ के साइंटिस्ट डॉ. नीरज राय व हैदराबाद के बायोएक्सिस कंपनी के सीईओ अमित कुमार ने अपना पक्ष रखा। जबकि, फॉरेंसिक आंत्रप्रेन्योरशिप के लेकर अमेरिकी साइबर एक्सपर्ट पवन शर्मा, आईआईआईटी लखनऊ के निदेशक एएम शेरी, बायोटॉक्स सॉल्यूशन के निदेशक शिव पूजन, एसआईएफएस नई दिल्ली के सीईओ रंजीत सिंह ने युवाओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में पैनसलिस्ट्स के साथ ही यूपीएसआईएफएस के एडिशनल डायरेक्टर राजीव मल्होत्रा, छात्र-छात्राएं व स्टाफ मौजूद रहे।

फील्ड में जाकर उपभोक्ताओं से मिलें अधिकारी : ऊर्जा मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में ए के शर्मा ने दिए निर्देश

अमृत विचार: ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विभाग के अधिकारियों को चेताया है कि वे दफ्तरों तक सीमित न रहकर फील्ड में उतरकर अपनी सक्रियता दिखाएं। यह भी हिदायत दी कि अधिकारी मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति देखें और उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

एके शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट और कड़े निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा एवं संतोष ही हमारी प्राथमिकता है। सरकार की मंशा है कि हर घर तक निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो, ऊर्जा मंत्री ने विशेष रूप से 1912 उपभोक्ता सेवा हेल्पलाइन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नंबर पर आने वाली हर शिकायत को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि शिकायतों की अनदेखी या लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी और ऐसी स्थिति में जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

टनकपुर–बागेश्वर रेलवे लाइन का सर्वे पूरा, डीपीआर तैयार

देहरादून, अमृत विचार : केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोक सभा में नैनीताल के सांसद अजय भट्ट द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सदन को सूचित किया कि टनकपुर–बागेश्वर नई लाइन (170 किमी) के लिए फील्ड सर्वेक्षण पूरा हो गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना की लागत 48,692 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस परियोजना में यातायात संभावनाएं कम हैं।

फंदे पर मिला महिला प्रधान का शव

स्योहारा (बिजनौर), अमृत विचार : स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मेवानवादा की ग्राम प्रधान राहिल परवीन (40) पत्नी इशरत अली का शव बुधवार सुबह घर की खिड़की में फंदे से लटका मिला। सबसे पहले मृतका के 17 वर्षीय बेटे अमान ने यह दृश्य देखा। शव घुटनों के बल जमीन पर टिका था। राहिल परवीन इशरत अली की दूसरी पत्नी थीं। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, लेकिन वह इशरत की पहली पत्नी के चारों बच्चों को पालती थीं। परिजनों का कहना है कि इशरत का किसी अन्य महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

उम्र कैद काट रहे अभियुक्त को किया बरी

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 41 साल से लंबी कानूनी लड़ाई लड़ रहे अभियुक्त को हत्या के मामले में बरी करते हुए कहा कि केवल कथित उकसावे मारो साले को के आधार पर सामान्य आशय (कॉमन इंटेंशन) साबित नहीं होता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आईपीसी की धारा 34 के तहत दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए सामान्य इरादा और अपराध में अभियुक्त की प्रत्यक्ष भागीदारी होना आवश्यक है। वर्तमान मामले में सामान्य आशय सिद्ध नहीं हुआ बल्कि केवल उकसाने का आरोप था।

पूर्व एमएलसी दीपक सिंह की सुनवाई टली

सुलतानपुर, अमृत विचार : तीन साल पूर्व कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के बीच हुए विवाद के विरोध में प्रदर्शन करने और स्मृति ईरानी का पुतला दहन से जुड़े मामले की सुनवाई 12 सितम्बर के लिए टल गई है। मामले में अमेठी जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष योगेंद्र मिश्र समेत 28 आरोपियों के खिलाफ एमपी- एमएलए की विशेष अदालत में केस लंबित है।

असम से फाइनेंस पर ट्रैक्टर खरीद यूपी में बेचने वाला गिरोह पकड़ा

पाकबड़ा थाना पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार, 6 ट्रैक्टर बरामद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पाकबड़ा थाना पुलिस ने ट्रैक्टरों की तस्करी और सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग में लिप्त एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। असम से फाइनेंस पर खरीदे गए ट्रैक्टरों को उत्तर प्रदेश लाकर महंगे दामों पर बेचने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर छह ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं।

बुधवार को पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मास्टरमाइंड सहारनपुर निवासी आशीष मल्होत्रा है, जो ट्रैक्टर रिपेयरिंग गैराज चलाता है। उसके साथ पकड़े गए अन्य दो आरोपी हैं। थाना मैनाठेर क्षेत्र के रसूलपुर निवासी मोहम्मद रिजवान और संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव का मोहम्मद जुनेद असम में किसानों को सरकारी योजनाओं के तहत सब्सिडी और फाइनेंस की सुविधा से ट्रैक्टर दिलवाते और फिर उन्हें कम दाम में खरीद लेते थे। इसके बाद ट्रैक्टरों को यूपी लाकर नकली कागजात तैयार कर ऊंचे दामों पर बेच देते थे। इस बार भी आरोपी दो कंटेनरों में छह ट्रैक्टर लादकर सहारनपुर ले जा रहे थे। गुप्त सूचना पर पाकबड़ा पुलिस ने कंटेनरों को रोककर तलाशी ली और ट्रैक्टर बरामद कर लिए। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह पहले भी कई बार इसी तरीके से ट्रैक्टरों की तस्करी कर चुका है। पुलिस ने 6 ट्रैक्टर बरामद कर आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

गैंग का खुलासा करते एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह। ● अमृत विचार

- किसानों को सरकारी योजनाओं के तहत ट्रैक्टर दिलवा फिर उन्हें कम दाम में खरीद लेते थे
- दो कंटेनरों में छह ट्रैक्टर लादकर सहारनपुर ले जा रहे थे मैनाठेर और संभल निवासी आरोपी

पुलिस पता लगा रही नेटवर्क में और कौन लोग शामिल

एसपी सिटी ने बताया कि गिरोह से जुड़े फर्जी दस्तावेज, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल सबूत भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं और अब तक कितने ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री की जा चुकी है।।

हाथरस में माचिस मांगने को लेकर हुए विवाद में बुजुर्ग की हत्या

हाथरस, एजेंसी: जिले के सासनी कोतवाली क्षेत्र में माचिस मांगने को लेकर हुए विवाद में एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि सासनी इलाके में बुधवार सुबह चोब सिंह (60) नाम के व्यक्ति का शव बरामद किया गया था और उसकी गर्दन पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में संतोष और कल्लन नाम के युवकों की संलिप्तता पाई गई थी। अधिकारी ने बताया कि दोनों युवकों से पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्होंने चोब सिंह की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात तो दोनों ने चोब सिंह के साथ बैठकर शराब पी थी और इसके बाद माचिस मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट हो गयी। उन्होंने बताया कि उसके बाद संतोष ने लोहे की पत्ती से चोब सिंह के गले पर वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

बोरे से आ रही थी रोने की आवाज, खोलकर देखा तो मिली नवजात बच्ची

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कटघर क्षेत्र में बुधवार दोपहर सोनू नाम के एक व्यक्ति ने डायल 112 पर फोन कर बताया कि सड़क किनारे पड़े एक बोरे से बच्चे के रोने की आवाज आ रही है। सूचना पर पहुंची टीम ने बोरा खोलकर देखा तो नवजात थी। अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

लाजपत नगर चौकी इंचार्ज महेश शर्मा, पीतलबस्ती चौकी इंचार्ज कृष्णा कुमार और चाइल्ड लाइन कॉर्डिनेटर तबस्सुम अंजू सागर ने नवजात को बोरे से निकाल निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां, हालत नाजुक होने के कारण चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर दीपक कुमार और महिला सिपाही सविता ने नवजात को जिला महिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया। सीएमएस डॉ. निर्मला पाठक ने बताया कि बच्ची का जन्म कुछ घंटे पहले ही हुआ लगता है। सांसें बार-बार उखड़ने से डॉक्टरों की टीम उसकी जान बचाने का हरसंभव प्रयास कर रही है। डॉ. पुष्पा यादव के अनुसार बच्ची का वजन भी सामान्य से कम है और जन्म के तुरंत बाद सही देखभाल न मिलने से हालत और बिगड़ गई है।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जिससे पता लगाया जा सके कि बच्ची को किसने और क्यों यहां फेंका।

जिला अस्पताल में भर्ती नवजात।

- जिला महिला अस्पताल में कराया भर्ती, हालत नाजुक

बीएसए, लेखाधिकारी समेत 7 के खिलाफ रिपोर्ट के आदेश

अनामिका शुक्ला मामला

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: तरबगंज के रामपुर टेंगरहा स्थित भैया चंद्रभानदत्त स्मारक लघु माध्यमिक विद्यालय में नियुक्ति पाकर चर्चा में आई जिले की अनामिका शुक्ला का मामला एक बार फिर से सुर्खियों में है। अनामिका की नियुक्ति और वेतन भुगतान में बरती गयी अनियमितता के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जिले के बीएसए व वित्त लेखाधिकारी समेत सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत के आदेश के बाद बेसिक शिक्षा महकमें में हड़कंप मच गया है।

वर्ष 2020 में अनामिका शुक्ला प्रकरण सामने आया था। इसमें अनामिका शुक्ला के नाम पर प्रदेश के 25 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में नौकरी करने की बात सामने आई थी। जांच के दौरान गोंडा की रहने वाली अनामिका शुक्ला सामने आई और बताया कि उसकी डिग्री पर जो लोग नौकरी कर रहे हैं, वह सभी फर्जी हैं। अनामिका ने आरोप लगाया था कि जालसाजों ने उसके अभिलेख का दुरुपयोग कर प्रदेश के विभिन्न जिलों में अनामिका के नाम पर 25 महिलाओं को नौकरी दिलवाई, जबकि वह खुद बेरोजगार है। इस पर तरबगंज के रामपुर टेंगरहा स्थित भैया चंद्रभानदत्त स्मारक लघु माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक ने सामने आकर अनामिका को अपने विद्यालय में अस्थायी नियुक्ति देने की बात कही। प्रबंधक ने उसे नियुक्ति पत्र भी दिया था, लेकिन वेतन भुगतान के संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं की गयी।

बाद में जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि अनामिका को वर्ष 2017 से यह सहायक अध्यापक के वेतन का भुगतान किया जा रहा है और अब तक अनामिका को कई करोड़ रुपये का वेतन भुगतान किया जा चुका है। शासन स्तर से जब इस मामले की जांच शुरू हुई तो बीएसए ने अनामिका की नियुक्ति से इंकार करते हुए कहा कि इस नाम की कोई भी शिक्षिका उनके विभाग में नहीं है। प्रदीप पांडेय ने एडेड स्कूलों में फर्जी नियुक्ति करने और अनामिका शुक्ला को लेखा कार्यालय की तरफ से फर्जी वेतन भुगतान करने का आरोप लगाते हुए सीजेएम कोर्ट में वाद दायर किया था।

आभूषणों की लूट के मामले में तीन गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी : मेरठ में 50 लाख रुपये के आभूषणों की लूट के मामले में पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि 12 अगस्त को सोहराब गेट बस स्टैंड पर एक व्यापारी से करीब 50 लाख रुपये के आभूषण लूट लिये गए थे। पुलिस की एक टीम ने बुधवार को बदमाशों को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में देहरादून निवासी विश्वजीत सिंह (34), पुणे निवासी मोहम्मद (28) घायल हो गए जबकि सहारनपुर निवासी दुर्गेश कुमार (49) को पकड़ लिया गया।

उन्नाव में दो वाहनों में लगी आग, तीन की जलकर मौत

संवाददाता,उन्नाव

अमृत विचार: जिले में बुधवार तड़के दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद उनमें आग लग गई, जिससे तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार हादसा तड़के करीब तीन बजे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हरदोई-उन्नाव मार्ग पर मरी कंपनी मोड़ के पास उस वक्त हुआ जब उन्नाव से हरदोई की ओर जा रहे एक डंपर की हरदोई से उन्नाव की ओर आ रही डीसीएम से टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई।

थाना प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद छह बजे आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में कानपुर देहात निवासी डंपर चालक पवन यादव, जालौन निवासी उसका सहायक सुमित और संभल निवासी डीसीएम चालक महिपाल की जलकर मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि डीसीएम चालक का सहायक संभल निवासी सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंजमुरादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई पास नहीं जा सका। हादसे के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लगभग तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाकर यातायात बहाल किया गया।

टक्कर के बाद आग में जलते दोनों वाहन।

माध्यमिक शिक्षा में फर्जी डिग्री वाले 22 शिक्षक बर्खास्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा में सहायक अध्यापक पदों पर हुई नियुक्तियों की जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। विभिन्न जिलों में नियुक्त 22 शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन में प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। यह शिक्षक कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नौकरी कर रहे थे। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इनकी सेवाएं समाप्त करते हुए वेतन की रिकवरी और एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया है। ये सभी नियुक्तियां आजमगढ़ मंडल में 21 अप्रैल 2014 में हुई थी।

वर्तमान में ये सभी शिक्षक स्थानांतरण के बाद अलग-अलग कॉलेजों में कार्यरत हैं।

- एफआइआर दर्ज करने के साथ होगी वेतन की वसूली

शिक्षा निदेशक माध्यमिक की ओर से इन नियुक्तियों में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक व प्रशिक्षण अर्हता के आधार पर मेरिट बनाकर काउंसिलिंग के जरिए चयन किया गया था। लेकिन दस्तावेजों की गहन जांच में कई अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र कूट रचित मिले। करीब 11 वर्ष के बाद फर्जी अभिलेखों के आधार पर नियुक्त 22 शिक्षकों की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही, उनके द्वारा अब तक प्राप्त वेतन की वसूली (रिकवरी) की जाएगी।

इन शिक्षकों में विनय कुमार यादव, अनीता रानी व विवेक सिंह-मऊ, पवन कुमार, अतुल प्रकाश वर्मा, प्रियंका, अंकित धर्मा, सलोनी अरोरा, आनंद सोनी व लक्ष्मी देवी - बाराबंकी, राज रजत वर्मा व रोहिणी शर्मा लखनऊ, अमित गिरी -बुलंदशहर, रूचि सिंघल - सहारनपुर, नूतन सिंह - कानपुर देहात, दीपा सिंह - मीरजापुर, रूमन विश्वकर्मा, गीता व प्रीति सिंह - आजमगढ़, नन्दिनी - जौनपुर और सरिता मौर्या व किरन मौर्या - बलिया ।

कौशल विकास से आएगी आत्मनिर्भरता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समर्पण और लगन के साथ कौशल विकास कर वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समाज और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान देंगे। उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पूर्व बुधवार को पुलकित खरे ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) के अंतर्गत लखनऊ स्थित एलएनजे इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिशन निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता का आकलन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र प्रबंधक को निर्देश दिया कि पाठ्यक्रम की गुणवत्ता, प्रायोगिक गतिविधियों और रोजगार से जोड़ने वाली सुविधाओं में लगातार सुधार किया जाए।

लखनऊ स्थित एलएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करते मिशन निदेशक पुलकित खरे।

रोजगार और नौकरी को तीन वर्गों के लिए तय कीं नीतियां

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- भराड़ीसैंण में हुई कैबिनेट बैठक तीन प्रस्ताव मंजूर

अमृत विचार : भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मुख्य रूप से तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें महिलाओं, युवाओं और भूतपूर्व सैनिकों के रोजगार के साधन बढ़ाने, कौशल विकास, सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी प्रदान करने के लिए तीनों वर्गों के लिए अलग-अलग नीति बनाई जाएंगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी। वृहद स्तर पर युवा महोत्सव और रोजगार मेलों का आयोजन होगा। व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्कूल समन्वय से कार्य करेंगे। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजना के तहत कार्य होंगे। युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मौन पालन, एप्पल मिशन और बागवानी के लिए हर ब्लॉक में प्रारंभिक चरण में 200 लोगों को प्रशिक्षण मिलेगा। स्वैच्छिक चकबंदी योजना जल्द शुरू होगी। कृषि विभाग के एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ भी एमओयू होंगे।

भूतपूर्व सैनिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। दूसरे प्रस्ताव में उत्तराखंड अपराध से पीड़ित सहायता (संशोधन) योजना, 2025 को मंजूरी प्रदान कर दी गई।

सदन में दूसरे दिन भी विपक्ष का हंगामा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- उत्तराखंड : रातभर सदन में रहे विपक्षी विधायक

अमृत विचार : कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग को लेकर अड़े कांग्रेस विधायकों ने मंगलवार पूरी रात सदन में गुजारने के बाद बुधवार को लगातार दूसरे दिन जोरदार हंगामा किया, जिसकी वजह से चार दिवसीय मानसून सत्र को भोजनावकाश से पहले ही महज डेढ़ दिन में ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

वहीं, बिना वार्ता व बैठक के सदन अनिश्चिकाल के लिए स्थगित करने के विरोध में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और विधायक प्रीतम सिंह ने कार्य मंत्रणा समिति से इस्तीफा दे दिया है। मानसून सत्र के पहले दिन मंगलवार को कार्य स्थगन प्रस्ताव के जरिए कांग्रेस सदस्यों ने पंचायत चुनाव में कथित गड़बड़ी और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को लेकर जबरदस्त हंगामा किया था और प्रस्ताव को स्वीकार न किए जाने पर सदन में ही धरना शुरू कर दिया था। कांग्रेस सदस्य शाम को सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद भी रात भर वहीं डटे रहे। इस दौरान, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस विधायकों को मनाने और धरना समाप्त कराने की कोशिश की लेकिन वे धरने से उठने को तैयार नहीं हुए। बुधवार सुबह जब सदन की कार्यवाही 11 बजे शुरू होने वाली थी, कांग्रेस सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने जमा हो गए। विस अध्यक्ष के सदन में आते ही वे फिर से अपनी मांग दोहराते हुए सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। अध्यक्ष ने उन्हें अपने स्थान पर बैठने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया।

भाजपा और कांग्रेस सदस्यों में तीखी नोकझोंक

इस बीच, भाजपा विधायकों ने प्रश्नकाल न चलने देने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाए। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस और नोकझोंक भी देखने को मिली। हंगामा जारी रहने के कारण सदन की कार्यवाही फिर दोपहर 12 बजे तक और फिर तीसरी बार 12 बजकर 30 मिनट तक स्थगित कर दी गई, जिससे लगातार दूसरे दिन भी प्रश्नकाल नहीं हो सका। सदन की कार्यवाही के साढ़े 12 बजे फिर से शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया और शोरगुल के बीच सरकार ने बुधवार के लिए निर्धारित कामकाज निपटाना शुरू कर दिया।

जमीन बेचने के नाम पर की दो करोड़ से अधिक की ठगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक प्रापर्टी डीलर द्वारा जमीन बेचने वालों के साथ मिलकर ग्राहकों से करीब दो करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। मामले में आईटीआई थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम भरतपुर, कुंडा निवासी नरेन्द्र सिंह ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने अपने साथियों मोती राम जैन और लवीश जैन के साथ मिलकर 2 एकड़ जमीन खरीदने के लिए एक सौदा किया। यह सौदा बरखेड़ा राजपूत में स्थित एनएच 74 हाइवे पर एक जमीन के लिए हुआ था, जिसका खसरा नंबर 84 मिन और खतौनी नंबर 50 है। ब्रोकर अवतार सिंह निवासी बरखेड़ी लोहिया पुल के माध्यम से अमरजीत कौर, उनके बेटों गुरजीत सिंह उर्फ हीरा, संदीप सिंह और बहू हरप्रीत कौर निवासीगण बरखेड़ा राजपूत के साथ यह डील तय हुई। बताया कि 19 अक्टूबर 2022 को तहसील काशीपुर में इकरारनामा किया गया। जिसमें 30 नवंबर 2023 तक रजिस्ट्री कराने, प्रापर्टी डीलर को 2 प्रतिशत के हिसाब से 4 लाख रुपये कमीशन देना, भूमि में मिट्टी भराव करके देना व 50 लाख रुपये विक्रेता के पास पहुंचने पर बाउंड्री चारदीवारी करना तय हुआ था।

परिवर्तन मंदिरों के अवशेष दे रहे परशुराम की जन्मस्थली होने की गवाही, केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने जताया आभार

अब परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा जलालाबाद, गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

शाहजहांपुर /जलालाबाद

अमृत विचार : भगवान परशुराम की जन्मस्थली जलालाबाद अब परशुरामपुरी के नाम से जानी जाएगी। स्थानीय लोग लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। गृह मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद बुधवार को इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर दिया गया।

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया और इसे सनातन समाज के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह निर्णय आस्था को सम्मान देने वाला है। नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में नाम परिवर्तन का प्रस्ताव पारित किया था। अप्रैल 2024 में डीएम ने प्रस्ताव शासन को भेजा। प्रदेश सरकार ने प्रस्ताव को गृह मंत्रालय को भेजा था। हाल के वर्षों में बजरंग दल और अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने मांग को धार दी।

जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भन्नू सहित कई स्थानीय लोगों ने भी आवाज उठाई थी। 24 अप्रैल 2022 को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने यहां आयोजित सभा में परशुराम की जन्मस्थली की घोषणा की थी। भगवान परशुराम को लेकर मान्यता है कि जलालाबाद (अब परशुरामपुरी) में ही भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इस मान्यता के पीछे प्राचीन मंदिरों, पौराणिक कथाओं और लोक आस्था का गहरा प्रभाव है। जलालाबाद के जमदग्नि आश्रम से लगभग दो किलोमीटर पूर्व दिशा में स्थित हजारों साल पुराना मंदिर और अवशेष परशुराम की जन्मस्थली होने की मान्यता को प्रमाणित करते हैं। मंदिर के महंत सत्य देव पांडे है। स्थानीय कथा के अनुसार महारर्षि जमदग्नि ने यह आश्रम वहीं स्थापित किया था, जहां परशुराम का जन्म हुआ था और आज यह स्थान 'ढकियाइन देवी मंदिर' के नाम से विख्यात है। आसपास फैला रामताल नामक तालाब भी इस पवित्रता को और बल देता है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार परशुराम का बचपन का नाम राम ही था। बाद में भगवान शिव ने उन्हें परशु शस्त्र के रूप में प्रदान किया, जिसके बाद उनका नाम परशुराम हो गया।

जलालाबाद स्थित परशुराम मंदिर। ● अमृत विचार

सत्य देव पांडे, महंत परशुराम मंदिर।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद।

न्यूज ब्रीफ

खेत में घास काटने गई महिला की सर्पदंश से हुई मौत

गुलड़िया, अमृत विचार : सिरौली थाना क्षेत्र के गांव मोर सिंह गौटिया निवासी दुलारी कश्यप बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे अपने खेत पर घास काटने के लिए गई थी तभी उनको घास काटते समय सांप ने डस लिया और सांप के डसने का एहसास होने पर वह घबरा गई और चक्कर खाकर खेत पर ही गिर पड़ी। परिजन ने झाड़फूंक करने वाले को दिखाया। लाभ नहीं होने पर बरेली के निजी अस्पताल में दिखाया यहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नवाबगंज में हेलमेट नहीं लगाने पर काटे वाहनों के चालान

नवाबगंज, अमृत विचार : बाईपास चौराहे पर बुधवार को पुलिस 23 दुपहिया वाहनों के चालान काटे । इनमें ज्यादातर हेलमेट नहीं लगाने पर चालान काटा गया है। तीन सवारी बैठाने वाले बाइक सवार भी चालान की चपेट में आये हैं। भरे बाजार व चौराहे पर चले इस वाहन चेकिंग अभियान की गाज कुछ ऐसे बाइक सवारों पर भी गिरी जो बाजार से सौदा खरीद कर जा रहे थे तो कुछ उर्स से लौट रहे थे। नगर के बीच पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस वाहन चेकिंग अभियान से लोग आहत हैं। पुलिस पर आरोप लगाया कि गलियों में भी चालान कर रही है।

बहेड़ी में रासलीला में हुआ बाल लीला का मंचन

बहेड़ी, अमृत विचार : शिव मंदिर होली चौराहा पर चल रही रासलीला में पूतना वध एवं कंस वध की लीला का मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने रासलीला का मंचन किया । इस दौरान कृष्ण लीला में सुदामा और कृष्ण की मित्रता का भी वर्णन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद रहे । इस मौके पर अध्यक्ष हीरा लाल तोमर, वीरेंद्र दीक्षित, पंकज शर्मा, राजन लाडले, सत्यवीर कनौजिया, सजल अग्रवाल, अशोक दिवाकर, विष्णु दत्त, राजेश दीक्षित, उमा शंकर दिवाकर, पूरन दिवाकर, अनिल दिवाकर आदि मौजूद रहे।

स्कूलों में बच्चों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

फतेहगंजपूर्वी, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर की चिकित्सकों की टीम ने आज क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया । स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम सिमरा हरचंद सिंह के सरकारी स्कूल, के अलावा निबढ़िया, हरेली, हरेला समेत कई स्कूलों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा संक्रामक रोगों से पीड़ित बच्चों को दवाइयां वितरित की । स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों को स्वस्थ रहने के कई सुझाव भी बताएं । इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के अलावा अध्यापक भी मौजूद रहे ।

आठ साल से तेल टैंकर कैद, अफसर बेखबर

जहाज में भरने वाला तेल लेकर जा रहे टैंकर का निस्तारण नहीं, आठ साल से भरा खड़ा है टैंकर

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : अफसरों की लापरवाही से छह साल पहले चोरी करते पकड़ा गया टैंकर और उसमें भरे हजारो लीटर एटीएफ का निस्तारण नहीं हो पाया है। सुरक्षा की दृष्टि से आंवला थाने से हटाया गया तेल भरा यह टैंकर अब आंवला के इंडियन आयल डिपो में खड़ा है। सालों से खड़े इस टैंकर में भरे तेल को लेकर अब वहां भी असुरक्षा का शक जताते हुए एक बार फिर एसडीएम को पत्र भेजकर मामले का शीघ्र निस्तारण करने का आग्रह किया गया है। इंडियन आयल अफसर के इस पत्र के बाद एसडीएम आंवला ने प्रकरण के निस्तारण के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दी है

2017 में चोरी के आरोप में पकड़ा गया इंडियन ऑयल का 24 हजार लीटर एटीएफ तेल से भरा टैंकर आठ साल बाद भी जस का तस खड़ा है। यह तेल आंवला डिपो के समीप नगरिया सतन में पकड़ा गया था। इस टैंकर को पहले थाने और बाद में सुरक्षा कारणों से इंडियन ऑयल डिपो में खड़ा करा दिया गया था। जो अब भी खड़ा है। तत्कालीन पूर्ति निरीक्षक ने तेल चोरी के मामले में चालक चालक-हेल्पर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर टैंकर कब्जे में लिया था। बाद में पुलिस ने हादसे की आशंका जताते हुए इसे डिपो परिसर में शिफ्ट कर दिया।

कौन है जिम्मेदार

- छह साल से टैंकर में भरा 24 हजार लीटर एटीएफ तेल कितना काम लायक बचा है?
- लंबे समय से बंद टैंकर में तेल की गुणवत्ता प्रभावित हो चुकी होगी।
- यदि तेल अनुपयोगी निकला तो करोड़ों का नुकसान तय है।
- जिम्मेदारी किसकी है कि छह साल तक न तो जांच हुई और न ही निस्तारण?
- आठ साल से लंबित है निस्तारण, प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल
- सुरक्षा के लिहाज से खतरे की घंटी

फैक्ट फाइल

- 2017 – थाना आंवला में धारा 379, 411, 420 व आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज।
- 2019 – पुलिस थाने से टैंकर हटाकर आईओसीएल आंवला डिपो परिसर में खड़ा कराया गया।
- कई बार – आईओसीएल ने प्रशासन को पत्र लिखकर निस्तारण की मांग की।
- 2025 – मामला अब भी लंबित, डिपो प्रबंधन ने सुरक्षा चिंता जताते हुए फिर किया अनुरोध।

आदेश पर भी फाइलें नहीं बढ़ीं

इंडियन ऑयल अफसरों ने समय-समय पर डीएम और एसडीएम को पत्र लिखकर निस्तारण की मांग की, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती से कार्रवाई अटकी रही। 2018 में ही एडीएम ने टैंकर और तेल का निस्तारण कर राशि शासन को जमा कराने के आदेश दिए थे, पर अमल अब तक नहीं हुआ। 18 अगस्त को इंडियन आयल कार्पोरेशन के एक वरिष्ठ अफसर ने एसडीएम को पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि टैंकर संख्या जीजेशून्य 5 एवी 2245 हेतु तत्कालीन एसडीएम ने 23 नवंबर 2019 को तहसीलदार आंवला, पूर्ति निरीक्षक आंवला, वरिष्ठ डिपो प्रबंधक आंवला को संयुक्त रुप से नियमानुसार जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन अभी तक कोई प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी है। इंडियन ऑयल के अफसर ने अप्रिय घटना का एक बार फिर जिक्र करते हुए कहा है कि किसी भी टैंकर को बहुत समय तक डिपो परिसर में खडा रखना सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा एक बार फिर प्रशासनिक अफसरों से आग्रह किया है कि उक्त टैंकर में भरे तेल की मात्रा की जांच करा ली जाए। ताकि जांच के बाद तेल को पास के किसी रिफाइनरी में फर्नेस ऑयल के तौर पर निस्तारण के लिए भेज दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि अपर जिला मजिस्ट्रेट बरेली द्वारा 25 जनवरी 2018 को तेल और टैंकर को निस्तारित करते हुए प्राप्त धनराशि को शासकीय कोष में जमा करने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी बरेली को आदेश दिया जा चुका है लेकिन इस पर भी अभी तक कुछ नहीं किया गया है।।

एसडीएम ने दिए नए निर्देश

एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने बताया कि डिपो से प्राप्त पत्र पर कार्रवाई की जा रही है। नायब तहसीलदार और पूर्ति निरीक्षक को निस्तारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जल्द मामले का समाधान कराया जाएगा।

न अच्छा मोबाइल न अच्छा मानदेय, ज्ञापन

पंचायत सहायकों ने मांगों का ज्ञापन एडीओ पंचायत को ज्ञापन सौंपा। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

● पंचायत सहायकों ने एडीओ और ब्लाक प्रमुख को सौंपा मांग पत्र

अमृत विचार : क्रॉप सर्वे का कार्य पंचायत सहायकों से कराने सबंधी आदेश का विरोध करते हुए पंचायत सहायक यूनियन ने एडीओ पंचायत वीपी सिंह और ब्लाक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार को बुधवार को ज्ञापन सौंपा।

पंचायत सहायकों ने ज्ञापन में कहा कि यह कार्य अभी तक कृषि विभाग के कर्मचारी कर रहे थे। पंचायत सहायकों के पास न तो उच्च गुणवत्ता के मोबाइल हैं और न ही उन्हें संबधित विभाग द्वारा सम्मानजनक मानदेय दिया जाता है। मानसून में जंगली जंतुओं जानवरों द्वारा हमला और प्राकृतिक आपदा में मृत्यु के दौरान दस लाख की विशेष आर्थिक सहायता और परिवार के सदस्य को नौकरी देने की मांग रखी है। इस दौरान पंचायत सहायक यूनियन ब्लॉक अध्यक्ष अतुल शर्मा, हरेंद्र सिंह, पारुल राजपूत, योगेश कुमार, संगीता, मुमताज जहां, राहुल कुमार, राम अवतार, सोनम इरम नूरी महेश कुमार, निधि सक्सेना, इंद्रपाल, सुधीर सिंह, शीतल गंगवार, प्रेमलता, सोनम गंगवार, महेश पाल प्रिंसी आदि रहे।

रक्तवीर राम नारायण का किया स्वागत

संवाददाता, मीरगंज

रक्तवीर सम्मान लेकर लौटे रामनरायण का स्वागत करते व्यापारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार :64 बार रक्तदान कर चुके मीरगंज के सराफा व्यापारी राम नारायण गुप्ता को दिल्ली में रक्तवीर सम्मान से नवाजा गया। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासभा के कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने उन्हें सम्मानित किया।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष व सराफा व्यापारी राम नारायण गुप्ता को कस्बे में रक्तदानी लाला के रुप में जाना जाता है। दिल्ली में सम्मान समारोह से लौटे रक्तदानी लाला का व्यापारियों ने अंडरपास के पास भव्य स्वागत किया। जुलूस के रूप में उन्हें कोतवाली गेट तक ले जाया गया। रास्ते में दुकानदार व्यापारियों और सभी ने जगह-जगह उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। रामनारायण ने कहा कि वह शतक पूरा करने तक रक्तदान करेंगे। उन्होंने अपना देह और नेत्रदान करने की भी घोषणा की है। स्वागत करने वालों में पवन गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, चरणजीत सिंह टोनी, सरदार रंजीत सिंह, सोनू सिंह, रामपाल गुप्ता, जीशान अंसारी, रोली भदौरिया, गीता गुप्ता, इशू गुप्ता, सुशील गुप्ता, दीपक गुप्ता, रजनीश गुप्ता, नरेश गुप्ता, महेश गुप्ता, कुश गुप्ता, विशाल गुप्ता, शुभम रस्तोगी, अमित शर्मा, राजीव गुप्ता, संजीव गुप्ता, रवि गुप्ता, डोरीलाल गुप्ता, रवींद्र शर्मा, सुदेशपाल सिंह, सुबोध सिंह, तेजपाल फौजी, अजयवीर चौधरी आदि रहे।

बाइक की टक्कर से मंत्री के सुरक्षा कर्मी घायल

आंवला, अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मी को एक बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे पुलिस कर्मी समेत तीन लोग घायल हो गये।

गुरुवार की देर शाम स्टेशन रोड स्थित कैबिनेट मंत्री के आवास पर तैनात मुख्य आरक्षी देवेंद्र सिंह खाना खाने के बाद रोड पर टहल रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें मुख्य आरक्षी सहित बाइक सवार निहाल और अजयपाल निवासी कचूरडांडी थाना आंवला भी घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा जहां हालत गंभीर देख तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

सरलता श्री राम का अद्वितीय गुण

संवाददाता, आंवला

● पक्का कटरा में चल रही रामकथा के तीसरे दिन पहुंचे सैकड़ों भक्त

अमृत विचार : पक्का कटरा ठाकुरद्वारा गली स्थित श्री दुर्गा मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित बृजेश पाठक ने भगवान श्रीराम की अतिशय सरलता का सुंदर वर्णन किया।

कथाव्यास बृजेश।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भी अत्यंत सरल हैं, परंतु भगवान श्रीराम की सरलता अद्वितीय है। मानव जीवन में अनुकूल व्यक्तियों के साथ सरलता का व्यवहार करना सहज होता है, लेकिन प्रतिकूल और विरोधी व्यक्तियों के प्रति सरलता दिखाना अत्यंत कठिन है। श्रीराम अपने कट्टर विरोधी रावण के साथ भी यही भाव पालन करते दिखते हैं। उन्होंने वाल्मीकि रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि लंका युद्ध में रावण श्रीराम का सर्वनाश चाहता था। एक भयंकर युद्ध के बाद जब रावण घायल होकर रथ से गिर पड़ा और उसके सभी अस्त्र-शस्त्र नष्ट हो गए, तब श्रीराम ने करुणा भाव से कहा, "आज तुम बहुत थक चुके हो, मैं तुम्हें नहीं मारूंगा। आज रात तुम विश्राम करो, कल नई शक्ति और नए रथ के साथ युध्दभूमि में आना, तब मैं अपनी शक्ति दिखाऊंगा। यह सरलता रावण को भी प्रभावित कर गई।

श्रीराम की यही सरलता थीं, जिन्होंने कैकई माता का भी निरंतर सम्मान और पक्ष किया, भले ही उन्होंने अन्याय किया हो। कथा व्यास ने कहा जो भगवान को पाना चाहता है, उसके लिए सरलता ही आवश्यक है।

संसार में चतुराई के बल पर ही बहुत कुछ पाया जा सकता है, मगर प्रभु-सानिध्य के लिए सरलता ही मार्ग है। इस दौरान मुकेश खंडेलवाल, पुनीत अग्रवाल, मोहित महेश्वरी, आशीष शर्मा (एडवोकेट), सार्थक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में ताला तोड़कर चोरी

क्योलड़िया, अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय का चैनल तथा दरवाजे का ताला तोड़कर रात में अज्ञात चोरो ने सामान चोरी कर लिया। प्रधानाध्यापक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में तहरीर दी

क्षेत्र के गांव अल्लाहपुर के प्राथमिक विद्यालय में रात में अज्ञात चोरों ने विद्यालय का चैनल व गेट का ताला तोड़कर दो बोरी चावल, बड़ा भौगोना, स्टील की बाल्टी, एक बक्सा लेकर फरार हो गये। सुबह स्कूल पहुंचने पर शिक्षकों को चोरी का पता लगा। प्रधान अध्यापक योगेश कुमार ने थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

विद्यालय में हुई चोरी के बाद किसी जानकार के शामिल होने की चर्चा गांव में हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बाहरी व्यक्ति को स्कूल में सामान रखे होने की जानकारी नहीं होती है।

दरोगा ने मेला कराया बंद, शिकायत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : रहपुरा जागीर गांव में चल रहे तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला को अंतिम दिन अश्लील डांस की शिकायत पर हल्का दरोगा ने रात में बंद करवा दिया। इस मामले में एसएसपी से शिकायत की गई है। मेला कमेटी अध्यक्ष लेखराज, गंगासहाय राजपूत, प्रधान गयाश्री, रामवीर, सुमेरी, राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार आदि समेत दो दर्जन ग्रामीणों ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा गांव में अनुमति के बाद तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्राचीन मेला चल रहा था। मंगलवार रात मेला मंचन के दौरान ही हल्का दरोगा ने अचानक लात मारकर साउंड सर्विस तोड़ दिया।जनरेटर बंद करके अंधेरा कर दिया। इससे मेले में अफरा तफरी मच गई । जब प्रधान सहित ग्रामीणों ने इस मेला बंद करने का कारण पूछा तो आरोप है दरोगा ने उनके साथ अभद्रता की। ग्रामीणों ने दरोगा के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

मेले में हुई लीला

नवाबगंज: कृष्ण जन्माष्टमी मेले में बुधवार को भक्त प्रहलाद व नरसिंहावतार की लीला का मंचन हुआ। भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए ही ईश्वर ने नर व सिंह का संयुक्त अवतार लेकर ही उसका वध किया । वृन्दावन के कलाकारो ने लीला का मंचन किया ।

विधायक और सम्राट अशोक की फोटो को किया क्षतिग्रस्त

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गरीबपुरा में लगे स्मृति द्वार में शरारती तत्वों ने बहेड़ी विधायक अताउर्रहमान और सम्राट अशोक मौर्य की फोटो लगी है । शरारती तत्वों ने सम्राट अशोक की फोटो को कालिख से खराब कर दिया। यह घटना सुबह उस समय सामने आई जब लोग स्मृति द्वार के पास से गुजर रहे थे। फोटो खराब होने की जानकारी मिलते ही वहां हंगामा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराकरफोटो को साफ करवाया। इस घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

बहेड़ी विधायक अताउर्रहमान ने बताया स्मृति द्वार लोगों की मांग होने पर लगाया गया है । एक नारायण नगला पर सरदार फौजा सिंह द्वारा लगाया गया है । हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, यह जिसने भी किया है, गलत किया है इंस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है ।

सिटी डायरी

शिक्षकों को एनसीईआरटी पुस्तक से पढ़ाने के उपाय बताए

रिठौरा, अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों के बच्चे अब एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों से शिक्षा ग्रहण करेंगे। प्राथमिक विद्यालय लालपुर के सभागार में बुधवार को पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का बीईओ की मौजूदगी में समापन हुआ। इस दौरान दीप्ति वार्ष्णेय एआरपी सौरभ शुक्ला, विनीत शुक्ला, पवन मिश्रा, राममोहन तिवारी, नम्रता ने रोचक शैली में शिक्षक–शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण दिया। जिसमें बच्चों को एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें पढ़ाने के सरल उपाय बताए, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। प्रशिक्षण के दौरान सौरभ सहाय, एकता सक्सेना, डॉ शिखा अग्रवाल, ऋतु सक्सेना, शशि, राजेश कुमार शर्मा, गंगाराम, पंकज गंगवार, रामप्रकाश शर्मा, ममता वर्मा, सहित तमाम शिक्षक प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

सावन का चालीसा पूर्ण होने पर मंदिरों पर आयोजित हुए भंडारे

फरीदपुर, अमृत विचार : श्रावण मास के 40 दिवस पूरे होने पर विभिन्न मंदिरों पर भंडारों का आयोजन किया गया। बुधवार को ग्राम पहलऊ स्थित प्रसिद्ध बाबा पहलेश्वर नाथ मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बरेली कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह के अलावा तमाम लोग पहुंचे और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा मोहल्ला महादेव स्थित महादेव मंदिर, ग्राम ढकनी स्थित मंदिर, मोहल्ला फर्रखपुर आदि मंदिरों पर भी चालीसा पूर्ण होने पर भंडारों का आयोजन किया गया। क्षेत्र के लोगों ने भंडारों में पहुंचकर पूरे श्रद्धा भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया

शेरगढ़ में बढ़े बुखार के रोगी, स्वास्थ्य केन्द्र पर 275 मरीज आए

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र में वायरल फीवर का भारी प्रकोप बना हुआ है। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी जिसमें बुखार खांसी जुकाम तथा बड़ी संख्या में त्वचा रोगी इलाज को पहुंचे। खिड़की पर पर्चा बनवाने को मरीजों की कतारें लगी रहीं। फार्मासिस्ट दिनेश चंद्रा ने बताया कि बुधवार को सीएचसी में 459 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिसमें 275 बुखार, 82 खांसी जुकाम तथा 102 त्वचा रोगी शामिल रहे जिन्हें जांच के उपरांत दवा दी गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ गजेंद्र सिंह ने बताया कि तेज धूप और उमस भरी गर्मी परेशानी बढ़ा रही है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बुखार आदि होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर को सूचित करें। गांव में आशा कार्यकत्री को अवगत कराएं ताकि समय रहते मरीज को उपचार मिल सके।

कीचड़ से निकलने को मजबूर हैं ग्रामीण

भुता में उदयपुर भीकमपुर गांव में सड़क पर भरी गंदगी के बीच निकलते ग्रामीण।

संवाददाता, भुता

अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव उदयपुर भीकमपुर में शिव मंदिर के पास वाली सड़क बदतर हालत में है। इससे अब ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया उदयपुर भीकमपुर में शिव मंदिर को जाने वाली सड़क लगभग एक साल से जर्जर है। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी मार्ग से बच्चे भी स्कूल को जाते हैं लेकिन बरसात में यहां कीचड़ हो गया है आए दिन इस मार्ग से गुजरने वाले

लोग भी फिसलकर गिरते हैं और चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों में इस बात का गुस्सा भी है कि चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधियों ने गांव आकर मार्ग और यहां की समस्याओं की सुध नहीं ली है। इस मौके पर राजेश मौर्य, राकेश वर्मा, इतवारी लाल, रामेश्वर, फकीरचंद, सुंदरलाल, छेदा लाल, वेदराम, भगवान दास मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

मैंने अपना नाम हर्षा वतवानी से बदलकर हर्षा सतवानी कर लिया है, अब भविष्य में मुझे हर्षा सतवानी पत्नी श्री नरेश कुमार निवासी 23ए, सिंधु नगर, कटरा चांद खां, बरेली उ.प्र. 243005 के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड में मेरा नाम फाईजा खान पत्नी जावेद अली खान निवासी फाइक इन्क्लेव फेस–2 लिखा है जिसे आधार कार्ड में बदलकर अब मैं हिना पुत्री चाँद मियां निवासी 254 शहदाना, निकट मजार शरीफ जनपद बरेली बदलवाना चाहती हूँ। **हिना पुत्री चाँद मियां निवासी 254 शहदाना, निकट मजार शरीफ जनपद बरेली।**

वैधानिक सूचना :– समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

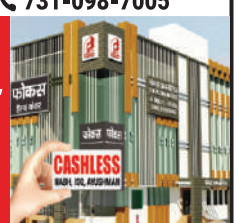

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
CASHLESS
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353
समय :- प्रात: 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों में सफाई करेंगे ग्राम सफाई कर्मी

बरेली, अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में साफ-सफाई की समस्या का समाधान हो गया है। हाल ही में ग्राम स्तर पर नियुक्त सफाई कर्मचारियों को बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों की सफाई का जिम्मा भी सौंप दिया गया है। यदि कार्य में लापरवाही होती है, इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जिला पंचायती राज अधिकारी कमल किशोर ने एक पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि बेसिक शिक्षा विभाग के सभी विद्यालयों में सफाई राजस्व ग्राम्य सफाई कर्मियों के काम का हिस्सा होगी। लापरवाही पर कार्यवाही की जाएगी।

बंधुआ मजदूरी खत्म करने को हैं संकल्पित

आंवला, अमृत विचार : एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने बंधुआ श्रम प्रथा उन्मूलन हेतु तहसील स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक में तहसील क्षेत्र में बंधुआ श्रम प्रथा का कोई मामला सामने नहीं आने का दावा किया गया। एसडीएम ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को निर्देशित किया कि इस प्रकार की प्रथाओं पर पूरी सतर्कता बरती जाए और यदि भविष्य में कोई संकेत या शिकायत प्राप्त होती है तो तत्काल कार्यवाही की जाए। एसडीएम ने कहा कि बंधुआ मजदूरी जैसे जनविरोधी कृत्यों को जड़ से खत्म करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए नियमित जांच व निगरानी अति आवश्यक है। बैठक में अन्य सदस्यों ने भी क्षेत्र में बंधुआ श्रम उन्मूलन के लिए प्रभावी कदम उठाने पर चर्चा की और इस प्रथा को समाज के लिए कलंक बताया।

बीईओ को गायब मिले शिक्षक, जवाब-तलब

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : बीईओ फरीदपुर ने बुधवार को क्षेत्र के दर्जनों सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में मिली खामियों को सुधारने के निर्देश दिए बुधवार सुबह बीईओ शीशपाल सिंह फतेहगंज पूर्वी के सरकारी स्कूलों में पहुंचे जहां कई अध्यापक, शिक्षामित्र, एवं अनुदेशक, गायब मिले इनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है उन्होंने उचसिया, झादा, कजरौटा, निवडिया, अशोकपुर, सिमरा समेत दर्जनों विद्यालयों का निरीक्षण किया। इन विद्यालयों में मिली खामियों को सुधारने के निर्देश प्रधानाध्यापकों को दिए। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि औचक निरीक्षण जारी रहेगा।

चुनावी रंजिश में मौजूदा और पूर्व पार्षद आमने-सामने, पथराव

पुलिस को फायरिंग और पथराव की दी गई सूचना, पार्षद घायल, पुलिस कर रही जांच

कार्यालय सवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव फरीदापुर चौधरी में बुधवार शाम मौजूदा और पूर्व पार्षद आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों ने जमकर पथराव किया, जिसमें पार्षद का सिर फट गया। फायरिंग और पथराव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया और घायल पार्षद को मेडिकल के लिए भेजा।

गांव फरीदापुर चौधरी में दो दिन पहले पार्षद मेहसर खां और पूर्व पार्षद अकील उर्फ गुड्डू का विवाद हुआ था। पहले से दोनों पक्षों में चुनावी रंजिश चली आ रही है। दो दिन पहले हुए विवाद के कारण बुधवार शाम करीब 7 बजे दोनों गुट एक बार फिर आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने

पथराव में क्षतिग्रस्त हुई कार। ● अमृत विचार

पार्षद मेहसर खां के सिर में आई चोट।

- पुलिस दोनों पक्षों पर दर्ज करेगी रिपोर्ट, दबिश शुरू

पथराव करना शुरू कर दिया। पूर्व पार्षद अकील उर्फ गुड्डू की ओर से हुए पथराव में पार्षद मेहसर खां के सिर में गंभीर चोटें आई। पथराव और फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद सभी वहां से फरार हो गए। पथराव में सड़क पर खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने घायल पार्षद को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा और दबिश देकर दोनों पक्षों से तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। जिसमें पूर्व पार्षद अकील उर्फ गुड्डू के बेटे सहित दो अन्य हैं। पूर्व पार्षद पर कई आपराधिक मुकदमे छेड़छाड़, मारपीट, जानलेवा हमले, बलवा रंगदारी के दर्ज हैं। इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि फायरिंग और पथराव की सूचना मिली थी, लेकिन फायरिंग नहीं हुई थी। दोनों पक्षों में दो दिन पहले हुई कहासुनी के कारण विवाद के बाद पथराव हुआ है। पुलिस दोनों पक्षों पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करेगी।

जिले में जैविक खेती को बढ़ावा, मिलेगा 50 प्रतिशत अनुदान

बरेली, अमृत विचार: जिले में फलों और सब्जियों की जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यान विभाग ने विशेष योजना शुरू की गई है। शासन ने जिले को 50 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती का लक्ष्य सौंपा है। इसके तहत किसानों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों से दूर रहकर प्राकृतिक तरीके से उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि योजना में शामिल होने वाले किसानों को सरकार की ओर से 50 प्रतिशत तक का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इससे किसान गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, जैविक कीटनाशक और अन्य आवश्यक संसाधन सस्ती दरों पर प्राप्त कर सकेंगे। इससे लागत में कमी आएगी और फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। जैविक खेती से उत्पादित फल और सब्जियां बाजार में ऊंचे दाम पर बिकती हैं, जिससे किसानों की आय दोगुनी होगी। अधिक से अधिक किसान इस योजना से जुड़ें, इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। गांव-गांव में किसानों को जैविक खेती के फायदे और तकनीक समझाई जाएगी

प्रेमनगर में खाटू श्याम के कीर्तन के दौरान मारपीट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- तस्वीर गिरकर टूटी, कई बच्चे गिरे, कुछ लोगों को आईं चोटें
- पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर शुरू की पूछताछ

अमृत विचार : प्रेमनगर के शाहाबाद में बुधवार को खाटू श्याम का कीर्तन चल रहा था। शाम से आरंभ हुआ कीर्तन करीब 7:30 बजे संपूर्ण हुआ और लोगों को प्रसाद वितरित किया जा रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले हसन ने पंडाल का पर्दा फाड़ दिया और टेंट हटाने को कहा। इससे दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और धक्का-मुक्की के बाद हाथापाई होने लगी। मारपीट के दौरान खाटू श्याम की तस्वीर गिर गई और शीशा चटक गया।

मारपीट से मची अफरातफरी में कई बच्चे भी गिर गए। कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। हंगामा होने की सूचना पर सीओ प्रथम पुलिस टीम के साथ पहुंचे और मामला शांत कराया। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया और प्रेमनगर थाने ले आई। घटना में घायल लोगों का मेडिकल कराया जा रहा है। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि घटना के बाद तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। कीर्तन के बारे में थाने या चौकी की पुलिस को पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी। एहतियातन वहां पुलिस पिकेट तैनात की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

नशे मे चलाये लाठी डंडे, बेटे के हड्डी टूटी मां गंभीर घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गाँव गुलड़िया धीमर निवासी कृष्ण कुमार ने थाने मे दी तहरीर मे बताया कि गाँव के ही नन्द राम व रूप किशोर नशे में घर में घुसकर गालियां देना शुरु कर दी। विरोध करने पर लाठी से बुरी तरह मारना शुरु कर दिया। इससे उसकी बांए हाथ की हड्डी टूट गई है और मां बुरी तरह घायल हो गई है। पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल के लिए स्वास्थ्य केन्द्र भेजा व जहां से दोनों गंभीर घायलों को बरेली रेफर कर दिया। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

मच्छरों के लार्वा नष्ट करेगी गंबूजिया मछली, तालाबों में छोड़ी गई

तालाब में गंबूजिया मछली छोड़ते स्वास्थ्य अधिकारी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : जिले में मलेरिया के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अब तक 1221 लोगों में मलेरिया की पुष्टि हो चुकी है। मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए तालाबों में गंबूजिया मछली छोड़ी जा रही है।

रामनगर ब्लॉक के ग्राम देवकोला में 5 मलेरिया केस सामने आने के बाद बुधवार को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील और जिले की टीम ने वहां के तालाबों में गंबूजिया मछली छोड़ी। वहीं, स्थानीय लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया। साथ ही विश्व मच्छर दिवस पर जिले की सभी सीएचसी व पीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम हुए। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि इस दिवस की थीम है कि एक अधिक न्याय संगत दुनिया के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई को तेज करना है, यह थीम मलेरिया की रोकथाम, निदान और उपचार के लिए सभी को समान पहुंच प्रदान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

जोखिम में डाली जान

जान जोखिम में डालकर भारी वाहनों में सफर

बरेली, अमृत विचार : बड़ी संख्या में जायरीन भारी वाहनों से भी उर्स में शामिल होने आए। वापसी के दौरान इन वाहनों में क्षमता से ज्यादा जायरीन रहे। वाहनों की छतों पर बैठकर बड़ी संख्या में जायरीन ने जान हथेली पर लेकर सफर किया। ऑटो, टैंपो, पिकअप जैसे वाहनों में क्षमता से तीन-तीन गुना जायरीन को देखा गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी नहीं की गई। ● अमृत विचार

छायाकारों ने मेयर से की आर्ट गैलरी बनवाने की मांग

बरेली फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने मुख्य वक्ता को सम्मानित किया।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : विश्व फोटोग्राफी दिवस पर बरेली फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मंगलवार रात फोटोग्राफी प्रदर्शनी एवं सेमिनार का आयोजन रोटरी भवन में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम ने किया।

फोटो प्रदर्शनी सुनील चौधरी प्रधान मुख्य वन संरक्षक उत्तर प्रदेश की वाइल्डलाइफ विषय पर लगाई गई। मेयर के सामने आर्ट गैलरी बनवाने की मांग रखी गई। अध्यक्ष राजेन्द्र प्रजापति और सचिव सुभाशीष जोशी ने मेयर को ज्ञापन भी दिया। मुख्य वक्ता डॉ. पंकज शर्मा ने कहा कि फोटोग्राफी एक ऐसी कला है, जिसमें निरंतर कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने लैंडस्केप, प्रगति चित्र आदि विषयों पर जानकारी दी। अध्यक्ष, महासचिव व अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट किया। संचालन पप्पू वर्मा व वीरू शर्मा ने किया। कार्यक्रम संयोजक संजीव वर्मा, प्रांजल टंडन, प्रेम दिवाकर, अरविंद पटेल, कुलदीप राठौर, मुकुल सक्सेना, संजीव भारद्वाज, सुरेश भारद्वाज, विक्की, रचित शर्मा आदि का योगदान रहा।

प्रधान ने मंडलायुक्त से की धांधली की शिकायत

क्योलडिया, अमृत विचार : मरगापुर मरगैया कि ग्राम प्रधान निशा गंगवार ने मंडलायुक्त को शिकायती पत्र भेजकर बीएलओ की नियुक्ति में की जा रही है धांधली का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

प्रधान ने अपने पत्र में कहा है कि पंचायत निर्वाचन 2026 की मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य करने के लिए उनके गांव में 15 किलोमीटर दूर माधोपुर के सरकारी स्कूल के शिक्षक अभिलाष चंद की ड्यूटी लगाई गई थी जिस पर उन्होंने ग्राम में अपनी रिश्तेदारी होने का हवाला देते हुए ड्यूटी काटे जाने की गुहार लगाई थी। उन्होंने अधिकारियों के निर्देश पर प्रतिस्थानी का सहमति पत्र भी दे दिया था लेकिन अभी तक मामले में कोई कार्यवाही नहीं की गई जबकि उनके गांव के छोड़कर सभी गांव में बीएलओ की तैनाती कर दी गई है। आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते सामग्री नहीं दी जा रही है। उन्होंने मंडलायुक्त से न्यायकी गुहार लगाई है।

खाद न मिलने से किसान परेशान बकाया भुगतान पर भी संकट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: विकास भवन सभागार में बुधवार को सीडीओ देवयानी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें किसानों ने खाद न मिलने और गन्ना भुगतान न होने की शिकायतें कीं। सीडीओ ने किसानों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिये।

जिला कृषि अधिकारी ने विगत माह के किसान दिवसों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की बिंदुवार रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान तहसील बहेड़ी स्थित केसर शुगर मिल के बकाया गन्ना भुगतान लंबित होने पर जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित कर जल्द भुगतान जारी करने को कहा गया। वहीं नवाबगंज के गांव पंडरी

- सीडीओ ने किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

से आए किसान छेदालाल गंगवार ने बताया कि उनके क्षेत्र में छुट्टा पशुओं की संख्या काफी है। जिससे फसलों को काफी नुकसान हो रहा है। सीडीओ ने कहा कि वर्तमान में जो पशु आश्रय बने हैं उनमें पशुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। नए पशु आश्रय बनाए जा रहे हैं, जिससे पशुओं की संख्या घटेगी। किसान चौधरी सोमवीर सिंह ने बताया कि सहकारी सोसाइटी से यूरिया और डीएपी खाद की किल्लत बनी हुई है। पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होने से किसानों को इंतजार करना पड़ रहा है। खाद के साथ में किसानों को जिंक, जायम आदि उत्पाद जबरन टैग करके दिये जा रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के अध्यक्ष प्रताप सिंह ने पीडब्ल्यूडी से अलीगंज-सिरौली मार्ग को सही कराने का अनुरोध किया। सीडीओ ने संबंधित विभाग को काम पूरा करने के निर्देश दिए। किसानों को कृषि और इससे जुड़े अनुशांगिक विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक आरएल सागर ने वर्तमान समय में धान की फसल में लग रहे पत्ता छेदक से बचाव की जानकारी दी। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किसानों से वार्ता कर एवं उनके पास जाकर एक जियो टैग फोटो लें। कुछ समस्याओं का निस्तारण शासन स्तर से किया जाना है, जिसको सभी अधिकारी स्वयं बात कर शीघ्र निस्तारण करें।

कंट्रोल रूम से लें खाद उपलब्धता की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अब तक 28 विक्रेताओं के लाइसेंस किए गए हैं निरस्त

अमृत विचार: खरीफ फसलों में इस्तेमाल के लिए सहकारी समितियों में रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता बनी हुई है।

जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने बताया कि सभी विकास खंडों में सहकारी समितियों, अन्य और निजी क्षेत्र के उर्वरक बिक्री केंद्रों पर वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरक यूरिया 2,78,622 बैग, डीएपी 1,30,460 बैग, एनपीके 1,25,740 बैग, एमओपी 16,400 बैग और सिंगल सुपर फास्फेट 74,100 बैग उपलब्ध है, जो वर्तमान समय के लिए पर्याप्त है। किसानों ने अपील है कि सभी रासायनिक उर्वरक निर्धारित बिक्री मूल्य पर बिना किसी अन्य उत्पाद के उपलब्ध कराए जाने के लिए डीएम के निर्देशों के अनुपालन में उर्वरक कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिसमें 8126423416 नंबर पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक किसान किसी भी तरह की समस्या पर फोन कर समाधान पा सकते हैं।

किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद उपलब्ध हो सके इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अब तक 509 छापे मारे, जिसमें 70 उर्वरक नमूने लिए गए हैं और अनियमितता मिलने पर 28 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित, नौ के लाइसेंस निरस्त किए और 6 विक्रेताओं की बिक्री प्रतिबंधित की गई है। इसके अलावा एक केंद्र को सील किया गया।

बच्चों व शिक्षकों ने ली स्वच्छता की शपथ

शेरगढ़, अमृत विचार: युवा मंडल विद्यालय पर जागरूकता कार्यक्रम में मच्छरों से बचाव के लिए बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। विश्व मॉस्किटो डे पर बुधवार को विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रबंधक भूपराम श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को संक्रामक रोगों से बचाव का मंत्र दिया। उप प्रधानाचार्य शिव ओम सिंह ने स्वच्छता के विभिन्न आयामों को अपनाने के लिए जागरूक किया। प्रधानाचार्य डॉ कल्याण राय श्रीवास्तव ने बच्चों से घरों एवं आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

लाईखेड़ा के नए पुल की दीवार में आई दरार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : लाईखेड़ा ग्राम में सिंधैया नदी पर बनाया गया पुल की सुरक्षा दीवार एक वर्ष में ही दरकने लगी है जबकि दशकों पुराना छोटा पुराना पुल आज भी बेबाक खड़ा हुआ है।

ग्राम के बीच बने पुलिया नुमा पुल के नीचे की लोहे के एंगेलों की फाउण्डेशन जर्जर होने पर विभाग द्वारा इसे अनुपयोगी घोषित कर दिया था, जिसके बाद ग्राम से उत्तर में गत वर्ष नए पुल का निर्माण कराया गया है। लेकिन इतने कम समय मे ही पुल की सुरक्षा दीवार दरकने लगी है। जबकि दशकों पूर्व बने पुराने छोटे पुल पर आवागमन बन्द करने के बाद भी राहगीर व बाइक चालक इससे होकर ही गुजर रहे हैं।

अवर अभियन्ता राजेश बाबू ने बताया कि बरसात के कारण पुल के पहुंच मार्ग में दरार आ गई है जिस जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा। ठेकेदार को निर्देशित कर दिया गया है। इससे पुल को कोई खतरा नही है पुल पूरी तरह सुरक्षित है।

नया सॉफ्टवेयर बना डाक कर्मियों के गले की हड्डी

नवाबगंज, अमृत विचार : डाक विभाग के कंप्यूटरों में नया सॉफ्टवेयर अपडेट होने के बाद से नियमित कार्यों में आ रही बाधाओं से उपभोक्ताओं को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है और बैरंग लौटना पड़ रहा है।

पिछले कुछ दिनों से नगर के डाकघर में रजिस्ट्री आदि के कार्यों में खासी रुकावट आ रही है और घण्टों इन्तजार के बाद भी लोगो को बैरंग लौटना पड़ रहा है। पोस्ट मास्टर एसके सिंह ने बताया कि नये साफ्टवेयर के संचालित होने में कुछ दिक्कते आ रही हैं जिसके बारे में उच्च - अधिकारियो को सूचित भी कर दिया गया है। एक - दो दिन में व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी।

मैडम मेरे पति को जेल भेज दो, नहीं तो यह फिर मारेगा

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : उपजिला मजिस्ट्रेट आंवला के न्यायालय में भमोरा पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को पेश करते समय एक महिला बच्चे के साथ पहुंच गयी और रोते हुए मजिस्ट्रेट से पति को जेल भेजने की गुहार लगाने लगी। महिला ने कहा यदि इसे छोड दिया गया तो यह घर पहुंच कर पुनः उसके साथ मारपीट करेगा।

भमोरा क्षेत्र के एक गांव की महिला ने अपने पति पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। बुधवार को आरोपी पति ने महिला को कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा। पीड़िता के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए और उसे बचाया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दे दी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने आरोपी को मारपीट के आरोप में गिरफ्तार कर उपजिला मजिस्ट्रेट आंवला के न्यायालय में पेश किया। इसी दौरान पीड़िता अपने बच्चे को लेकर न्यायालय पहुंची और रोते हुए मजिस्ट्रेट से गुहार लगाई कि आरोपी पति को जेल भेजा जाए, ताकि वह फिर से उसे पीट न सके। मामले की सुनवाई के दौरान उपजिला मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की बात सुनी। अंत में मजिस्ट्रेट ने आरोपी पति को पुनः मारपीट न करने की कड़ी चेतावनी देते हुए जमानत पर रिहा कर दिया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. | B.Sc. | B.Com. | B.Sc. (Home Science) | B.B.A. | B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. | M.Sc. | M.Sc. (Home Science) | M.A. (Home Science) | M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 | B.Ed. | BTC D.El.Ed. | B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

उत्तराखंड पुलिस का छापा, थार सवार तीन आरोपियों को दबोचा

फिल्मी अंदाज में एक की गर्दन पकड़ी, दूसरे को पिस्टल से निशाने पर लिया, वीडियो वायरल

संवाददाता, खीरी

अमृत विचारः उत्तराखंड की एसटीएफ टीम जिले के कस्बा भीरा में बुधवार की दोपहर एक मेडिकल स्टोर के सामने एक्शन में नजर आई। फिल्मी अंदाज में एक आरोपी की गर्दन दबोची तो दूसरे को पिस्टल से निशाने पर लिया। सादी वर्दी में जवानों को पिस्टल दिखाते लोगों को पकड़ते देख अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, टीम ने एक मेडिकल स्टोर से दवा खरीद रहे तीन आरोपियों को अचानक गन प्वाइंट पर ले लिया और उन्हें वाहन में बैठाने लगे। बाद में लोगों को जब पता चला कि उत्तराखंड पुलिस थी तो राहत महसूस की। पुलिस तीनों आरोपियों को साथ लेकर उत्तराखंड लौट गई है।

20 अगस्त को करीब 11 बजे तीन युवक थार गाड़ी से भीरा कस्बे के मुख्य बाजार में पहुंचे और एक मेडिकल स्टोर पर दवाइयां लेने लगे। तभी अचानक वाहन से उतरी उत्तराखंड पुलिस की टीम ने भीरा कोतवाली पुलिस की मदद से उन्हें गन प्वाइंट पर पकड़ लिया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह मंजर देख बाजार में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। प्रभारी निरीक्षक भीरा गोपाल नारायण सिंह के मुताबिक पकड़े गए तीनों आरोपी उत्तराखंड के नैनीताल जनपद के निवासी हैं। इन पर पंचायत चुनाव में ताबड़तोड़ फायरिंग करने का आरोप है और तभी से ये फरार चल रहे थे। उत्तराखंड पुलिस को सूचना मिली थी कि अपराधी दवा लेने के लिए भीरा आएंगे। इसी आधार पर एसटीएफ व थाना बेताल घाट पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर इन्हें दबोच लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस तीनों आरोपियों को थार गाड़ी सहित अपने साथ उत्तराखंड ले गई है।

एक आरोपी को पकड़कर अन्य पर पिस्टल ताने पुलिसकर्मी।

• आरोपियों को अचानक गन प्वाइंट पर लेने से मचा हड़कंप

यह है पूरा मामला

नैनीताल में जिला पंचायत अध्यक्ष का 14 अगस्त को चुनाव था। दोपहर में बेतालघाट ब्लॉक में दो गुट आमने-सामने आ गए और मारपीट, फायरिंग हुई। गोली लगने से छड़ा गांव निवासी महेंद्र सिंह बिष्ट तीन गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ऑपरेशन कर डॉक्टर ने उनके पैर में फंसी दो गोलियां निकाली थीं। इस मामले में बेतालघाट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंपी गई थी। मामले में पकड़े गए तीनों युवक वांछित थे। बाद में उत्तराखंड की एसटीएफ को जांच सौंपी थी।

पुल पर युवक से बात करने के बाद युवती ने लगाई गर्रा नदी में छलांग

शाहजहांपुर, अमृत विचारः शहर के ककरा गर्रा पुल पर बुधवार दोपहर सदर बाजार थाना क्षेत्र की युवती पूजा वर्मा एक युवक के साथ आई । बातचीत के दौरान अचानक उसने रेलिंग के पास जाकर चप्पल उतारी और मोबाइल हाथ में लेकर गर्रा नदी में छलांग लगा दी। यह दृश्य देख आसपास खड़े लोग हैरान रह गए। युवती के कूदते ही युवक घबराकर बाइक लेकर भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने हंगामा मचाया और पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में चौक कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

50 लाख की लूट के मामले में तीन गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी

मेरठ में 50 लाख रुपये के आभूषणों की लूट के मामले में पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी (सिटी) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि 12 को सोहराब गेट बस स्टैंड पर एक व्यापारी से करीब 50 लाख के आभूषण लूट लिये गए थे। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में नौचंदी थाने में मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई थी। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने बुधवार को जागृति विहार एक्सटेंशन में गुर्जर चौक के निकट बदमाशों को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में देहरादून निवासी विश्वजीत सिंह, पुणे निवासी मोहम्मद घायल हो गए जबकि सहारनपुर निवासी दुर्गेश कुमार को पकड़ लिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत वजीरनगर वि.खं. बांकेगंज (खीरी)

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत वजीरनगर विकास खण्ड बांकेगंज-खीरी में मनरेगा/राज्य वित्त/ I.C.D.S. योजनान्तर्गत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित एवं स्वीकृत है।

क्र.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित सामग्री लागत	योजना का नाम
01	प्राथमिक विद्यालय विलियमगंज में आंगनबाड़ी निर्माण कार्य।	01	11,84,000.00	मनरेगा/राज्य वित्त/I.C.D.S.

नोटः- अनुमन्य जी.एस.टी. अलग से देय होगी।

उक्त कार्य हेतु प्रथम श्रेणी की ईट, रोडा, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, बालू, ईट, एवं अन्य निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 21.08.2025 से 29.08.2025 तक दोपहर 02:00 बजे तक जमा कर सकते हैं तथा निविदा दिनांक 29.08.2025 को दोपहर 03:00 बजे गठित समिति के मध्य खोली जायेगी। किसी भी निविदा/सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।

बृजेश कुमार सविता
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी

रामसागर
प्रधान

कार्यालय ग्राम पंचायत नवादा वन, वि.ख. फरीदपुर (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत नवादावन में मनरेगा/ग्रम निधि/आई.सी.डी.एस. योजना के कन्वर्जेस से निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, सामग्री विवरण निम्नवत है- ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.	निर्माण कार्य का नाम जिसकी निविदा जारी की जाती है	अनु. लागत लाख में
1.	ग्राम नवादावन में आंगनबाडी केंद्र निर्माण	12/-

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 19.08.2025 से 25.08.2025 तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 02 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिबस में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान **ग्रा.वि.अ.**

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स

193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल बरेली।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुरूद्वारा खालसा निवास प्रबन्ध समिति, ग्राम रूरिया ता. गजरौला तहसील पूरनपुर जिला पीलीभीत 262122 के अध्यक्ष की हैसियत से पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन प्राप्त है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है :-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्री इन्द्रजीत कौर खालसा पुत्र श्री अर्जन सिंह	अध्यक्ष
2.	श्री शमशेर सिंह पुत्र अमरीक सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह	महामन्त्री
4.	बलवीर सिंह कांग पुत्र श्री मोहन सिंह	कोषाध्यक्ष
5.	श्री मंगल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह	सदस्य
6.	श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह	सदस्य
7.	श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री लखवीर सिंह	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दन इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार
बरेली।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांकः बी.के.एस./क्रय/2025-26/913 दिनांकः 14.09.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के छः गन्ना केन्द्रों से गन्ना परिवहन कार्य, नई कम्पलीट 1500/30° सेन्ट्रीफ्यूमल मशीन की आपूर्ति एवं स्थापना कार्य, के.एस.बी. मेक नये पम्प एवं स्पेयर्स की आपूर्ति एवं हाईफ्लो पम्प स्पेयर्स की आपूर्ति हेतु दिनांक 26.08.2025 तक नये एयर कम्प्रेशर की आपूर्ति, 540 एचपी मोटर हेतु रजिस्ट्रेशन की आपूर्ति एवं स्थापना कार्य, प्रीमियम मेक U-1400 के नये रिडक्शन गेयर बाक्स की आपूर्ति, मिल के विभिन्न संयत्रों पर लैगिंग/एल्यूमीनियम क्लैडिंग कार्य, एवं ई.टी.पी. एवं स्प्रे पौण्ड का साइंटिफिक आपरेशन कार्य, हेतु दिनांक 27.08.2025 तक वाहय गन्ना क्रय केन्द्रों पर सिविल फाउण्डेशन का निर्माण, केन फीडिंग कार्य (पटला) काय्र, बैगास फीडिंग/हैण्डलिंग कार्य एवं तीनों व्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वैट स्क्रवर के पेश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य, हेतु दिनांक 28.08.2025 तक शुगर गोदाम संबंधी कार्य, ड्रायर हाउस सम्बन्धी कार्य एवं पानीपत से सल्फर ट्रांसपोर्टेशन कार्य, विभिन्न फैब्रीकेशन व इरेक्शन कार्य हेतु दिनांक 29.08.2025 तक सत्र 2023-24 की 3900 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, सत्र 2024-25 की 3700 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य एवं प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य हेतु दिनांक 01.09.2025 तक ई-निविदाएं निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने करने का अधिकारी सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

सहकारी आवास समितियों में व्याप्त भ्रष्टाचार की बीमारी गहरी: हाईकोर्ट

लखनऊ, विधि संवाददाता। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक मामले की सुनवायी करते हुए, टिप्पणी की है कि सहकारी आवास समितियों में भ्रष्टाचार की बीमारी बहुत गहराई तक है। न्यायालय की ऐसी तल्ख टिप्पणी के बाद राज्य सरकार की ओर से भरोसा दिलाया गया कि प्रश्नगत मामले में एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लिया गया है।

इस पर न्यायालय ने आदेश दिया कि बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड द्वारा किए गए जमीन आवंटनों की जांच की जाय और आवश्यकता पड़ने पर वसूली की कार्यवाही की जाय। न्यायालय ने आगे कहा कि यदि आवश्यकता हो तो इस मामले में मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत भी कार्यवाही की जाय। न्यायालय ने कृत कार्यवाही की रिपोर्ट 16 सितम्बर को पेश करने के भी आदेश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचिका में मांग की गयी थी कि वर्तमान चुनी हुई कार्यकारिणी को काम करने दिया जाय, साथ ही कालातीत हो चुकी कार्यकारिणी को काम करने से रोका जाय। याचिका पर सुनवायी के दौरान न्यायालय ने पाया कि उक्त समिति का गठन एससी-एसटी वर्ग के हित के लिए किया गया था जिसे सरकार द्वारा जमीनें दी गई थीं। आरोप है कि पिछली कार्यकारिणी ने समिति के कई सदस्यों को नियमों के विपरीत जाकर बहुत अधिक जमीन आवंटित कर दी, यही नहीं कई ऐसे लोगों को भी जमीनें दी गयीं जो एससी-एसटी वर्ग के नहीं थे।

• सरकार ने सम्बंधित मामले में एफआईआर दर्ज कराने का दिया भरोसा

खाद नहीं, किसान परेशान

रोजा, अमृत विचार : ब्लॉक भावलखेड़ा के गांव बरमौला अर्जुनपुर निवासी अधिवक्ता शिवम राठौर ने डीएम को भेजे पत्र में बताया कि समितियों में खाद उपलब्ध न होने से किसानों को काफी दिक्कत हो रही है।

सम्मन बिनावर इनफिलास मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
व अदालत श्रीमान् तहसीलदार महोदय, बिल्सी जिला बदायूं

नम्बर मुकदमा टी202512070606367 जिला बदायूं
राकेश कुमार शर्मा बनाम भूदेवी फीरेजपुर
1. विनोद 2. रूपकिशोर 3. राजीव पुत्रगण सत्यपाल निवासी ग्राम सुरसैना परगना सतासी तहसील बिसौली जिला बदायूं

हरगाह ये वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत तहसीलदार महोदय के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25.08.2025 ववक्त बजे दिन के असालतन के मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकिफ किया हो और जो कुल उमूर अहम मुतालिफ में मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाबदेही का दावा करें। और हर माह वही तारीख जो आपके इजहारों के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिलास कतई मुकदमा के तजबीज हुई पर आपसी लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों की जिनकी शहादत पर बीच तमाम दस्तावेजात का जिन पर अपनी जवाबदेही के ताईद में इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मकसूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमूअ फैसला होगा। दरखास्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से आज 14.08.2025 को जारी किया गया।

आज्ञा सेः- श्रीमान् तहसीलदार महोदय, बिल्सी

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल इण्डिया शेल्टर फाईनेंस कार्पोरेशन लि. शाखा सिविल लाइन्स सर्किट हाउस चौराहा नियर आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के ऊपर बरेली से श्रीमती हेमा देवी पत्नी श्री लाजपत राय नि. 145 अशरफ खां छावनी रेडियंट पब्लिक स्कूल इज्जत नगर बरेली एक किता मकान रकबई 41.80 वर्गमी. जो खसरा नं. 859 में से वाकै सैदपुर हाकनस जिला बरेली जिसकी चौहद्दी पूरब में आराजी मुकेश, पश्चिम में मकान पंडित जी, उत्तर में रास्ता 10 फिट चौड़ा व दक्षिण में प्लाट लक्ष्मी है जिसको बंधक रखकर आपकी शाखा से ऋण ले रही है उक्त सम्पत्ति के बाबत एक पूर्व मूल बैनामा जो श्रीमती ज्योति जौहरी मुख्त्यारेआम श्रीमती निरूपमा ने दिनेश कुमार सक्सेना के हक में निष्पादित किया था जिसकी रजिस्ट्री स.र. बरेली में दिनांक 26.05.2008 ई. को बही सं. 1 जिल्द सं. 2445 के पृष्ठ 387-402 में नं. 4185 पर हुई है जो कहीं खो गया है जिसके खोने की सूचना दिनांक 20.08.2025 को ई-थाना पर दर्ज कराई जा चुकी है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 07 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल इण्डिया शेल्टर फाईनेंस कार्पोरेशन लि. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

दिनांक : 20.08.2025

मुनीश कुमार सक्सेना
एडवोकेट
चैम्बर नं. 27 न्यू बिल्डिंग
बंगलिया सिविल कोर्ट, बरेली
सूचीबद्ध अधिवक्ता इं.शे.फा.का.लि. बरेली
मो.नं. 9997389012

न्यायालय अपर सिविल जज (सी.डि.)
चतुर्थ जि. बरेली
मूलवाद संख्या 773/22 सन् 20228
केनरा बैंक बनाम मै. आरिफ हौजरी

मै. आरिफ हौज़री (प्रो.) श्री आरिफ खान (व्यस्क) सुपुत्र श्री इरफानउद्दीन निवासी- म. नं. 203, मो. बाग ब्रिगटान, रोडवेज के पीछे, बरेली-243001

चूंकि मुसम्मी केनरा बैंक शाखा ग्रीन पार्क, बरेली ने आपके नाम एक नालिश वास्ते ऋण वसूलयावी वाद के हेतु दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 30.08.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज बतारीख मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 29.08.2025 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	चूना भट्टी पर लाइम हॉपर की फाउण्डेशन का निर्माण कार्य।	रू0 4700/-	रू0 118/-
2	शीरा टैंक के पास पुरानी क्षतिग्रस्त बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	रू0 4000/-	रू0 118/-
3	ब्वायलर सं0 3 की एफ.डी. फैन फाउण्डेशन की मरम्मत एवं आई.ई.डी. फैन मोटर के शेड का रिपेयर कार्य।	रू0 4000/-	रू0 118/-

उक्त कार्यों की नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र पर अंकित हैं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

पैर फिसलने से रामगंगा में डूबीं दो सहेलियां, एक की मौत

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : हजरतपुर में खेल रही दो सहेलियां रामगंगा में डूब गईं। वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने रामगंगा में छलांग लगा दी। कुछ देर के बाद एक को बचा लिया गया, जबकि दूसरी की मौत हो गई।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्ट कराने को कहा लेकिन किशोरी के परिजनों ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई से मना कर दिया। परिजन शव लेकर गांव चले गए। थाना हजरतपुर क्षेत्र के गांव पिपला के पास से रामगंगा नदी गुजर रही है। गांव निवासी हरि सिंह की बेटी कीर्ति (7) और अंजलि (14) पुत्री अमर सिंह के घर आसपास है दोनों किशोरियां साथ में खेलती थी। उनके परिजनों के अनुसार रामगंगा का पानी गांव के किनारे तक पहुंच गया है। बुधवार को दोनों सहेलियां गांव के पास खेल रही थीं। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह दोनों रामगंगा में जा गिरीं।

डॉक्टर की पत्नी और दलाल समेत छह पर रिपोर्ट दर्ज

हसनपुर, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव करनखाल में मंगलवार को हरियाणा स्वास्थ्य विभाग और अमरोहा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक घर में चल रहे अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण केंद्र का पर्दाफाश किया था। जिसमें हरियाणा के रोहतक जिले के पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ विश्वजीत ने अमरोहा पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ दिनेश कुमार सक्सेना के साथ मिलकर यह कार्रवाई की थी।

MIRAE ASSET
Mutual Fund

In order to impart an insight on mutual fund, to educate and create awareness among the investors about the financial market, Mirae Asset Mutual Fund undertakes numerous events and activities at various places across the country and in number of ways such as conducting Investor Awareness Programs (IAPs) / seminars, contents on investor awareness in print media (newspapers, magazines etc.) and programs on Mutual Funds in electronic media (TVs, radios etc.).

In this regard, please see below schedule of upcoming IAP:

Date	Time	Address
August 23, 2025	3:00 P.M.	Urban Haat Convention Centre, Rampur Garden, Bareilly, Uttar Pradesh - 243 005.

MIRAE ASSET MUTUAL FUND (Investment Manager: Mirae Asset Investment Managers (India) Private Limited. CIN - U65990MH2019PTC324625)
Registered & Corporate Office: 606, 6th Floor, Windsor Building, Off CST Road, Kalina, Santacruz (E), Mumbai - 400098. ☎ 1800 2090 777 (Toll free), ✉ customercare@miraeasset.com www.miraeassetmf.co.in

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

ट्रैक्टर पलटने से दबकर किसान की गई जान

कुंवरगांव, अमृत विचार : सिविल लाइन क्षेत्र में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खंती में पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई। वह ट्रैक्टर ठीक करवाने जा रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव मोंगर निवासी महेश (56) किसान थे। बुधवार दोपहर वह ट्रैक्टर सही कराने के लिए सिविल लाइन क्षेत्र के गांव मोंगर से शिकरापुर मार्ग से बदायूं आ रहे थे। रास्ते में उनका ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खंती में जाकर पलट गया। महेश ट्रैक्टर के स्टेयरिंग में फंस गए। आसपास खेतों पर काम कर रहे किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे और उन्हें ट्रैक्टर के नीचे से निकाला, लेकिन तब तब उनकी मौत हो गई थी।

40 हजार में बेची थी महिला सीओ करेंगे मामले की जांच

अल्हागंज, अमृत विचारः जन्माष्टमी की रात हुल्लापुर चौराहे पर महिला को 40 हजार में खरीदे जाने का मामला सामने आया था। महिला ने जबरन दूसरे के साथ भेजे जाने का विरोध करते हुए डॉयल 112 पुलिस से मदद मांगी थी, लेकिन पुलिस ने आरोपियों को बिना कार्रवाई छोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने जांच सीओ जलालाबाद अजय राय को सौंपी है।

थाना कलान क्षेत्र के दो युवक फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज से औरैया निवासी महिला को 40 हजार में खरीदकर ला रहे थे। रास्ते में हुल्लापुर चौराहे पर पहुंचने पर महिला ने बहाना बनाकर ट्रैक्टर रुकवाया और एक वर्षीय बच्चे को लेकर डॉयल 112 गाड़ी के पास पहुंच गई। उसने पुलिस से गुहार लगाई और बताया कि उसे जबरन गलत तरीके से ले जाया जा रहा है। कुछ ही देर में पुलिसकर्मी पहुंचे। महिला ने कहा कि वह कलान के युवकों को नहीं जानती और उनके साथ नहीं जाएगी। भीड़ जमा होने पर बवाल हो गया। इस बीच दलाल और पुलिसकर्मियों के बीच बातचीत में मामला दबाने की कोशिश हुई। मौके पर मौजूद लोगों का आरोप है कि दलाल ने 4 हजार और पुलिस ने 10 हजार रुपए लेकर मामला निपटाया और किसी भी आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

सेक्शन-1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :- कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :- 716 /ग्रा0अ0वि0/ई-टेण्डर/2025-26 दिनांक :- 12.08.2025

-: ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना :-

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधायक निधि – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	बदायूँ शहर में मोहल्ला टिकटगंज में रवि चौहान के घर से कार्तिकेय चौराहे तक सी0सी0 कार्य (सदर)।	19.456	0.39	854.00	03 माह

2. वैब साईट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :- 22.08.2025 को दोपहर 12:00 बजे से।
3. वैब साईट पर बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करने की तिथि :- 22.08.2025 को दोपहर 12:00 बजे से।
4. ई निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि/समय :- 22.08.2025 को दोपहर 12:00 बजे से।
5. ई निविदा के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि/समय :- 22.09.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक।
6. ई निविदा के माध्यम से तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय :- 22.09.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे।
7. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज – 9 के अनुसार परिशिष्ट/ शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि नियमित रूप से ई निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साईट http//etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड – बदायूँ।

UP-237006 दिनांक 19.08.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांकः 136/न.पं.गु.भि./2024-25 दिनांकः 11.03.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ.प्र. शासन, नगर विकास अनुभाग-9 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या- 912/नौ-9-202485 ज/05टी.सी.-1 लखनऊ दिनांक 28 जून 2024 द्वारा उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के मासिक मूल्य पर कर) नियमावली-2024 की अधिसूचना जारी/प्रख्यापित की गयी है। उक्त नियमावली के प्रस्तर-5 में अधिशासी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते नगर नगर पंचापयत गुलडिया भिण्डारा, जनपद-पीलीभीत की भौगोलिक सीमाओं में स्थित समस्त प्रकार के भवनों/भूखण्डों पर सम्पत्ति कर के आरोपण हेतु उक्त अधिसूचना में प्राविधित उपबन्धों के अधीन वार्ड की अवस्थिति, भवन के निर्माण की प्रकृति, मार्ग की चौड़ाई जिस पर सम्पत्ति स्थित है के कवर्ड एरिया के प्रति वर्गफुट किराये की न्यूनतम मासिक किराया दर को आवासीय सम्पत्तियों के कर निर्धारण के निमित्त वार्षिक किराया मूल्य निर्धारण हेतु भवन के कारपेट एरिया (वास्तविक माप आधारित) अथवा कवर्ड एरिया का 80 प्रतिशत की प्रति ईकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) या भूमि के प्रत्येक समूह के लिए प्रति इकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) न्यूनतम मासिक किराया दर निर्धारित करते हुये इस कार्यालय के पत्र सं.- 93(1)/नं.पं.गु.भि./2024-25 दिनांक 04.12.2024 हिन्दी दैनिक हिन्दुस्तान समाचार पत्र व अमृतविचार समाचार पत्र के दिनांक 05.12.2024 को प्रकाशित अंक में प्रकाशन कराकर 15 दिवस की समयावधि में जनसामान्य से आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित की गयी थी। निर्धारित समयान्तर्गत प्राप्त आपत्तियों पर सम्यक विचारोपरान्त जनहित में प्रस्तर-5 (ख) में विहित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण करते हुए पूर्व प्रकाशित दरों में संशोधन करते हुए अन्तिम दरों का निर्धारण निम्नवत् किया जाता है। अतः नगर पंचायत गुलडिया भिण डारा, जनपद पीलीभीत की सीमान्तर्गत उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली-2024 में प्राविधानित उपबन्धों के अधीन के वर्गवार/श्रेणीवार भवन/भूमि समूह के लिए प्रति इकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) हेतु निम्नलिखित तालिका में अंकित न्यूनतम मासिक किराया दर को अन्तिम रूप से निर्धारित करते हुए अन्तिम प्रकाशन किया जाता है।

नगर पंचायत गुलडिया भिण्डारा के समस्त वार्डों में निर्धारित मासिक किराये की दर (प्रति वर्ग फुट)

भवन या भूमि अवस्थित है	आर.सी.सी. छत या आर.बी. छत सहित पक्का भवन (धनराशि रू. में)	अन्य पक्का भवन एस्वेस्टस/फाईवर या टिन शेड (धनराशि रू. में)	कच्चा भवन अर्थात समस्त अन्य भवन जो (एक) एवं (दो)में अच्छादित नहीं है।	खाली भूमि/प्लाट (धनराशि रू. में)
01	02	03	04	05
24 मी. से अधिक चौड़े मार्ग पर	0.45	0.40	0.35	0.30
12-24 मी. तक चौड़े मार्ग पर	0.40	0.35	0.30	0.25
09-12 मी. तक चौड़े मार्ग पर	0.35	0.30	0.25	0.20
09 मी. तक चौड़े मार्ग पर	0.25	0.20	0.15	0.10

- अधिसूचना के प्रस्तर 5(2) के अधीन उल्लिखित सूची के अनुसार व्यवसायिक भवन/भूमि की दर सामान्य दर का तीन गुना तक होगा।
- अधिसूचना के प्रस्तर-7 के अधीन भवन/भूमि के वार्षिक मूल्य की गणना की जायेगी, वार्षिक मूल्य का 10% सामान्य गृहकर 7.5% जलकर तथा 2.5% जल निकासी कर लागू होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

नेशनल ब्रीफ

दिल्ली में इमारत ढहने से 3 मजदूरों की मौत

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के दरियागंज में सद्भावना पार्क के पास बुधवार को तीन मंजिला इमारत के ढह जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जुबैर, गुलसागर और तौफीक के रूप में हुई है जो एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे, तभी वह ढांचा ढह गया। ये तीनों मलबे में दब गए और अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया, घटना की सूचना दोपहर 12 बजकर 14 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम, दमकल की 4 गाड़ियां व बचाव दल के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है।

कश्मीर: गिरफ्तार किए गए आठ पुलिस कर्मी

श्रीनगर। सीबीआई ने एक पुलिसकर्मी को हिरासत में कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछले महीने दिए गए आदेश के बाद बुधवार को कम से कम दो अधिकारियों सहित आठ पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकर्मियों में एक पुलिस उपाधीक्षक, एक निरीक्षक और एक सहायक उपनिरीक्षक शामिल हैं। आरोपी पुलिसकर्मियों को अपने हथियार और अन्य सरकारी सामान यहां संबंधित जिला पुलिस लाइन में जमा करने का निर्देश दिया गया।

एम्स के डॉक्टर को कार से कुचलने का प्रयास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक वरिष्ठ चिकित्सक को एक कार चालक द्वारा कुचलने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 18 अगस्त को शाम करीब चार बजे एम्स के गेट नंबर एक के पास हुई, जब डॉक्टर ने ट्रैफिक जाम में खड़ी कार को पीछे करने का इशारा किया। आरोप है कि चालक ने कार तेज कर दी और डॉक्टर को तीन बार टक्कर मारते हुए घसीटा। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 110 के तहत हौज खास थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत

यवतमाल। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के दारव्हा शहर में रेलवे फ्लाईओवर के निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूब ने से चार बच्चों की मौत हो गई। ये सभी 10 से 14 वर्ष की उम्र के थे। एक अधिकारी ने बताया कि बच्चे दारव्हा रेलवे स्टेशन के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास खेल रहे थे, जहां खंभे लगाने के लिए बड़ा गड्ढा खोदा गया था।

यूएपीए : निष्पक्ष-त्वरित सुनवाई के बिना आरोपियों को जेल में सड़ने नहीं दे सकते

साढ़े पांच साल बाद भी मुकदमा शुरू न होने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए मामले में बुधवार को कहा कि किसी भी आरोपी को निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के बिना जेल में सड़ने नहीं दिया जा सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाए और इसे दो साल के भीतर पूरा करे, क्योंकि अभियोजन पक्ष को 100 से अधिक गवाहों से जिरह करनी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के अप्रैल 2022 के उस आदेश को चुनौती देने वाली दो अपीलों पर अपना फैसला सुनाया, जिसमें मामले में एक आरोपी को जमानत दे दी गई थी, लेकिन सह आरोपी को राहत देने से इन्कार कर दिया गया था। जहां केंद्र की अपील में जमानत दिए जाने को चुनौती दी गई, वहीं दूसरी अपील सह-अभियुक्त द्वारा दायर की गई, जिसे राहत देने से इन्कार कर दिया गया। जनवरी 2020 में बेंगलुरु में 17 आरोपियों के खिलाफ कथित अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के प्रावधान भी शामिल थे।

बाद में यह मामला एनआईए को सौंप दिया गया और जुलाई 2020 में आरोपपत्र दायर किया गया। पीठ ने कहा, हालांकि, तथ्य यह है कि साढ़े पांच साल बीत जाने के बावजूद मुकदमा शुरू नहीं हुआ है। निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के बिना आरोपियों को जेल में सड़ने नहीं दिया जा सकता। पीठ ने कहा कि दोनों आरोपियों को जमानत देने और अस्वीकार करने के लिए दिए गए कारण पूरी तरह न्यायोचित और सही थे। पीठ ने आरोपी को जमानत देने के हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

शीर्ष कोर्ट पहुंचा राहुल के मतदाता सूची पर आरोपों का मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर बेंगलुरु मध्य निर्वाचन क्षेत्र में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले एक विशेष जाच दल (एसआईटी) से कराने की गुहार लगाई गई है।

अधिवक्ता रोहित पांडे की ओर से अधिवक्ता कौसर रज़ा फरीदी के माध्यम से दायर की गई इस याचिका में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों की जांच की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बेंगलुरु मध्य निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप सात अगस्त को एक प्रेस कांफ्रेंस में लगाए थे। याचिका में यह और भी निर्देश देने की गुहार लगाई गई है कि अदालत के निर्देशों का पालन होने और मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट पूरा होने तक मतदाता सूचियों में कोई और संशोधन या अंतिम रूप न दिया जाए।

- **जांच के लिए पूर्व जज के नेतृत्व में एसआईटी बनाने और मतदाता सूचियों को सुलभ बनाने की मांग**

याचिकाकर्ता ने मतदाता सूचियों की तैयारी, रखरखाव, पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए भारत के चुनाव आयोग के लिए बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी करने की भी मांग की है। दिशानिर्देश में डुप्लिकेट या फर्जी प्रविष्टियों का पता लगाने और उनकी रोकथाम के लिए एक तंत्र शामिल करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में चुनाव आयोग को सार्थक सत्यापन, ऑडिट और सार्वजनिक जांच को सक्षम बनाने के लिए मतदाता सूचियों को सुलभ बनाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

पक्ष-विपक्ष में जबर्दस्त तनातनी, विधेयक की प्रतियां फाड़ीं, शाह पर फेंके कागज के टुकड़े

पीएम-सीएम को हटाने संबंधी विधेयक पर लोकसभा से लेकर राज्यों तक शुरू हुई रार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में फाड़े गए कागज के टुकड़े गृह मंत्री के सामने उड़ते हुए।

गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए जाने के दौरान हंगामे की स्थिति रही और विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़ी तथा कागज फाड़कर भी उछाले। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए।

बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के कुछ सदस्यों को आमने-सामने आते हुए देखा गया और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। तृणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों को इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह की ओर बढ़ते देखा गया। दो बार के स्थगन के बाद सदन की बैठक दोपहर 2 बजे फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य पहले से ही खड़े होकर इन तीनों विधेयकों के खिलाफ नारे लगा रहे थे जिन्हें सरकार पेश करने जा रही थी। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने विधेयक की प्रतियां फाड़ दीं और कागज के टुकड़े गृह मंत्री के सामने फेंके। इस दौरान गृह मंत्री विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश कर रहे थे।

वामपंथी दलों ने बताया दमनकारी, लोकतंत्र पर हमला

नई दिल्ली। वामपंथी दलों ने कहा कि गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को हटाने का प्रावधान करने वाले नए विधेयक लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर सीधा हमला हैं। उन्होंने इसका पूरी ताकत से विरोध करने का संकल्प लिया। इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए माकपा महासचिव एमए बेबी ने एक्स पर कहा, मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को 30 दिनों की हिरासत में रखने के बाद पद से हटाने के तीन विधेयक उसके नव-फासीवादी चरित्र को उजागर करते हैं। हमारे लोकतंत्र पर यह सीधा हमला है और माकपा डटकर इसका विरोध करेगी। हम सभी लोकतांत्रिक ताकतों से इस दमनकारी कदम के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा, उच्च पदों पर अपराध से निपटने के नाम पर पेश किए गए ये विधेयक सरकार के असली इरादे को उजागर करते हैं।

इसी हंगामे में, तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी को शाह के सामने लगे माइक्रोफोन को खींचते हुए और उसके पास नारे लगाने की कोशिश करते देखा गया। उधर भाजपा के सांसद भी आसन के सामने मौजूद विपक्षी सांसदों की तरफ बढ़ने लगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू जहां सत्ता पक्ष के आगे वाली सीटों के सामने आ गए, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को गृह मंत्री के बगल में खड़े देखा गया। कांग्रेस सदस्य जोतिमणि और प्रणीति शिंदे विपक्षी सदस्यों के बीच विधेयकों की प्रतियां बांटती नजर आईं। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक की प्रतियों को फाड़ दिया और कागज के टुकड़े उछालने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस हंगामे के बीच कार्यवाही अपराह्न 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी, लेकिन विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों की नारेबाजी जारी रही।

मध्ययुगीन काल में वापस जा रहा है देश : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश को मध्ययुगीन काल में धकेला जा रहा है, जब राजा नापसंद व्यक्ति को गिरफ्तार करवा देता था। राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में कहा, एक निर्वाचित व्यक्ति क्या होता है, इसकी कोई अवधारणा ही नहीं है। उन्हें आपका चेहरा पसंद नहीं आता, इसलिए वह ईडी को मामला दर्ज करने को कहते हैं और फिर लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए व्यक्ति को 30 दिन के भीतर हटा दिया जाता है। यह नया शासन है।

ये सुपर आपातकाल: ममता

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार होने के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक की निंदा की और आरोप लगाया कि यह भारत में लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा। बनर्जी ने 'एक्स' पर दावा किया कि संशोधन विधेयक 'सुपर-आपातकाल' से भी बड़ा कदम है और यह देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता को समाप्त कर देगा।

स्टालिन बोले- काला विधेयक

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को काला विधेयक बताया। कहा, कि 30 दिन की गिरफ्तारी का मतलब है बिना किसी मुकदमे या अदालती सजा के निर्वाचित मुख्यमंत्री को हटाना। तानाशाही इसी तरह शुरू होती है, वोट चुराओ, विरोधियों को चुप कराओ और राज्यों को कुचलो।

विपक्ष के प्रदर्शन से जाहिर, वे भ्रष्टाचार के साथ : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा अध्यक्ष से की विपक्षी सांसदों पर कार्रवाई की मांग**

भाजपा ने बुधवार को कहा कि गंभीर आरोपों में 30 दिन तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने संबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में विपक्षी सदस्यों का विरोध दर्शाता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं।

भाजपा सांसदों ने सदन में विरोध के दौरान गृह मंत्री अमित शाह पर कागज फाड़कर फेंकने के लिए विपक्षी सदस्यों की भी आलोचना की और इसे शर्मनाक और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तीनों विधेयकों का विरोध करने वाले लोग अराजकता लाना चाहते हैं और दिखाना चाहते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं।

उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, आज की परिस्थितियों में यह कानून बहुत आवश्यक है। प्रधान ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जब कुछ लोग जेल से सरकार और अपने मंत्रालय चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल में देखा कि कुछ राज्यों में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने गिरफ्तार होने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने पूछा, क्या हमारा संविधान यही कहता है। प्रधान ने मांग की, उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे इस बात का समर्थन करते हैं कि किसी को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए, भले ही वे सलाखों के पीछे हों। तीनों विधेयक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा रही है कि सरकार का कोई भी सदस्य गिरफ्तार होने के बाद इस्तीफा दे देता है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से विपक्षी सदस्यों ने सदन में विरोध प्रदर्शन किया, उससे पता चलता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं, और वे भ्रष्ट लोगों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

जेल से सरकार चलाने और कुर्सी का मोह न छोड़ पाने वाले ही विरोध में: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'जेल जाने पर कुर्सी गवाने' के प्रावधान वाले संविधान संशोधन विधेयक का विरोध करने पर विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जेल से सरकारें चलाने और कुर्सी का मोह न छोड़ पाने वाले ही इसके खिलाफ है। शाह ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी इस विधेयक के माध्यम से स्वयं को कानून के दायरे में लाए हैं, दूसरी ओर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऐसा कानून बनाया था कि प्रधानमंत्री के विरुद्ध कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं हो सके। उन्होंने लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के विरोध के तरीके को भद्दा बताते हुए कहा कि आज विपक्ष जनता के बीच पूरी तरह से बेनकाब हुआ है।

मुश्किलों से सामना

देश के कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है, इससे जनजीवन बुरी तरह अस्तव्यस्त हो गया है। लोगों को खतरों से भी जूझना पड़ रहा है। गुजरात में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सैकड़ों लोग फंस गए जिन्हें एसडीआरएफ के जवानों ने बचाया। एजेंसी

महाराष्ट्र चुनावः डेटा में हेराफेरी के आरोप में चुनाव विश्लेषक संजय के खिलाफ दो केस दर्ज

नागपुर/मुंबई। चुनाव विश्लेषक और 'सेंटर फोर द स्टडी आफ डेवलपिंग सोसायटीज' (सीएसडीएस) के प्रोफेसर संजय कुमार के खिलाफ 'चुनाव के संबंध में झूठा बयान' देने के आरोप में दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। उन पर 2024 के आम चुनावों की तुलना में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में दो सीट पर मतदाता आंकड़ा साझा करते हुए कथित रूप से झूठा बयान देने को लेकर ये मामले दर्ज किए गए हैं।

- **दो सीटों का डेटा किया था साझा, झूठा बयान देने का आरोप**

पुलिस ने बताया कि बुधवार को नागपुर जिले और नासिक में मामले दर्ज किये गये। कुमार की पोस्ट में दावा किया गया था कि राज्य विधानसभा चुनावों में दो सीट पर मतदाताओं की संख्या में 2024 के आम चुनावों की तुलना में भारी गिरावट आई है। ये दोनों चुनाव लगभग छह महीने के अंतराल पर हुए थे। बाद में उन्होंने मंगलवार को इस पोस्ट को हटा दिया और एक अन्य पोस्ट में 'गलत डेटा' पोस्ट करने के लिए माफ़ी मांगी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिंगना विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या में अंतर के संबंध में उनके द्वारा किए गए दावे को लेकर नागपुर जिले के रामटेक के तहसीलदार ने शिकायत दर्ज कराई।

डीजीसीए में कर्मचारियों की कमी विमानन सुरक्षा के लिए खतरा

नई दिल्ली। संसद की एक स्थायी समिति ने बुधवार को कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में कर्मचारियों की भारी किल्लत देश की विमानन सुरक्षा प्रणाली की अखंडता के लिए 'अस्तित्वगत खतरा' है और इस नियामक को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वायत्तता दी जानी चाहिए।

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति ने 'नागर विमानन क्षेत्र में सुरक्षा की समग्र समीक्षा' पर पेश अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। राज्यसभा सदस्य एवं जनता दल यूनाइटेड के नेता संजय कुमार झा की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा है कि डीजीसीए के 1,063 स्वीकृत पदों में से लगभग 50 प्रतिशत खाली हैं और केवल 553 पद ही भरे गए हैं।

- **संसदीय समिति ने सरकार को दी रिपोर्ट 50 प्रतिशत पदों को खाली बताया**

समिति के मुताबिक, यह कमी मात्र प्रशासनिक समस्या नहीं है बल्कि विमानन सुरक्षा निगरानी तंत्र के लिए भी गंभीर खतरा है। समिति ने सुरक्षा खामियों को तय समयसीमा में दूर करने, गंभीर मामलों में कठोर प्रवर्तन कार्रवाई करने और सभी हवाई अड्डों पर क्षमता विस्तार योजना को विमानन कंपनियों के बेड़े विस्तार के अनुरूप लाने की सिफारिश की है। हालांकि, इस रिपोर्ट में 12 जून को अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे का कोई उल्लेख नहीं है। एयर इंडिया का बोइंग विमान लंदन के लिए उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

छठ और दीपावली पर बिहार के लिए 12 हजार स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए 12 हजार से अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को रेल भवन में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और सांसद संजय कुमार झा से चर्चा के बाद यह तय किया गया है कि आगामी दिपावली और छठ दो बड़े त्योहारों पर लोगों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए।

दिल्ली में हाईकोर्ट और 50 स्कूलों को मिले बम से उड़ाने की धमकी के ईमेल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार को दिल्ली के 50 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, इसके साथ हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने का ईमेल भेजा गया है। इसके पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू किया।

पुलिस के अनुसार, धमकी पाने वालों में द्वारका स्थित राहुल मॉडल स्कूल और मैक्सफोर्ट स्कूल, मालवीय नगर स्थित एसकेवी और प्रसाद नगर स्थित आंध्रा स्कूल शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, दो स्कूलों- मालवीय नगर स्थित एसकेवी और प्रसाद नगर स्थित आंध्रा स्कूल में बम की धमकी की सूचना सुबह 7:40 और 7:42 बजे मिली।

वायुसेना के लिए 97 तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **85000 करोड़ लागत, 6 एईडब्ल्यू एंड सी विमानों की भी खरीद होगी**

सरकार ने भारतीय वायु सेना के लिए लगभग 85,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 हल्के लड़ाकू तेजस विमान और छह उन्नत हवाई पूर्व चेतावनी और नियंत्रण (एईडब्ल्यू एंड सी) विमानों की प्रस्तावित खरीद को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने दोनों खरीद परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। तेजस विमान की खरीद लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी, जबकि एईडब्ल्यू एंड सी विमानों की खरीद के लिए लगभग 18,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रक्षा मंत्रालय ने 97 एलसीए तेजस (एमके-1ए) लड़ाकू विमानों की खरीद का फैसला किया है। चार साल पहले मंत्रालय ने इसी तरह के स्वदेश निर्मित तेजस विमान की खरीद के लिए एक अन्य समझौता किया था। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमान की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। एकल इंजन वाला एमके-1ए विमान भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमानों का स्थान लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री पर हाईकोर्ट ने फैसला टाला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की उस याचिका पर बुधवार को अपना फैसला टाल दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री के संबंध में सूचना का खुलासा करने के निर्देश देने वाले सीआईसी के आदेश को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता को अपराह्न ढाई बजे फैसला सुनाना था लेकिन फैसले को टाल दिया गया। अब 25 अगस्त को फैसला सुनाए जाने की संभावना है। सुनवाई के समय, डीयू की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सीआईसी का आदेश रद्द किया जाना चाहिए, क्योंकि निजता का अधिकार जिज्ञासा के अधिकार से ऊपर है। मेहता ने कहा कि विश्वविद्यालय मोदी की डिग्री से संबंधित रिकॉर्ड अदालत को दिखाने को तैयार है।

वक्तव्य

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के व्याख्यान सत्र में सीजेआई बीआर गवई का संबोधन

मध्यस्थता से हर किसी के लिए सुनिश्चित हो सकता है न्याय

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि देश में पारंपरिक मुकदमेबाजी अकेले बोझ नहीं उठा सकती और कानूनी सहायता तथा मध्यस्थता के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

सीजेआई 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) द्वारा आयोजित 'सभी के लिए न्याय-कानूनी सहायता और मध्यस्थता : बार और पीठ की सहयोगात्मक भूमिका' व्याख्यान के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए न्याय का मार्ग जटिल और बाधाओं से भरा हो सकता है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय का वादा करता है। फिर भी व्यावहारिक रूप से, न्याय का मार्ग लंबा और जटिल हो सकता है और इसमें कई बाधाएं आ सकती हैं। कई लोगों के लिए, विशेष रूप से हाशिये पर रहने वाले लोगों और कमजोर समुदायों के लिए, निष्पक्ष सुनवाई की यात्रा सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं से अवरुद्ध होती है।

वकील पक्षों का मध्यस्थता के लिए मार्गदर्शन करें

सीजेआई ने कहा, मैं वरिष्ठ अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करूंगा कि वे पक्षों को मध्यस्थता के माध्यम से अपने विवादों को सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से मार्गदर्शन करें। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालती मुकदमेबाजी और मध्यस्थता दोनों में अक्सर लंबी प्रक्रियाएं, जटिल औपचारिकताएं और महत्वपूर्ण वित्तीय व्यय शामिल होते हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, कानूनी सहायता और मध्यस्थता वे साधन हैं, जिनके माध्यम से हम संविधान के आदर्शों को लोगों के लिए वास्तविकता में बदल सकते हैं। आज जैसे व्याख्यान न्यायाधीशों को याद दिलाते हैं कि सहानुभूति, पहुंच और सुगम्यता वैकल्पिक गुण नहीं, बल्कि न्यायिक सेवा के आवश्यक घटक हैं।

बार और पीठ की सहयोगात्मक भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने वकीलों की भूमिका को रेखांकित किया, जिनके बारे में कहा गया कि वे न केवल व्यक्तिगत मुवक्किलों के प्रतिनिधि हैं, बल्कि न्याय के संरक्षक भी हैं। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को निष्पक्षता, समानता और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित करने का गंभीर कर्तव्य सौंपा गया है। न्यायमूर्ति गवई ने न्याय के रथ को सुचारु रूप से चलाने के लिए जजों और वकीलों के बीच सामंजस्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा, तेजी से बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ते मुकदमों के बोझ वाले देश में, पारंपरिक मुकदमेबाजी अकेले बोझ नहीं उठा सकती।

अमृत विचार

गुरुवार, 21 अगस्त 2025

अमन के प्रयासों पर आंच

बरेली में आला हजरत के कुल शरीफ की रस्म पूरी होने के साथ उनकी याद में आयोजित 107वें उर्स का समापन हो गया। चूंकि यहां देश-विदेश से लाखों जायरीन जुटते हैं, इसलिए यह अवसर न केवल शहर बरेली बल्कि पूरे प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। शासन और पुलिस-प्रशासन ने इसे सुखद एवं सफल बनाने के लिए भरपूर प्रयास किए और वे कारगर भी साबित हुए। कमी केवल उस घटना के कारण दिखी, जिसमें चादर जुलूस को लेकर हंगामा हुआ। उस एक घटना ने पुलिस-प्रशासन की बेहतरीन व्यवस्थाओं पर छोटा-सा धब्बा अवश्य लगा दिया। इससे संबंधित समाचारों ने देश भर में यह छवि निर्मित कर दी कि सब कुछ होने के बावजूद स्थिति प्रशासन के नियंत्रण में नहीं थी। दावा है कि इस उर्स में आठ लाख जायरीन ने शिरकत की। इतने विशाल आयोजन के लिए प्रशासन ने शहर की यातायात व्यवस्था नए सिरे से नियंत्रित की, सुरक्षा चाक-चौबंद रखी, आगंतुकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा और स्कूलों में अवकाश घोषित किया। कुल मिलाकर, उसने इस उर्स के बेहतर इंतजाम में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। जहां तक विवाद का प्रश्न है- एक पक्ष ने दूसरे पर यह आरोप लगाते हुए हंगामा किया कि उर्स की चादर यात्रा एक नई परंपरा है और वे नई परंपरा के खिलाफ हैं, जबकि प्रशासन के पास इसके विपरीत स्पष्ट तथ्य मौजूद थे।

हकीकत यह है कि आला हजरत उर्स के दूसरे दिन इज्जतनगर के खजुरिया गांव से चादर का जुलूस वर्षों से दरगाह तक आता रहा है। इस जुलूस के कार्यक्रम को लेकर दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता और पूर्व सहमति भी थी। फिर यह हंगामा क्यों हुआ? संभव है कि बखेड़ा करने वाले पक्ष ने पुलिस से भिड़ने की कोशिश की हो और पुलिस को किंचित बल प्रयोग करना पड़ा हो, लेकिन इसे लाठीचार्ज बताकर बेवजह मामले को तूल दिया गया। इससे देश में यह संदेश गया कि उत्तर प्रदेश में अब भी व्यवस्था उतनी सुदृढ़ नहीं है और सामाजिक सहिष्णुता और समरसता की स्थिति कमजोर है। असल में दोनों पक्षों के जो कुछ लोग इस विवाद का कारण बने, वे मुट्ठीभर लोग हैं, जो किसी वर्ग का सशक्त प्रतिनिधित्व नहीं करते। यदि कोई वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है तो वही वर्ग है, जिसने इस यात्रा की लिखित अनुमति पहले ही प्रदान कर दी थी। चंद लोगों ने अपनी अदूरदर्शी और अनुचित हरकतों से न केवल शासन-प्रशासन के अथक प्रयासों की चमकीली छवि को कलंकित किया, बल्कि शहर और प्रदेश की प्रतिष्ठा भी धूमिल की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूरे देश में इस बात के लिए सराहना होती है कि उन्होंने प्रदेश को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर रखा है, जहां अपराध, अशांति और दंगे-फसाद थमे हैं और विकास की गति तेज हुई है। सूबे में अमन-चैन कायम रहे इसके लिए वे निरंतर प्रयत्नशील हैं, लेकिन कुछ तत्व ऐसे हैं जो उनके इन प्रयासों में विघ्न डालने पर आमादा रहते हैं। इन तत्वों से सख्ती से निपटना समय की मांग है।

प्रसंगवश

जीवन की सांध्य बेला और जलवायु का जोखिम

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चुनौती नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनइपी) की हाल में जारी एक नई रिपोर्ट में बुजुर्गों पर मंडरा रहे जानलेवा संकट की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग लोग खास तौर पर जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना कर रहे हैं। यह रिपोर्ट पूरी दुनिया के बुजुर्गों पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खुलासा करती है।

अमरपाल सिंह वर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में, जहां बुजुर्गों की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, वहां जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर प्रभाव और भी अधिक चिंताजनक होते जा रहे हैं। बुजुर्ग न केवल शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं, बल्कि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी उम्र के साथ घटती जाती है। ऐसे में वे भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों, शीत लहरी, वायु प्रदूषण और नई उभरती बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी में इजाफा हो रहा है। यह बुजुर्गों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम है, क्योंकि लू और अत्यधिक तापमान के दौरान उनके शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। वर्ष 2022 की 'द लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट' के अनुसार वर्ष 2000-2004 और 2017-2021 के दौरान जलवायु परिवर्तन से भारत में गर्मी से संबंधित मौतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें बुजुर्गों की संख्या अधिक है, क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता जलवायु बदलाव को झेलने में कम होती है।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तरी राज्यों सहित भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ा है। गर्मियों में तापमान 45 से 50 डिग्री तक पहुंच जाता है। जलवायु परिवर्तन से वायु गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। अस्थमा और दिल की बीमारी से जूझते बुजुर्गों के लिए यह परिस्थिति जानलेवा साबित हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर का तापमान संतुलन क्षमता कम हो चुकी होती है, जिससे लू लगने, डिहाइड्रेशन और हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जहां गर्मी के दिन बढ़ते चले जा रहे हैं, वहीं सर्दियों में भी अत्यधिक ठंड पड़ने लगी है। शीत लहर के कारण बुजुर्गों को हाइपोथर्मियां, रक्तचाप में गिरावट तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासकर उत्तर भारत में दिसंबर-जनवरी की सर्दियां उनके लिए घातक साबित हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसे रोगों का प्रसार बढ़ा है। बुजुर्गों के लिए ये रोग अधिक घातक सिद्ध हो सकते हैं। मौसम जनित प्रभावों से उनमें तनाव, अकेलापन और अवसाद की स्थिति बनती है।

यूएनइपी की हाल में जारी रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 1990 के दशक से अब तक 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों में तापलहर के कारण होने वाली मौतों में लगभग 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार ताप लहरें, बाढ़ और बर्फ के पिघलने जैसे जलवायु परिवर्तन के सबसे घातक प्रभावों में से एक हैं। रिपोर्ट के अनुसार बुजुर्ग लोग अकसर पुरानी बीमारियों, चलने-फिरने में कठिनाई या शारीरिक कमजोरी से जूझते हैं। वो भीषण गर्मी में जानलेवा खतरे का सामना करते हैं। ये खतरे तब और बढ़ जाते हैं, जब वो प्रदूषित, भीड़भाड़ वाले शहरों या तटीय इलाकों में रहते हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी ज़्यादा है और समुद्र का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

हमारे देश में पहले तो दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, जोधपुर जैसे बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यू) 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता था, अब तो राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ समेत विभिन्न छोटे शहर भी इस स्थिति में आने लगे हैं। जाहिर है, समस्या बढ़ती ही जा रही है। भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की संख्या अब लगभग 14 करोड़ तक पहुंच चुकी है और यह संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है। एक ओर जहां बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, वहीं जलवायु परिवर्तन का असर भी तेज हो रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बुजुर्गों को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने ही होंगे।

समय सापेक्ष है। इसका मूल्य केवल इस बात पर निर्भर करता है कि हम इस गुजरते समय में क्या करते हैं।

–अल्बर्ट आइंस्टीन, वैज्ञानिक

नई शिक्षा नीतिः पांच वर्ष की उपलब्धियां और चुनौतियां

प्रो. रिपुदमन सिंह

पूर्व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी

वर्ष 2020 में घोषित नई शिक्षा नीति (एनईपी) ने देश की शिक्षा प्रणाली को आमूलचूल बदलने की नींव रखी। लगभग 34 वर्षों बाद आई इस नीति में 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समावेशी, लचीली और बहुभाषी शिक्षा नीति की परिकल्पना की। इस नीति के पांच वर्ष होने पर आवश्यक हो गया है कि इसकी अब तक की उपलब्धियों और चुनौतियों का मूल्यांकन किया जाए। चूंकि देश के कई राज्यों द्वारा एनईपी के कुछ प्रावधानों को लेकर विरोध प्रकट किया जाता रहा है, अतः इसके सभी पहलुओं पर विचार किया जाना समीचीन होगा। एनईपी 2020 ने स्कूली और उच्च शिक्षा, दोनों में व्यापक बदलाव का वादा किया था, उस दृष्टिकोण का कुछ हिस्सा क्रियान्वयन तो हुआ है, लेकिन बहुत कुछ अभी कागजों पर ही है। इसमें राज्य एवं केंद्र का टकराव भी व्यवधान का कारण रहा है।

स्कूल पाठ्यक्रम धीरे-धीरे बदल रहा है, जो (5+3+3+4) प्रणाली पर आधारित है, जिसमें प्रारंभिक वर्षों को विशेष महत्व दिया गया है, तथा बाल्यावस्था में खेल आधारित और गतिविधि आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनसीईआरटी ने इसी प्रणाली के आधार पर कक्षा (1-8) के लिए नई पाठ्य पुस्तकें तैयार की हैं। कक्षा (9-12) के लिए नई पुस्तकें अति शीघ्र आने की उम्मीद है। एनईपी 2020 का लक्ष्य 2030 तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है और यह शिक्षा में विषमता हटाने के लिए आवश्यक कदम है। 2021 में शुरू की गई निपुण भारत योजना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कक्षा-3 के अंत तक प्रत्येक बच्चा किताब ढंग से पढ़ सके और गणित का बुनियादी ज्ञान हासिल कर सके। एक सरकारी सर्वेक्षण में यह ज्ञात हुआ है कि भाषा में 64 प्रतिशत और गणित में 60 प्रतिशत बच्चे ही ऐसा करने में सफल हुए। यह शुरुआत तो सही प्रतीत होती है, किंतु सार्वभौमिक दक्षता से काफी दूर है।

इसके अतिरिक्त एनईपी 2020 के प्रावधानों में, कक्षा-5 तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना भी है, इससे ग्रामीण और वंचित वर्गों के छात्रों को शिक्षा से जोड़ने में सरलता भी आई है। कक्षा-6 से व्यावसायिक शिक्षा जैसे कौशल, आधारित विषयों की शुरुआत की गई है। कोडिंग, कृत्रिम मेधा और वित्तीय साक्षरता जैसे कई विषय स्कूलों में पढ़ाए जा रहे हैं। ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के छात्रों को दीक्षा, पीएमई विद्या जैसे डिजिटल प्लेटफार्म्स के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उच्च शिक्षा में भी एनईपी 2020 के प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

2022 में शुरू की गई सीयूईटी स्नातक प्रवेश के लिए, अब प्रमुख मार्ग बन गई है। ।एबीसी (अकादमिक क्रेडिट बैंक) का क्रियान्वयन भी छात्रों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है, इससे संस्थानों के बीच भी क्रेडिट अर्जित करना और पुनः प्रवेश करना संभव हो गया है। यह प्रणाली छात्रों को एक वर्ष बाद प्रमाण-पत्र, दो वर्ष बाद डिप्लोमा तथा चार वर्षीय बहु-विषयक डिग्री पूरी करने की अनुमति देती है।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए देश में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों को अपना कैंपस खोलने की अनुमति भी एनईपी 2020 की नीति का हिस्सा है। गुजरात के गिफ्ट सिटी में दो अन्य विदेशी विश्वविद्यालयों के बाद साउथेंपरन विश्वविद्यालय का कैंपस हाल ही में खुला है। 12 अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अनुमति प्राप्त करने के कगार पर हैं। एनईपी 2020 के क्रियान्वयन में सभी कुछ सही नहीं चल रहा है। एनईपी 2020 के अंतर्गत तीन भाषाओं की बाध्यता है, जिसमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए, किंतु तमिलनाडु जो तामिल-अंग्रेजी मॉडल पर चलता है, इसे हिंदी थोपने की कोशिश मानता है। इसके अतिक्ति शिक्षक-शिक्षा के लिए राष्ट्रीय परिचर्चा की रूपरेखा जो 2021 में जारी होनी थी, अभी तक जारी नहीं हो पाई है। एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीपी) के तहत चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम भी अभी तक लागू नहीं हो पाया है। यूजीसी को समाप्त करके भारतीय उच्च शिक्षा सेवा आयोग का गठन भी अधर में लटका हुआ है। एनईपी 2020 में मिड डे मील के साथ नाश्ते की भी सिफारिश की गई थी, किंतु वित्त मंत्रालय ने शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

वास्तविकता यह है कि एनईपी 2020 लागू किए जाने से हमारा ग्रामीण परिवेश भी अड़चन है। ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट की समस्या, विद्युत आपूर्ति की कमी, शिक्षकों की ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने की अनिच्छा मुख्य कारक हैं। इसके साथ ही कुछ राज्य भी एनईपी के प्रमुख प्रावधानों का विरोध करते आ रहे हैं। केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में पीएमश्री स्कूल स्थापित करने के लिए केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है। तमिलनाडु, तीन भाषा फार्मूला एवं चार वर्षीय स्नातक ढांचे, दोनों का विरोध कर रहा है। केरल, तमिलनाडु का तर्क है कि चूंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है, इसलिए केंद्र इन बदलावों को एकतरफा लागू नहीं कर सकता है। केंद्र ने भी इन राज्यों की समग्र शिक्षा निधि रोक दी है, क्योंकि केंद्र के अनुसार यह धनराशि एनईपी से जुड़े सुधारों के लिए है। तमिलनाडु ने इस रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है।

एनईपी को यदि जमीनी स्तर पर लागू किया जाए तो यह शिक्षा व्यवस्था को समावेशी बनाएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए युवाओं को तैयार करेगी।

आमने

संसद में पेश बिल संविधान में निहित शक्ति-विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है और चुनी हुई सरकारों के अधिकार को कमजोर करता है। इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी। वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज और जल्लाद दोनों बन जाएंगे। –**असदुद्दीन ओवैसी**, सांसद एआईएमआईएम

विपक्ष किसका विरोध कर रहा है नैतिकता का या भ्रष्टाचार का? भारतीय राजनीति में अगर हम नैतिकता के आधार पर और भ्रष्टाचार के खिलाफ इस्तीफा देने की बात करते हैं और फिर कानून बनाने की बात करते हैं, तो विपक्ष इसका विरोध क्यों करता है?

–**अनुराग ठाकुर**
भाजपा सांसद

सामने

स्टार्टअप्सः स्थिरता और स्थायित्व की जद्दोजहद

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

पिछले एक दशक में भारत का स्टार्टअप परिदृश्य तेजी से बदला है। जहां कभी सुरक्षित नौकरी ही पहली पसंद हुआ करती थी, वहीं आज उद्यमिता भी नई पीढ़ी की आकांक्षाओं का प्रतीक बनने लगी है। देश में 1.80 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को आधिकारिक मान्यता मिली है। सिर्फ इस साल ही 21,683 नए स्टार्टअप्स का जुड़ना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह केवल करियर का विकल्प नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति का प्रतीक बनकर उभर रहा है। आज भारत के स्टार्टअप्स क्षेत्रीय और वैश्विक परिदृश्य दोनों में तेजी से अनुकूलन कर रहे हैं। फिनटेक, डीपटेक और क्लाइमेट टेक अब अग्रिम पंक्ति में आने लगे हैं। देश में दस हजार से अधिक फिनटेक कंपनियां सक्रिय हैं, जिनमें से करीब तीस ने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया है। क्लाइमेट टेक ने तो इस साल केवल छह महीनों में ही 1.2 बिलियन डॉलर जुटाए, जो पिछले साल की तुलना में तीन गुना अधिक है।

डीपटेक को भी अब नीतिगत प्रोत्साहन मिल रहा है। ड्रोन, स्पेस-टेक और बायोटेक में ठोस प्रगति दिखाई देने लगी है। इन्क्यूबेशन हब भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। 72 अटल इन्क्यूबेशन सेंटर्स के माध्यम से 3,500 से अधिक स्टार्टअप्स और लगभग 42,000 नई नौकरियों को बढ़ावा मिला है। साथ ही यूनिकॉर्न (कुल मूल्यांकन एक बिलियन अमेरिकी डॉलर या अधिक) की संख्या के आधार भारत विश्व के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है और हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2025 के अनुसार तीसरे पायदान पर है।

इस क्रांति की चमक के पीछे कुछ गहरी छायाएं भी हैं। सफलताओं के साथ-साथ एक गहरा संकट भी आकार ले रहा है। मूल्यांकन की अंधी दौड़, पारदर्शिता का अभाव और दीर्घकालिक दृष्टि की कमी, जो यूनिकॉर्न कभी भारत की नवाचार-यात्रा के प्रतीक माने जाते थे, उनमें से कई आज नियामकीय जांच, निवेश में गिरावट और अस्तित्व संकट से जूझ रहे हैं। बायजूस जैसे एडटेक दिग्गज आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

तमाम रिपोर्ट्स के आंकड़े बताते हैं कि शुरू होने के पांच सालों के अंदर ही बंद हो जाने वाले स्टार्टअप्स की तादाद बहुत ज्यादा है। अधिकांश कंपनियां या तो बिना ठोस बाजार मांग समझे केवल 'आइडिया' के सहारे आगे बढ़ जाती हैं या फिर निवेशकों की पूंजी के बल पर आक्रामक विस्तार करती हैं। नतीजतन ग्राहक नहीं मिलते। राजस्व टिकता नहीं और बिजनेस मॉडल अस्थिर हो जाता है। तेज विस्तार की होड़ में कॉरपोरेट गवर्नेंस, पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही जैसी बुनियादी बातें पीछे छूट जाती हैं। कई मामलों में बोर्ड की भूमिका सीमित हो जाती है। निवेशक अल्पकालिक लाभ के पीछे भागते हैं और संस्थापक अपनी कंपनियों को व्यक्तिगत संपत्ति की तरह संचालित करने लगते हैं। इसका अर्थ यह है कि विफलता केवल संस्थापकों की व्यक्तिगत भूल नहीं, बल्कि नीति, पूंजी और बाजार की संरचनात्मक कमियों का प्रतिबिंब है।

यह संकट केवल बाजार का नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं की विसंगति का भी परिणाम है। सरकार एक ओर मैन्युफैक्चरिंग, डीप टेक और वैज्ञानिक अनुसंधान आधारित स्टार्टअप्स की बात करती रही, लेकिन दूसरी ओर लंबे समय तक उसके प्रोत्साहन कार्यक्रम, टैक्स स्ट्रक्चर और नियामकीय ढांचा मुख्यतः उपभोक्ता सेवाओं वाले स्टार्टअप्स के पक्ष में झुके रहे। नतीजा यह कि भारत की स्टार्टअप कहानी का बड़ा हिस्सा फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स, एग्रीगेटर ऐप्स और हाइपरलोकल सेवाओं तक सीमित रह गया, जहां नवाचार की गहराई कम और स्केलिंग की लालसा अधिक रही। यही कारण है कि स्विगी और जोमेटो जैसी कंपनियां अरबों डॉलर के लेन-देन तो करती हैं, लेकिन मुनाफे के नाम पर बड़ा सवाल बना रहता है। इसके विपरीत जेरोधा या जोहो जैसी कंपनियां, जिन्होंने लाभकारी और टिकाऊ मॉडल पर ध्यान दिया, अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर होते हुए भी स्थिर और दीर्घकालिक सफलता का उदाहरण बन गईं। आज अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50% टैरिफ तत्कालिक रूप से चुनौती जरूर हैं, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह भारत के लिए आत्मनिर्भरता और 'मेड फॉर द वर्ल्ड' जैसी रणनीति की दिशा में अवसर भी है। जब वैश्विक बाजार कठिन हो जाते हैं, तब घरेलू उत्पादन और नवाचार को नई गति मिलती है। यही वह समय है जब सरकार, उद्योग और पूंजी तीनों मिलकर ठोस दिशा तय कर सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प ने एक नई दिशा की उम्मीद जगाई है। 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप की घोषणा केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नीतिगत बदलाव का प्रतीक है। भारत अब सेवाओं का निर्यातक से गहरे नवाचारों का निर्माता बनना चाहता है। साथ ही एक लाख करोड़ रुपये की 'विकसित भारत रोजगार योजना' ने युवाओं को नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रेरित करने का ठोस संकेत दिया। यदि 'नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म टास्क फोर्स' कर प्रणाली और अनुपालन को सरल बनाने में सफल हुई, तो यह छोटे-बड़े तमाम व्यवसायों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। नवाचार और अनुशासन का संगम ही स्थायी विकास का सूत्र है। आज भारत की स्टार्टअप यात्रा का असली सवाल यह नहीं है कि कितने यूनिकॉर्न पैदा हो रहे हैं, बल्कि यह है कि क्या हमारे स्टार्टअप्स पारदर्शिता, गवर्नेंस और नवाचार के मानकों पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल बन पा रहे हैं। स्टार्टअप्स कोई त्वरित जादू नहीं, बल्कि दीर्घकालिक धैर्य और जिम्मेदारी से चलाया जाने वाला व्यवसाय हैं।

देश में इस साल 21,683 नए स्टार्टअप्स शुरू हुए हैं। यह संकेत है कि यह केवल करियर का विकल्प नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

सामयिकी

रैबीज से घातक है कैंसर निशाने पर कुत्ते ही क्यों!

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक दुनिया में 36 प्रतिशत कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज से मौत के मामले भारत में होते हैं। यह संख्या 18,000 से 20,000 है। रैबीज से मौतों में से 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है। इस पर कोई विवाद नहीं कर सकता कि एक भी व्यक्ति की जान इस तरह जाए तो यह मानवता पर सवाल है और उसे बचाने के लिए सरकार और समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ही रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन से लगभग दो लाख साठ हजार से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह आंकड़ा 2019 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बताया गया कि शराब सेवन से सबसे ज्यादा प्रभावित 20 से 39 वर्ष की आयु के युवक हैं।

शराब के सेवन से लीवर, दिल, कैंसर और दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतें शामिल होती हैं। भारत में हर साल तंबाकू और गुटखा के सेवन से लगभग 13.5 लाख (1.35 मिलियन) लोगों की मृत्यु होती है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

यह औसतन हर दिन 3,700 से अधिक मौतें हैं। इनमें से अधिकांश मौतें कैंसर (विशेषकर ओरल कैंसर), हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्य तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती हैं। 90% मुंह के कैंसर के मामले भारत में तंबाकू या गुटखा सेवन से जुड़े हैं। यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन का है।

सवाल उठना लाजिमी है कि जो जिम्मेदार लोग कभी शराब और गुटखे पर पूरी तरह पाबंदी के लिए सुप्रीम कोर्ट तो क्या अपने मोहल्ले की गली में खड़े नहीं हुए, उन्हें कुत्तों से अचानक इतनी नफरत क्यों हो गई! मनुष्य ने सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। हमे पाषाण काल (नव पाषाण काल लगभग 4000 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व) के मानव कंकाल के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य बुर्जहोम (जम्मू कश्मीर) से प्राप्त हुआ है। आदि काल में कुत्ता इंसान को शिकार करने में मदद करता था, फिर वह घर और फसल की सुरक्षा भी करता था। सबसे बड़ी बात कम भोजन में भी वफादार बने रहने के उसके गुण ने आज कुत्ते को इंसान द्वारा पाले जाने वाले सबसे विश्वस्त और सर्वाधिक पाला जाने वाला जानवर बना दिया है।

'बैलों के गले में जब घुंघरू जीवन का राग सुनाते हैं' यह गीत कोई बहुत पुराना नहीं हैं। तब बैल घर की प्रतिष्ठा और दरवाजे पर बंधी गाय पवित्रता की प्रतीक हुआ करती थी। धीरे से ट्रेक्टर आया। जब जमीन की जोत ही छोटी हो गई और ट्रैक्टर नाम का 'हाथी' दरवाजे बंध गया तो खेती घाटे का सौदा हो गई। बैल लुप्त हुए और गाय निराश्रित। जिन लोगों ने गाय को दरवाजे से हटा कर गौशाला में ले जाने को पावन कार्य बनाया, वही वर्ग अब सड़कों से कुत्ते हटाने के तर्क गढ़ रहा है। ये वही वर्ग है जो सरकार की उस योजना का समर्थक है, जिसमें प्रकृति के नियमों के विरुद्ध केवल बछिया पैदा करने के सीरम गांव-गांव बांटे जाने का समर्थन करता हैं। केवल उत्तर प्रदेश राज्य में ही 16 लाख से अधिक निराश्रित गायें मौजूद हैं। हर गांव में अनिवार्य चरागाह की जमीन कौन हड़प गया? उस पर कोई बात नहीं करता।

कहना न होगा कि गोशालाओं की संख्या इसकी तुलना में ऊंट के मुंह में जीरा है और जो हैं भी, उनमें से अधिकांश, अव्यवस्था की इस हद तक शिकार हैं कि उन्हें गायों का कब्रिस्तान कहा जाए तो अतिशियोक्ति नहीं होगा। इसी साल छह अगस्त को दिल्ली हाई कोर्ट के उस निर्देश पर भी विचार करना होगा, जिसमें जज साहब ने कहा था, 'कुत्ते दुनिया के सबसे प्यारे जानवर हैं और इंसानों के सबसे अच्छे दोस्त हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कुत्तों की सुरक्षा की जाए और उन्हें सम्मान दिया जाए। या तो कुत्ते घर पर हों या आश्रय में। सड़कों पर कचरा खाते हुए नहीं। इंसान और कुत्ते, दोनों ही परेशान हैं। न तो इंसान सुरक्षित हैं, न ही कुत्ते।'

सोशल फोरम

सेकेंड हैंड ईगो

किसी को इसी बात का अहंकार है कि किसी शक्तिशाली इंसान से उसकी घनिष्ठता हो गई है। वो second hand ego का ही मजा ले रहा है। किसी को अपनी सुंदरता पर नाज है, जबकि वो सुंदर मात्र इसीलिए है कि उसे वो सुंदरता के जीन्स अपने माता-पिता से मिल गए हैं। उसके माता-पिता को उनके माता-पिता से। किसी को अपनी बुद्धिमता का घमंड है, जबकि वो भी उसकी अर्जित की हुई नहीं है, कुछ गॉड गिफ्टेड है और कुछ संयोगवसात मिली परिस्थितियों की बदौलत है। किसी को अपनी जाति का, उच्च कुल में जन्म लेने का, अपनी जीवनशैली का, तो किसी को अपने पहनावे का तो किसी को अपने खानपान का, तो किसी को अपनी पद-प्रतिष्ठा का अहंकार है। वो ईमानदारी से देखे तो सब संयोग मात्र से उपलब्ध हुआ है, अर्जित नहीं किया गया है। अर्जित करने का उसे भ्रम हो सकता है, लेकिन वो भ्रम भी हमें हमारा अहंकार ही देता है कि अरे ऐसे कैसे 'मैं कोई मामूली इंसान थोड़े न हूं। जीवन भर मेहनत की है। अपने को शून्य होता देख घबराहट होती है।' इसीलिए मुझे मोटिवेशनल, प्रेरणादाई बातें सब फिजूल लगती हैं।

विवेक मधु

ब्लॉगर

आपकी प्रेरणा देने से बदलाहट हो रही होती तो सभी बदल जाते न, जो पहुंचते हैं आगे उन्हें पहुंचना ही था, क्योंकि वो अपने अंदर समझ का बीज लेकर ही चल रहे थे। उनकी नियति को उन्हें वहां तक ले ही जाना था। हां, यह बात भी आपको अजीब लगेगी और लगनी भी चाहिए, क्योंकि मेरा भी आज इसे जान लेने का कोई ठोस दावा नहीं है, लेकिन अंदर से एक आवाज आती है कि कुछ पा लेने का जज्बा, लगन के बीज भी कुछ लोग लेकर पैदा होते हैं कुछ नहीं। यह बीज जितने हैं उस अनुपात में उसकी उपलब्धि हो जाती है। देखिए न, एक कक्षा में अध्यापक सभी को एक सा ही पाठ पढ़ाता है, मगर सभी अपनी क्षमता अनुसार ग्रहण करते हैं और उसी अनुसार डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, व्यापारी आदि आदि बन जाते हैं।

हम कितना भी धरम-करम, ध्यान-व्यान, मौन-वौन कर लें, मगर बारीकी से इस अहंकार के खेल को नहीं समझ रहे हैं, प्रेम-करुणा और विनम्रता का उदय नहीं हो रहा है तो दिशा भटक गए हैं हम। मुझे परमात्मा की कृपा से स्थूल अहंकार की व्यर्थता तो समझ आ गई है, वो रत्तिमात्र भी नहीं बचा है, मगर कहीं न कहीं सूक्ष्म अहंकार तो है और वही मेरी पीड़ा का कारण भी है। परमात्मा से यही प्रार्थना है (नहीं-नहीं यह शब्द भी भ्रम उत्पन्न करता है, केवल प्रार्थना कहना काफी है) कि इस सूक्ष्म अहंकार का खेल भी जना दे। शायद यही मुक्ति है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

परंपरा और तकनीक का नवाचार वस्त्र प्रद्यौगिकी में सपनों का द्वार

उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट

111 वर्षों की गौरवशाली विरासत ▪ भविष्य के लीडर्स की पाठशाला ▪ यहां युवा बुनते हैं इनोवेशन और बनते हैं पेशेवर

मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट कहे जाने वाले कानपुर में स्थित "उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई) उत्तर भारत ही नहीं, बल्कि देश के सबसे पुराने और अग्रणी टेक्सटाइल इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक है । 1914 में स्थापित इस संस्थान ने बीते 111 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में हजारों युवाओं को तकनीकी शिक्षा, रिसर्च और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण से सशक्त बनाकर टेक्सटाइल इंडस्ट्री के विकास को नई राह दिखाई है। यह संस्थान देश को तकनीकी रूप से दक्ष और उद्योग के अनुकूल प्रोफेशनल्स उपलब्ध करा रहा है।

ऑटोमोटिव और मेडिकल सेक्टर में टेक्सटाइल इंजीनियर्स की बढ़ी मांग

- तेजी से बदलती दुनिया के दौर में आज लगभग सभी क्षेत्रों में टेक्सटाइल इंजीनियर्स की जरूरत है। खासतौर पर ऑटोमोटिव और मेडिकल सेक्टर में टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की जरूरत पिछले कुछ समय में तेजी से महसूस की जा रही है। कंप्यूटर साइंस व टेक्सटाइल इंजीनियरिंग के छात्र एक साथ मिलकर इस आवश्यकता को नई दिशा दे सकते हैं।

इसे ही भांपकर यूपीटीटीआई ने टेक्सटाइल से जुड़े पाठ्यक्रमों टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल केमिस्ट्री, मैन मेड फाइबर टेक्नोलॉजी और टेक्सटाइल इंजीनियरिंग के अलावा सत्र 2024-25 से कंप्यूटर साइंस में 60 सीटों वाला बीटेक कोर्स शुरू किया है। इसके पीछे संस्थान का प्रयास है कि छात्र सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, बल्कि उद्योग के निर्माण और नेतृत्व के लिए भी तैयार हो सकें।

देश में रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर है टेक्सटाइल इंडस्ट्री

- टेक्सटाइल इंडस्ट्री करियर के लिहाज से देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला उद्योग है। इसमें नौकरी, रिसर्च, फैशन डिजाइन, प्रोडक्शन, एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट, टेक्निकल टेक्सटाइल, क्वालिटी कंट्रोल, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स, गवर्नमेंट सेक्टर, स्टार्टअप्स, इनोवेशन, एनवायरमेंटल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्र में काम करने के लिए राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अपार अवसर उपलब्ध हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में इनोवेशन और रिसर्च की भी असीम संभावनाएं हैं।

शत प्रतिशत प्लेसमेंट, उद्योग जगत के लीडर

- यूपीटीटीआई ने हाल के वर्षों में लगभग शत प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड बनाया है। संस्थान के छात्रों की मांग टेक्सटाइल उद्योग में हमेशा रहती है। यहां के छात्रों को देश की शीर्ष टेक्सटाइल कंपनियों में आकर्षक पैकेज पर नौकरी मिली है।यूपीटीटीआई के छात्र देश-विदेश की नामी टेक्सटाइल कंपनियों जैसे ट्राइडेंट ग्रुप, वेलस्पन, वर्धमान टेक्सटाइल्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आदित्य बिड़ला ग्रुप, शाही एक्सपोर्ट्स, नाहर ग्रुप आदि में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। संस्थान के अनेक पूर्व छात्रों ने टेक्सटाइल सेक्टर में अपना स्टार्टअप भी शुरू करके नए आयाम स्थापित किए हैं।
- संस्थान की आधुनिक लैब्स में इंडस्ट्री स्टैंडर्ड मशीनरी और उपकरण हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलता है। टेक्नोलॉजी-सक्षम क्लासरूम और समृद्ध लाइब्रेरी में छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज और रिसर्च के लिए हर सुविधा उपलब्ध रहती है।

नवाचार को नई उड़ान, संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

- संस्थान का स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर एंड इनोवेशन फाउंडेशन संस्थान के छात्रों के साथ ही बाहरी युवाओं के लिए नवाचार के सशक्त केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसे प्रदेश सरकार के स्टार्ट इन यूपी और एकेटीयू के इनोवेशन हब से मान्यता मिली हुई है।
- सेंटर युवा उद्यमियों को उनकी स्टार्टअप यात्रा में आइडिया से स्टार्टअप तक की मेंटरशिप, सरकारी ग्रांट्स और स्कीम्स की जानकारी, लीगल व अकाउंटिंग सहायता, बिजनेस प्लान डेवलपमेंट, फंडिंग और नेटवर्किंग सपोर्ट में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसके चलते संस्थान के नवाचारों को यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, इंटरनेशनल ट्रेड शो, स्टार्ट अप महाकुंभ-2024 एवं 25 तथा स्टार्ट अप संवाद जैसे आयोजनों में सराहना हासिल हुई है।

संस्थान में उपलब्ध पाठ्यक्रम

- बीटेक – कम्प्यूटर साइंस -60 सीटें, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी-40 सीटें, टेक्सटाइल केमिस्ट्री-60 सीटें, मैन मेड फाइबर टेक्नोलॉजी-60 सीटें, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग-40 सीटें (प्रवेश प्रक्रिया जेईई मेंस, सीयूईटी तथा यूपीटैक)
- एमटेक – टेक्सटाइल टेक्नालॉजी, टेक्सटाइल केमिस्ट्री (प्रवेश प्रक्रिया गेट तथा सीयूईटी(पीजी) उत्तीर्ण, सीटें रिक्त रहने पर संस्थान स्तरीय प्रवेशपरीक्षा)
- पीएचडी – रिसर्च व इनोवेशन

लेखक– प्रोफेसर जितेन्द्र प्रताप सिंह
हेड ऑफ डिपार्टमेंट ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट
उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट

नई किताबें

मनोविज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों और प्रमुख सिद्धांतों को समझाने का प्रयास

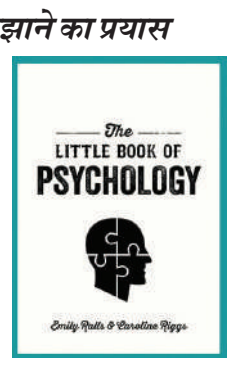

यह पुस्तक मनोविज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों और प्रमुख सिद्धांतों को समझने के लिए एक संक्षिप्त और सुलभ परिचय प्रदान करती है। खासकर उन छात्रों के लिए जो विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान का अध्ययन शुरू करने वाले हैं। यह प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों, मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और विषयों का संकलन है। यह 128 पृष्ठों की एक छोटी पुस्तक है, जो उन छात्रों के लिए एकदम सही है जिसमें मनोविज्ञान के बुनियादी ज्ञान और प्रमुख सिद्धांतों को सरल और स्पष्ट तरीके से समझाया गया है। पुस्तक : द लिटिल बुक ऑफ साइकोलॉजी

लेखक : कैरोलिन रिग्स, एमिली राल्स

मूल्य : रुपये 1,307

प्रकाशक: समर्सडेल

नगरीय समाज के विवरण पर आधारित

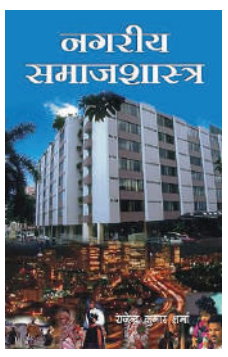

यह पुस्तक समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर समाजशास्त्र के नगरीय समाजशास्त्र शीर्षक प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम का पूर्णतया विवेचन करती है। इस पुस्तक में नगरीय समाजशास्त्र का परिचय, नगरीय समाज के विवरण पर ग्रामीण और नगरीय तुलना, नगर का सामाजिक प्रभाव, भारत में नगरों में वृद्धि, नगरीय समुदाय के लक्षण तथा नगरों के प्रकार शीर्षक अध्याय दिये गए हैं। इसमें प्रमुख नगरीय समस्याओं जैसे नगरीय बेकारी, भीड़भाड़ और गन्दी बस्तियां, वेश्यावृत्ति, भिक्षावृत्ति, अपराध, किशोरापराध आदि का विवेचन भी किया गया है।

पुस्तक : नगरीय समाजशास्त्र

लेखक : राजेन्द्र कुमार शर्मा

मूल्य : रुपये 495

प्रकाशक : अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

उपलब्धता : अमेजन पर भी उपलब्ध है।

जॉब अलर्ट

एलआईसी रिक्रूटमेंट-2025

- असिस्टेंट इंजीनियर – 81 पद
- असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर – 760 पद
- अहर्ता – मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री, बीई/ बीटेक और लॉ में ग्रेजुएट
- आयु सीमा – 8 सितंबर 2025 को कम से कम 21 साल और अधिकतम 30/32 साल
- आवेदन – ऑनलाइन www.licindia.in
- अंतिम तिथि – 8 सितंबर

यूपी पुलिस दरोगा भर्ती

- कुल पद – 4543
- योग्यता – स्नातक
- आवेदन – वेबसाइट Uppbpb.gov.in
- अंतिम तिथि- 11 सितंबर

बिहार कर्मचारी चयन आयोग स्नातक स्तरीय पदों पर नियुक्ति

- कुल पद- 1064
- योग्यता- स्नातक
- आयु सीमा – 21 से 37 वर्ष
- आवेदन- वेबसाइट Bssv.bihar.gov.in
- अंतिम तिथि- 17 सितंबर

काम की बात

स्वयं पोर्टल पर पांच फ्री एआई कोर्स लॉन्च

- शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ने के लिए स्वयं पोर्टल पर पांच फ्री एआई कोर्स लॉन्च किए हैं। स्कूल-कॉलेज के छात्र और नौकरीपेशा, सभी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।इन कोर्स को आईआईटी के प्रोफेसरों ने डिजाइन किया है। ये कोर्स बेसिक से एडवांस लेवल तक की घर बैठे पढ़ाई के लिए तैयार किए गए हैं। कोर्स पूरा करने पर छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 'AI/ML Using Python' कोर्स में पाइथन प्रोग्रामिंग, डेटा विज़ुअलाइजेशन और मशीन लर्निंग की बेसिक जानकारी दी जाएगी। 'AI in Physics' कोर्स में फिजिक्स के कठिन कॉन्सेप्ट्स को AI की मदद से आसान तरीके से समझाया जाएगा। इसी तरह 'AI in Chemistry' कोर्स में ड्रग डिजाइनिंग और रिएक्शन मॉडलिंग जैसे विषयों को AI के माध्यम से सीखने का मौका मिलेगा। कॉमर्स और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए 'AI in Accounting' कोर्स में अकाउंटिंग ऑटोमेशन और स्मार्ट एनालिसिस सिखाया जाएगा। इन कोर्स के लिए SWAYAM पोर्टल swayam.gov.in पर लॉग इन करना होगा। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के लिए कोई शुल्क नहीं देना है।

सैन्य कॉलेज देहरादून में एडमिशन

- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में जुलाई 2026 सत्र के लिए 8वीं कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। 7वीं कक्षा में पढ़ रहे या 7वीं पास कर चुके लड़के या लड़कियां इस कॉलेज में एडमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- उम्र 1 जुलाई 2026 को साढ़े ग्यारह साल से कम और 13 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा 7 दिसंबर 2025 को दिल्ली में होगी।
- आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। प्रवेश परीक्षा दो स्तरीय होगी। लिखित परीक्षा अंग्रेजी, गणित और सामान्य ज्ञान की होगी। इसे पास करने वाले बच्चों का बाद में साक्षात्कार होगा।
- आवेदन फार्म डिमांड ड्राफ्ट भेजकर कॉलेज से मंगा सकते हैं या शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।
- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून बच्चों को पढ़ाई के साथ अनुशासन, फिजिकल ट्रेनिंग और लीडरशिप सिखाता है। यहां कक्षा 8 से 12वीं तक की पढाई होती है।
- इस कॉलेज को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी (IMA), देहरादून के लिए नर्सरी ऑफ लीडरशिप माना जाता है।
- यहां से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के लिए सेना में अधिकारी बनने का रास्ता खुलता है।

पहली प्राइवेट नौकरी पर सरकार से 15 हजार इनाम

- **प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना**
- **खुल चुका पोर्टल, इस तरह करना है रजिस्ट्रेशन**

- देश में युवाओं को अधिक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने Employment Linked Incentive Scheme शुरू की है। इस योजना को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना नाम दिया गया है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी मिलने पर सरकार धन देगी।
- प्राइवेट सेक्टर में पहली नौकरी पाने वाले लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए UAN (Universal Account Number) फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी के जरिए UMANG App पर जेनरेट करना होगा। वहीं, एंप्लॉयर pmvbry.epfindia.gov.in या pmvbry.labour.gov.in पर जाकर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।
- यह योजना 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच बनने वाली नौकरियों पर लागू होगी।
- योजना का पोर्टल (https://pmvbry.epfindia.gov.in या https://pmvbry.labour.gov.in)

योजना का पहला भाग

इस योजना में दो पार्ट हैं। पार्ट ए पहली बार रोजगार पाने वालों पर केंद्रित है, वहीं दूसरा भाग नियोक्ताओं पर केंद्रित है। पार्ट ए के तहत EPFO में पहली बार पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों को एक महीने का EPF वेतन, जो अधिकतम 15000 रुपये हो सकता है, दो किस्तों में दिया जाएगा। 6 महीने की नौकरी पूरी होने पर 7500 रुपये और बाकी 7500 रुपये 1 साल पूरा होने पर मिलेंगे 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी इसके पात्र होंगे। प्रोत्साहन राशि का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए बचत साधन या जमा खाते में रखा जाएगा और कर्मचारी बाद में इसे निकाल सकेगा।

दूसरा भाग नियोक्ताओं के लिए

नियोक्ताओं को हर अतिरिक्त कर्मचारी (पहली बार नौकरी करने वाला या पुनः जुड़ने वाला) पर रुपये 3000 प्रति माह तक का Incentive मिलेगा।
यह प्रोत्साहन सामान्य तौर पर 2 साल तक और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 4 साल तक दिया जाएगा।
लाभ तभी मिलेगा जब कर्मचारी कम से कम 6 महीने तक नौकरी में बना रहे।

पात्रता की शर्तें

- जिन प्रतिष्ठानों में 50 से कम कर्मचारी हैं, उन्हें कम से कम 2 नए कर्मचारी रखने होंगे।
- जिनमें 50 या उससे अधिक कर्मचारी हैं, उन्हें कम से कम 5 नए कर्मचारी रखने होंगे।
- Exempted Establishments भी इस योजना के तहत शामिल होंगे और उन्हें अपने सभी कर्मचारियों का UAN खोलना अनिवार्य होगा।

अंग्रेजी में कमजोरी नहीं बनेगी उच्च शिक्षा में बाधा

अंग्रेजी भाषा में कमजोर होने के कारण तमाम मेधावी छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस, बीटेक या प्रबंधन की पढ़ाई में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम और उससे संबंधित विशिष्ट महत्वपूर्ण पुस्तकों को भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने के लिए सरकार 'भारतीय भाषा पुस्तक' योजना को तेजी से धरातल पर लाने में जुटी है। यह कदम उन छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद होगा, जो हिंदी मीडियम या अपने राज्य की भाषा से शुरूआती पढ़ाई करते हैं और अंग्रेजी के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई अनुभव करते हैं। इस काम के लिए शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने देश की प्रमुख यूनिवर्सिटीज व उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले कोर्सेज की मैपिंग पूरी कर ली है। राज्यों की भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के मिशन में वहां की यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

देश में हर भाषा में मिलेंगी कोर्स की किताबें

- कोर्स से जुड़ी पांच हजार किताबें भारतीय भाषाओं में होंगी तैयार
- 22 भारतीय भाषाओं में मिलेंगी इंजीनियरिंग-मेडिकल की किताबें
- जेईई 13 क्षेत्रीय भाषाओं में

हिंदी में भी शुरू मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई

- कई प्रमुख संस्थानों ने हिंदी में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू भी कर रखी है, मध्य प्रदेश, बिहार, और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है। आईआईटी, जोधपुर बीटेक कोर्स को हिंदी भाषा में उपलब्ध करा चुका है।
- छात्रों को डिजिटल प्रारूप में टेक्स्टबुक और अध्ययन सामग्री मिलेगी।
- क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और भाषा आधारित समानता सुनिश्चित होगी।
- तकनीकी, मेडिकल, लॉ और अन्य उच्च शिक्षा की किताबों का अनुवाद किया जाएगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,857.84	25,050.55
बढ़त	+213.45	+69.90
प्रतिशत में	0.26	0.28

सोना 1,00,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,13,200 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 21 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

जीएसटी सुधारों पर राज्यों से बनाएंगे आम सहमति

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा- अगली पीढ़ी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा यह कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम हैं और केंद्र सरकार आने वाले हफ्तों में इस पर राज्यों के साथ आम सहमति बनाने का प्रयास करेगी। सीतारमण ने जीएसटी में सुधारों पर गठित राज्यों के मंत्रियों के समूहों (जीओएम) के साथ मुलाकात में कहा कि जीएसटी सुधारों पर केंद्र का प्रस्ताव संरचनात्मक सुधार, दरों को युक्तिसंगत बनाने और जीवन को आसान बनाने के तीन स्तंभों पर आधारित है।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने, बीमा पर कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर पर बने मंत्री समूहों ने जीएसटी प्रणाली में व्यापक सुधारों के प्रस्ताव को लेकर सीतारमण के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव देश के आत्मनिर्भर बनने की यात्रा में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत करने के दृष्टिकोण से है। तीनों मंत्री समूह

जीएसटी काउंसिल की बैठक लेतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

दो दिन तक केंद्र के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधारों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिसके तहत पांच और 18 प्रतिशत की सिर्फ दो दरें ही प्रस्तावित की गई हैं। इसके अलावा विलासिता एवं नुकसानदेह उत्पादों पर 40% कर की एक विशेष दर रखी गई है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौजूदा समय में पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है। खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं पर शून्य या पांच प्रतिशत कर लगता है। वहीं विलासिता एवं अहितकर वस्तुओं पर 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है, जिसके ऊपर उपकर भी लगता है। सीतारमण ने मंत्री समूहों को लगभग 20 मिनट संबोधित किया जिसमें उन्होंने केंद्र की तरफ से रखे गए कर सुधार प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की। इसमें कर दरों में कटौती और कारोबारियों के लिए अनुपालन बोझ को कम करने का प्रस्ताव है। जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने के लिए गठित मंत्री समूह को कर स्लैब एवं दरों में बदलाव और कुछ क्षेत्रों में शुल्क उलटफेर की समस्या खत्म करने का दायित्व सौंपा गया है। यह समूह 21 अगस्त को फिर बैठक करेगा। बीमा संबंधी मंत्री समूह स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा प्रीमियम पर कर दर घटाने पर विचार कर रहा है जबकि क्षतिपूर्ति उपकर पर बना समूह ऋण भुगतान अवधि के बाद उपकर के भविष्य पर निर्णय लेगा।

केंद्र व्यक्तिगत बीमा प्रीमियम पर छूट देने के पक्ष में

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीमा पर गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) के संयोजक सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट देने का प्रस्ताव रखा है। फिलहाल जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम भुगतान पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। बीमा पर गठित मंत्री समूह की यहां आयोजित बैठक में लगभग सभी राज्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्यों ने यह सुनिश्चित करने की मांग रखी है कि कर कटौती का लाभ बीमा कंपनियों को नहीं बल्कि सीधे पॉलिसीधारकों को मिले। उन्होंने कहा, राज्य चाहते थे कि कर की दर या तो घटाई जाए या फिर इसमें छूट दी जाए। साथ ही कई राज्यों ने कहा कि कोई ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए ताकि दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंच सके। जीएसटी परिषद इसकी एक व्यवस्था तय करेगी। विक्रमार्क ने कहा कि व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर जीएसटी छूट दिए जाने से सालाना करीब 9,700 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति होने का अनुमान है। चौधरी ने कहा कि मंत्री समूह अब अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंपेगा जिसमें राज्यों की राय और चिंताएं शामिल होंगी। चौधरी ने कहा, केंद्र का प्रस्ताव स्पष्ट है कि व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर जीएसटी से छूट दी जाए। सभी राज्यों ने दरों को कम करने पर अपनी रजामंदी दी है। हालांकि, कुछ राज्यों ने इस पर अपने विचार रखे हैं। इस बारे में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद लेगी। बीमा पर जीएसटी छूट देने का प्रस्ताव केंद्र के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का हिस्सा है।

ऑनलाइन मनी गेमिंग : पैसा के साथ-साथ जीवन भी दांव में

हर साल 45 करोड़ लोग गंवा देते हैं 20,000 करोड़ रुपये

ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग में हर साल 45 करोड़ लोग लगभग 20,000 करोड़ रुपये गंवा बैठते हैं। सरकार ने यह माना है कि ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग समाज के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है लिहाजा राजस्व हानि की आशंका के बावजूद लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने का फैसला किया गया है। 45 करोड़ लोग हर साल गेमिंग गतिविधियों में अपने पैसे गंवा देते हैं।

भारी टैक्स रूपी राजस्व के बजाय समाज कल्याण को सरकार ने दी प्राथमिकता

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन एवं विनियमन) विधेयक, 2025 पेश किया है जिसमें ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक गेमिंग को बढ़ावा देने के साथ ही किसी भी प्रकार के धन-आधारित गेमिंग पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा गया है। इस संबंध में सूत्र ने कहा, धन से जुड़ी ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां समाज के लिए गंभीर समस्या बन चुकी हैं। हर सांसद ने इसके दुष्प्रभावों पर चिंता जताई है।

गेमिंग उद्योग के एक-तिहाई हिस्से से मिलने वाले राजस्व और समाज कल्याण के बीच में से सरकार ने समाज कल्याण को चुना है। विधेयक में धन-आधारित गेमिंग में लिप्त पाई जाने वाली इकाइयों पर कार्रवाई मुख्य रूप से राज्य सरकारों के सुपुर्द की गई है। कई ऑनलाइन गेमिंग मंच खुद को कौशल का खेल बताकर सट्टेबाजी से अलग दिखाने की कोशिश करते हैं। जहां तक गेम खेलने वालों का सवाल है तो वो पीड़ित हैं, उन पर कोई दंड नहीं लगेगा। कार्रवाई केवल उन पर होगी जो मंच उपलब्ध कराते हैं या लेन-देन सेवाएं मुहैया कराते हैं। विधेयक के तहत ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए बजट, योजनाएं और एक प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। यह गेमिंग उद्योग के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत में गेमिंग सेक्टर

पिछले कुछ समय में गेमिंग से जुड़े करीब 400 स्टार्टअप भारत में शुरु हुए हैं। इसमें 25 हजार करोड़ रुपए का फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट आया है। साल 2023 में सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाया था। इसके अलावा साल 2025 से में जीतने वाली रकम पर 30 फीसदी टैक्स लगाया जा रहा है।

इस तरह से लगाया जाएगा प्रतिबंध

- गेम्स को बैंकिंग सिस्टम के जरिए लेन-देन से रोका जाएगा।
- विज्ञापन या प्रचार-प्रसार पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी।
- अवैध गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।
- गेमिंग बिल में निगरानी के लिए एक स्वतंत्र नियामक होगा।
- अवैध प्लेटफॉर्म चलाने वाले को 3 साल जेल या 1 करोड़ जुर्माना
- मनी गेम के विज्ञापन पर दो साल की जेल या 50 लाख का जुर्माना
- अधिकारी संपत्ति जब्त करने व बिना वारंट अरेस्ट कर सकेंगे।

ऑनलाइन गेम गंभीर सामाजिक, जन स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी : गोयल

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि पैसे से जुड़ा ऑनलाइन गेम एक गंभीर सामाजिक और जन स्वास्थ्य समस्या बन गया है और इसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में पैसे से खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित करने के बाद कहा कि प्रस्तावित कानून ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देगा और भारत को ऐसे गेम के विकास का केंद्र बनाएगा।

वैष्णव ने बताया, हमारा प्रयास ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग, ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देना है और हम चाहते हैं कि भारत एक गेमिंग विकास का केंद्र बने। इसके लिए पहले से ही कई प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जहां तक डिजिटल तकनीक का सवाल है, ऑनलाइन गेमिंग तीन मुख्य क्षेत्रों के साथ एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, दो क्षेत्र, ई-स्पोर्ट्स व ऑनलाइन सोशल गेमिंग, समाज के लिए अच्छे हैं। हम तीन में से दो क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन दोनों को कानूनी मान्यता मिलेगी और इनका प्रचार किया जाएगा।

- कहा- समाज पर नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा

निर्यात पर अंकुश में ढील सकारात्मक संकेत लेकिन भारत को इस पर निर्भरता घटानी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को दुर्लभ खनिजों और उर्वरकों के निर्यात पर पाबंदियों में ढील देने का चीन का फैसला एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि भारत को पड़ोसी देश पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए काम करना चाहिए जिसके साथ उसका 100 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा चिंताजनक है।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह बात कही। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच भारत के आयात परिदृश्य पर चीन

- जीटीआरआई ने कहा- 100 अरब डॉलर का व्यापार घाटा चिंताजनक

का प्रभुत्व और अधिक बढ़ गया है। भारत के दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक आयात में इसकी हिस्सेदारी 57.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि मशीनरी एवं हार्डवेयर में यह 44 प्रतिशत है। रसायन एवं दवा के आयात में 28.3 प्रतिशत के साथ यह दूसरे स्थान पर रहा। जीटीआरआई के अनुसार, भारत के लिए एकमात्र वास्तविक सुरक्षा उपाय, निर्भरता कम करके, गहन विनिर्माण में निवेश करके और एक सच्चा उत्पाद राष्ट्र बनकर घरेलू स्तर पर मजबूती बनाना है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, एक मजबूत एवं अधिक आत्मनिर्भर भारत, चीन के साथ समान स्तर पर बातचीत करने में बेहतर स्थिति में होगा तथा अचानक बदलावों का शिकार होने के बजाय संबंधों को स्थिर एवं व्यावहारिक बनाए रखेगा।

तकनीक से रूबरू

मंगलगिरि के मयूरी टेक पार्क में रतन टाटा इनोवेशन हब के उद्घाटन के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू। एजेंसी

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2690, राज श्री 1840, फॉर्चून कि. 2230, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13kg 1960, जय जवान 1945, सचिन 2020, सूरज 1945, अवसर 1880, उजाला 1910, गृहणी 13 kg 1850, क्लासिक (kg) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2435, ब्लू 2080, आशीर्वाद मस्टर्ड 2540, स्वास्तिक 2630

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रतिकु) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छौंटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5600, मसूरी- 4700 बासमती- 9300, परमल- 3800

दाल दलहन : काला चना- 7900, साबुत चना दाल- 7300, मूंग साबुत- 9500 राजमा- 12100-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7400, मसूर दाल- 7300, उड़द साबुत- 8200 काबुली चना- 10500, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9100

शुल्क अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत: मल्होत्रा

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि शुल्क को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी जारी हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने इस महीने के शुरू में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान करते हुए यह बात कही थी।

आरबीआई ने बुधवार को चार-छह अगस्त के दौरान हुई एमपीसी की बैठक का ब्योरा जारी किया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर के साथ एमपीसी के अन्य सभी पांच सदस्यों ने रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था। मल्होत्रा ने कहा, कुल मिलाकर हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश करती है। भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियां और दूरदर्शी रणनीति देश को एक मजबूत स्थिति में रखती हैं। उन्होंने

- आरबीआई गवर्नर बोले- निकट भविष्य में मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम रहने की संभावना

कहा कि हालांकि वृद्धि दर स्थिर बनी हुई है, लेकिन खाद्य कीमतों में नरमी के कारण मुद्रास्फीति के परिणाम अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा, हालांकि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम रहने की संभावना है और मासिक आंकड़े दो प्रतिशत के निचले संतोषजनक स्तर को भी पार कर सकते हैं, लेकिन तीसरी तिमाही से सकल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति में थोड़ी वृद्धि होने का अनुमान है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तिमाही प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ एक बैठक में पहली तिमाही के उनकी वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की। तीन घंटे तक चली बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने की। इस बैठक में सचिव ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्र को दिए जाने वाले कर्ज में बढ़ोतरी के लिए कहा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ समीक्षा बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के प्रदर्शन का आकलन किया गया। बैंकों ने अप्रैल-जून तिमाही में 11 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ कुल 44,218 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ अर्जित किया जो साल भर पहले की समान तिमाही में 39,974 करोड़ रुपये था।

संगठित क्षेत्र में नौकरियां बढ़ीं, ईपीएफओ ने 21.89 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जून महीने में शुद्ध रूप से 21.89 लाख सदस्य जोड़े जो अप्रैल 2018 में पेरोल यानी नियमित वेतन पर रखे गए लोगों की संख्या जारी होने की शुरुआत के बाद सबसे अधिक है। श्रम मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, ईपीएफओ ने जून 2025 में शुद्ध रूप से 21.89 लाख सदस्य जोड़े जो सालाना आधार पर 13.46 प्रतिशत और मासिक आधार पर 9.14 प्रतिशत अधिक है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, शुद्ध रूप से इतने अधिक सदस्यों के जुड़ने के पीछे रोजगार अवसर बढ़ने और ईपीएफओ की जागरूकता की अहम भूमिका रही है। जून में 10.62 लाख नए अंशधारक ईपीएफओ के साथ जुड़े, जो मई की तुलना में 12.68 प्रतिशत और सालाना आधार पर 3.61 प्रतिशत अधिक है। इनमें 18-25 आयु वर्ग के 6.39 लाख युवा शामिल हैं, जो कुल नए ग्राहकों का 60.22 प्रतिशत हैं।

कपड़ा, हीरा क्षेत्र के एमएसएमई शुल्क से अधिक होंगे प्रभावित

- क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में किया गया दावा

कोलकाता, एजेंसी

अमेरिका के उच्च शुल्क लगाए जाने से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पर काफी असर पड़ेगा, जो भारत के निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान करता है। कपड़ा, हीरा और रसायन क्षेत्र के एमएसएमई पर इसका सबसे गंभीर असर होने की आशंका है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर 25% का शुल्क लगाता है और 25% का अतिरिक्त शुल्क 27 से प्रभावी होगा। इससे कुल शुल्क 50% होगा जिसका भारत के कई क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका को भारत के निर्यात में कपड़ा, रत्न व आभूषण की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है और इसके सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। इन क्षेत्रों में एमएसएमई की हिस्सेदारी 70% से अधिक है और इन पर इसका अधिक असर पड़ेगा। एक अन्य क्षेत्र जिसे दबाव का सामना करना पड़ सकता है, वह है रसायन जहां हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है।

रसायन क्षेत्र में जापान व द. कोरिया से प्रतिस्पर्धा

रिपोर्ट में कहा गया कि गुजरात के सूरत स्थित रत्न एवं आभूषण क्षेत्र, शुल्क का झटका महसूस करेगा। देश के रत्न एवं आभूषण निर्यात में हीरे की हिस्सेदारी 50% से अधिक है और अमेरिका इसका एक प्रमुख उपभोक्ता है। रसायन क्षेत्र में भी भारत को जापान और दक्षिण कोरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इन देशों में शुल्क कम है। इस्पात क्षेत्र में अमेरिकी शुल्क का एमएसएमई पर नगण्य प्रभाव पड़ने का अनुमान है क्योंकि ये इकाइयां मुख्यतः री-रोलिंग और लंबे उत्पादों में लगी हुई हैं।

भारत, यूरेशियन आर्थिक संघ ने व्यापार वार्ता शुरू करने को किया समझौता

नई दिल्ली। भारत और पांच देशों के यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है।

यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) के पांच सदस्य आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और रूस हैं। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्कों के कारण अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि नियम एवं शर्तें बातचीत के लिए रूपरेखा प्रदान करती हैं और इससे व्यापार क्षमता के उपयोग, निवेश बढ़ाने और एक मजबूत, टिकाऊ भारत-ईएईयू आर्थिक साझेदारी बनने की उम्मीद है। दोनों पक्षों ने समझौते को शीघ्र तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने और व्यापार सहयोग के लिए एक दीर्घकालिक संस्थागत ढांचा बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी और एआई भारत की ताकत होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि राजमार्ग निर्माण, खनन और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में एआई का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान गडकरी ने कहा कि नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी और एआई भारत की ताकत होंगे।

उन्होंने कहा, भारत में परामर्श कंपनियां द्वारा तैयार की जाने वाली डीपीआर की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। एआई का उपयोग हर क्षेत्र में किया जा सकता है। डीपीआर में सर्वेक्षण, जांच और डिज़ाइन शामिल होते हैं, जो परियोजना के कार्यान्वयन के लिए

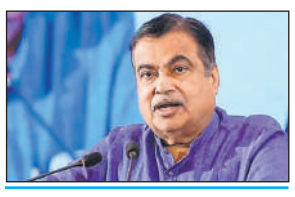

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में एआई का उपयोग करना चाहिए

आवश्यक होते हैं। हाल ही में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा था कि सरकार उन परामर्श कंपनियों को दंडित करेगी जो राजमार्गों और सुरंगों के लिए डीपीआर तैयार करते समय सही प्रक्रिया का पालन नहीं करतीं। उन्होंने यह भी कहा कि एआई का उपयोग गुणात्मक सुधार लाने वाला है, लेकिन इसका दुरुपयोग भी हो सकता है।

खाद संकट

सीमावर्ती जिलों में चौकसी बढ़ी, खाद तस्करों और माफिया पर नजर

खाद की कालाबाजारी पर सख्ती, योगी बोले- भंडारण न हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जिले में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है।

वहीं, राज्य में खाद को लेकर

- मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग करने वालों को भी दी चेतावनी

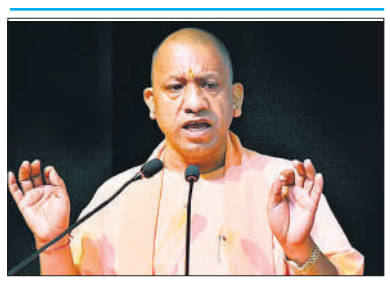

मची ऊहापोह के बीच कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी सार्वजनिक की है। विभाग के अनुसार खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है। ऐसे में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है।

दूसरी ओर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि किसानों को किसी भी हाल में निराश नहीं होने दिया जाएगा।

राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। सीमावर्ती जिलों में खाद की तस्करी रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने दोहराया कि असली किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी, लेकिन जमाखोरी, कालाबाजारी और तस्करी करने वाले माफियाओं को हर हाल में सख्त कार्रवाई झेलनी पड़ेगी।

तीन जनपदों के जिला कृषि अधिकारी निलंबित

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में खाद और यूरिया की कोई कमी नहीं है। दिक्कत केवल जमाखोरी, कालाबाजारी और तस्करी करने वाले तत्व पैदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 1196 फुटकर विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। 132 थोक विक्रेताओं को नोटिस, 13 को निलंबन और 4 का लाइसेंस रद्द किया गया है। 93 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। सीतापुर, बलरामपुर और श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया है। वहीं, महाराजगंज और सिद्धार्थनगर जैसे सीमावर्ती जिलों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पकड़े गए हैं जिन्होंने बिना जोत के ही दर्जनों बोरी यूरिया उठा ली। मंत्री ने चेतावनी दी कि ऐसे खाद माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

नासा ने यूरेनस की कक्षा में नया लघु चंद्रमा खोजा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि उसके वेब स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के सातवें ग्रह यूरेनस की कक्षा में एक नया, अत्यंत छोटा चंद्रमा खोजा है। नासा द्वारा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, यह चंद्रमा लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा प्रतीत होता है और इसे इसी वर्ष फरवरी में वेब टेलीस्कोप के 'नियर इन्फ्रारेड कैमरे' के माध्यम से देखा गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह चंद्रमा अपनी अत्यंत क्षीण चमक और छोटे आकार के कारण अब तक छिपा रहा, यहां तक कि लगभग 40 वर्ष पहले यूरेनस के समीप से गुज़रे वॉयेजर-2 अंतरिक्ष यान की निगाहों से भी यह बचा रहा। यूरेनस के अब तक 28 ज्ञात चंद्रमा हैं, जिनके नाम विलियम शेक्सपियर और अलेक्जेंडर पोप की रचनाओं के पात्रों पर रखे गए हैं।

यूक्रेन में सैनिक तैनात नहीं करेंगे ब्रिटेन, फ्रांस

मास्को। ब्रिटेन और फ्रांस यूक्रेन में अपने हजारों सैनिक तैनात करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन तथाकथित "इच्छुक गठबंधन" यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी के लिये वैकल्पिक तरीकों पर विचार कर रहा है। द टाइम्स अखबार की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह खबर दी गयी। जिसके अनुसार इच्छुक गठबंधन यूक्रेन को हवाई और समुद्री हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही वह यूक्रेनी सशस्त्र बलों को फिर से मजबूत करने में मदद के लिये जमीनीस्तर पर सैन्य प्रशिक्षकों को तैनात कर रहा है।

व्हाइट हाउस ने टिकटॉक अकाउंट शुरू किया

वाशिंगटन। अमेरिका में 'व्हाइट हाउस' ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर अपना टिकटॉक अकाउंट लॉन्च किया। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस सोशल मीडिया ऐप को लगभग सितंबर तक नये मालिक की तलाश करने या फिर देश में प्रतिबंध का सामना करने की समय सीमा संबंधी धमकी के बीच हुआ है। इस अकाउंट पर मंगलवार दोपहर को पहला वीडियो पोस्ट किया गया। यह 27 सेकंड की एक क्लिप है जिसमें श्री ट्रम्प को अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है।

मैक्सिको अमेरिकी सैन्य अभ्यास पर नाराज

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने मंगलवार को वेनेजुएला के पास कैरेबियन सागर में अमेरिकी सैन्य अभ्यास की आलोचना की। शीनबाम ने कहा कि सभी विवादों का समाधान बातचीत के ज़रिए होना चाहिए, उन्होंने अपनी सरकार के हस्तक्षेप न करने और लोगों के आत्मनिर्णय के आह्वान को दोहराया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि उन्होंने अपने देश के खिलाफ युद्ध की अमेरिकी धमकी विफल करने के लिए देश में 45 लाख स्वयं सेवकों को संगठित करने का फैसला किया है।

आस्ट्रेलिया: सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे बच्चे

सिडनी, एजेंसी

- अगले चार महीने में लागू होगा कानून, 16 तक के बच्चों पर लगाया जाएगा प्रतिबंध

अगले चार महीनों में ऑस्ट्रेलिया में लागू होने जा रहे एक कानून के तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के फेसबुक, स्नैपचैट, टिकटॉक, इंस्टाग्राम, एक्स, रेडिट और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंच का उपयोग करने पर प्रतिबंध लग जाएगा।

संघीय सरकार ने कहा है कि सोशल मीडिया कंपनियों को 10 दिसंबर तक इन नाबालिग उपयोगकर्ताओं के सोशल मीडिया खातों को हटाने और आयु सत्यापन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इन्हें नए खाते बनाने से रोकने के लिए उचित कदमउठाने होंगे। इस कानून के तहत माता-पिता की अनुमति से भी बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों तक पहुंच नहीं दी जा सकेगी। इस फैसले पर देशभर में तीखी बहस हो रही है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवा स्वयं को व्यक्त करते हैं, अपनी पहचान बनाते हैं और सामाजिक जुड़ाव महसूस करते हैं। एक ऐसे समाज में, जहां हर पांच में से दो बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं, यह जुड़ाव काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, सोशल मीडिया की लत से वंचित रह जाने का अंदेशा बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों पर अत्यधिक समय बिताने के लिए प्रेरित करता है।

चीन से नई साझेदारी

किस मुकाम पर ले जा सकती है..

अमेरिका के भारत पर 50 प्रतिशत का बड़ा और दंडात्मक टैरिफ लगाने के घटनाक्रम से उपजी परिस्थितियों का नतीजा है कि चीन से आपसी संबंधों में लंबे समय तक खटास के बाद भारत अब एक बार फिर उसके साथ नई साझेदारी की ओर बढ़ा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की यात्रा के दौरान सीमा पर शांति, सीमा व्यापार फिर खोलने और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान शुरू करने जैसे कई प्रमुख समझौते हुए हैं, जिनके आगे चलकर दूरगामी परिणाम सामने आने की उम्मीद है। हालांकि यह बड़ा सवाल अपनी जगह कायम है कि अमेरिका से संबंधों में तनाव का सामना कर रहे भारत को पुराने तमाम कटु अनुभवों को देखते हुए चीन के साथ नई साझेदारी से कितनी राहत मिलेगी।

दोनों देशों के बीच प्रमुख समझौते

- दोनों देशों ने व्यापार घाटे को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नया समझौता किया है।
- सीमा विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने और शांति बनाए रखने के लिए दोनों देशों ने सहमति जताई है।
- सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंध मजबूत करने का फैसला, सीधी उड़ान शुरू करना इसी के तहत।

चीन के साथ नई साझेदारी से क्या हैं उम्मीदें

- भारत और चीन के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है, जो एक-दूसरे के हितों को मान्यता देने और सहयोग को बढ़ावा देने पर आधारित है।
- दोनों देशों की यह साझेदारी व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कई और क्षेत्रों में सहयोग पर केंद्रित है।
- दोनों देशों के संबंधों में बीच पिछले कई वर्षों से विश्वास की कमी रही है, इसलिए इस नई साझेदारी का उद्देश्य विश्वास की बहाली और आपसी समझ को बढ़ाना भी है।

दूरगामी परिणाम

- भारत को अपने निर्यात को बढ़ाने और व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।
- एक मजबूत साझेदारी से भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिल सकती है।
- चीन की साझेदारी से अमेरिका पर दबाव बनाने में मदद मिल सकती है, खासकर अमेरिकी टैरिफ मामले में।

रहना होगा सतर्क

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत को चीन के साथ सीमा विवादों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत होगी, साथ ही उस पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करनी होगी। चीन के साथ संभावित सैन्य संघर्ष के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना भी जारी रखना होगा।

अमेरिका पर दबाव

- भारत-चीन साझेदारी का असर अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी पर तुरंत नहीं पड़ेगा क्योंकि टैरिफ नीतियां जियोइकॉनॉमिक-रणनीति पर आधारित होती हैं।
- चीन के साथ बेहतर पहुंच भारत को अमेरिकी बाजार के नुकसान का आंशिक प्रतिस्थापन और तीसरे बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का मौका दे सकती है।
- चीन के सहयोग से विनिर्माण बढ़ने पर भारत कुछ अमेरिकी टैरिफ-प्रभावित क्षेत्रों में वैश्विक सप्लायर के रूप में उभर सकता है, मगर ये आसान नहीं होगा।
- भारत-चीन समीकरण से वैश्विक ब्लॉकों में कोई बड़ा बदलाव आता है, तो अमेरिका पर दबाव बन सकता है कि वह अपनी व्यापार नीति पर पुनर्विचार करे।

एक्सपर्ट कमेंट...

सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने कहा है, भारत और चीन के के रिश्तों पर जमी बर्फ के पिघलने की संभावना तो बढ़ी है लेकिन लग रहा है कि सीमा की समस्या पर उनका नजरिया अलग है, साथ ही हाल के दिनों में जिन मुद्दों पर उनकी सहमति बनी है वो भी अलग-अलग हैं। दोनों ओर के बयानों से ऐसा लगता है दोनों देशों की सेनाएं डिसइंगेजमेंट की पहल करेंगी, तनाव कम करेंगी और आखिर में अपने-अपने क्षेत्र में लौट जाएंगी, लेकिन ये लंबी और मुश्किल प्रक्रिया होगी।

रूस ने दिलाया भरोसा, भारत पर ट्रंप के लगाए प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम

रूस के दूत रोमन बाबुश्किन ने कहा- ट्रंप का भारत पर दबाव डालना अनुचित

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक विशेष तंत्र है। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का पसंदीदा साझेदार रहा है। उन्होंने रूसी तेल की खरीद बंद करने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से निरंतर दबाव बनाए जाने को अनुचित बताया और कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण और प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक है।

बाबुश्किन ने कहा, भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। हमें भारत के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा है। हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंधों में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत-रूस ऊर्जा सहयोग बढ़ता रहेगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल की ख़रीद जारी रखता है तो ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। अमेरिका ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, लेकिन उसने रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन के ख़िलाफ़ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है। भारत रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

जयशंकर ने मॉस्को में प्रमुख विद्वानों और थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

भारतीय निर्यात का स्वागत, ब्रिक्स की शक्ति बढ़ेगी

बाबुश्किन ने कहा, प्रतिबंध का असर उन्हें लगाने वालों पर ही पड़ रहा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने कहा, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की मांग बढ़ रही है। निस्संदेह, यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सामंजस्य और पूरकता का एक आदर्श उदाहरण है। बाबुश्किन ने कहा कि दोनों पक्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रूसी बाजार भारतीय निर्यात का स्वागत करेगा। मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के बीच एक स्थिर शक्ति के रूप में ब्रिक्स की भूमिका बढ़ेगी।

यूक्रेन युद्ध रुकवाने को भारत पर लगाईं पाबंदी : व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत पर पाबंदियां लगाई हैं। ट्रंप ने अमेरिका आने वाली भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगा रखा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी होगा। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए लेविट ने कहा कि ट्रंप ने करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए जबर्दस्त सार्वजनिक दबाव डाला है। उन्होंने कहा, जैसा कि आपने देखा है उन्होंने भारत पर पाबंदियों सहित कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं। लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति जल्द से जल्द इस युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। रूस ने फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इससे पहले 'सीएनबीसी' के साथ साक्षात्कार में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूस से तेल खरीद उसे अन्य स्थान पर फिर से बेचकर मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया था। भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क को अनुचित बताया है।

पाकिस्तान के बजाय अफगानिस्तान पहुंचे चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपनी प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए अफगानिस्तान पहुंच गए हैं। वह काबुल में छठी चीन-अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की वार्ता में भाग लेने वहां गए हैं।

इस वार्ता में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। वांग यी की बीते तीन सालों में यह पहली अफगानिस्तान यात्रा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंच चुके हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल में त्रिपक्षीय वार्ता के लिए वांग यी और डार के आगमन की घोषणा करते हुए कहा, इस बैठक में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

कहा गया है कि चर्चाएँ विशेष रूप से राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ आपसी हितों, समझ और संवर्धित सहयोग के आधार पर संबंधों के भविष्य पर केंद्रित होंगी।

नेपाल ने लिपुलेख पर ठोंका दावा, अपना हिस्सा बताया

काठमांडू, एजेंसी

- भारत-चीन के लिपुलेख के जरिए व्यापार की सहमति पर प्रतिक्रिया

भारत और चीन द्वारा लिपुलेख के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमति जताने के एक दिन बाद नेपाल ने बुधवार को कहा कि यह क्षेत्र उसका अविभाज्य हिस्सा है और इसे उसके आधिकारिक मानचित्र में भी शामिल किया गया है।

नेपाली विदेश मंत्रालय ने कहा, नेपाल सरकार का स्पष्ट मत है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल के अविभाज्य अंग हैं। इन्हें आधिकारिक तौर पर नेपाली मानचित्र में भी दर्ज किया गया है और संविधान में भी शामिल किया गया है। नेपाल सरकार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे दावे न तो उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों तथा साक्ष्यों पर आधारित हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, लिपुलेख दर्रे के ज़रिए भारत और चीन के बीच सीमा व्यापार 1954 में शुरू हुआ था और दशकों तक जारी रहा है। हाल के वर्षों में कोरोना और अन्य घटनाओं के कारण यह व्यापार बाधित हुआ था। अब दोनों पक्ष इसे फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं।

बांग्लादेश ने कहा- भारत की धरती से न हो हमारे खिलाफ कोई गतिविधि

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उसकी धरती से किसी भी बांग्लादेशी नागरिक द्वारा बांग्लादेश विरोधी गतिविधि नहीं की जाए। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार ने इन खबरों पर गौर किया है कि अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं। ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति या समर्थन न दी जाए। उसने प्रतिबंधित बांग्लादेश अवामी लीग के भारतीय धरती पर राजनीतिक कार्यालयों को तत्काल बंद किए जाने की भी मांग की। भारत ने कहा कि उसे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी द्वारा देश में कोई भी बांग्लादेश विरोधी गतिविधि किए जाने की जानकारी नहीं है।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर भारत की संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक खुली बहस के दौरान पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हुए 'यौन हिंसा के जघन्य अपराधों' की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यह सिलसिला आज भी बिना किसी दंड के जारी है।

बहस के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधि की ओर से लगाए गए 'बेबुनियाद आरोप' पर मंगलवार को संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की 1971 की घटनाएं शर्मनाक रिकॉर्ड का मामला है। पुन्नूस ने संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा से बचे लोगों के लिए जीवन रक्षक सेवाओं और सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अभिनव रणनीति विषय पर खुली बहस में अपनी राय रखी।

- भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कश्मीर में यौन हिंसा के आरोपों पर दिया कड़ा जवाब

उन्होंने कहा, पाकिस्तानी सेना ने 1971 में जिस तरह बेखौफ होकर पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के जघन्य अपराध किए, वह शर्मनाक है। भारतीय राजनयिक स्पष्टतः 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (मौजूदा बांग्लादेश) में बड़े पैमाने पर हुए नरसंहार और बलात्कार की घटनाओं का उल्लेख कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह निंदनीय प्रवृत्ति आज भी बेरोकटोक और बिना किसी दंड के जारी है। पुन्नूस ने कहा, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में हजारों कमजोर महिलाओं और लड़कियों के अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, घरेलू दासता, यौन हिंसा और जबरन धर्मांतरण की खबरें एवं विवरण हाल ही में जारी ओएचसीएचआर रिपोर्ट में भी दिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह विडंबनापूर्ण है कि जो लोग इन अपराधों को अंजाम देते हैं, वे अब न्याय के चैंपियन के रूप में मुखौटा पहन रहे हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा, दोहरापन और पाखंड स्वयंसिद्ध है। पुन्नूस संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के भारत पर लगाए गए इस आरोप का जवाब दे रहे थे कि कश्मीर में समुदायों को दंडित करने और अपमानित करने के लिए लंबे समय से यौन हिंसा का सहारा लिया जा रहा है।

वैश्विक चुनौतियों से मिलकर लड़ेंगे भारत और चीन

चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा- दोनों देशों में सीमा प्रबंधन पर साझा समझ बनी

बीजिंग, एजेंसी

विदेश मंत्री वांग यी की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और चीन के बीच सीमा प्रबंधन और नियंत्रण पर एक साझा समझ बनी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह घोषणा की।

वांग ने 18 और 19 अगस्त को भारत की यात्रा की, जिस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता की। वांग की यात्रा के परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में वार्ता तंत्र को बहाल करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गहरा करने, बहुपक्षवाद को कायम रखने, वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने और धमकाने वाली एकतरफा कार्रवाइयों का विरोध करने पर भी सहमत हुए।

उन्होंने कहा, सीमा के मुद्दे पर, दोनों पक्षों के बीच नई साझा समझ बनी है, जिसमें सामान्य प्रबंधन एवं नियंत्रण, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने और उन क्षेत्रों में सीमा वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की गई है जहां शर्तें पूरी होती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क घोषणाओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए निंग ने कहा कि अपनी बैठकों में, वांग ने यह भी कहा, मौजूदा परिस्थितियां चीन-भारत संबंधों के रणनीतिक महत्व और द्विपक्षीय सहयोग के रणनीतिक मूल्य को रेखांकित करती हैं।

शरीफ की चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी का दूसरा चरण

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की इस महीने के अंत में निर्धारित चीन यात्रा के दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने मंगलवार को सीपीईसी के दूसरे चरण की संयुक्त सहयोग समिति के आगामी सत्र और प्रधानमंत्री की निर्धारित बीजिंग यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान इसकी आधिकारिक घोषणा की। 'डॉन' अखबार ने मंत्री इकबाल के हवाले से कहा, प्रधानमंत्री की आगामी चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी।

बांग्लादेश : फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने की घोषणा

ढाका। बांग्लादेश के कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि देश की अंतरिम सरकार अगले साल फरवरी में आम चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर "अडिग" है।

सरकारी संस्था बांग्लादेश संगबाद संस्था ने नजरुल के हवाले से कहा, सरकार चुनाव की सभी तैयारियां करते हुए आगे बढ़ रही है। मंगलवार को कैबिनेट विभाग में एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, चुनाव फरवरी में होंगे और इस पर सरकार का रुख अटल है। कानूनी सलाहकार की यह टिप्पणी चुनावों को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच आई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 13.44 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

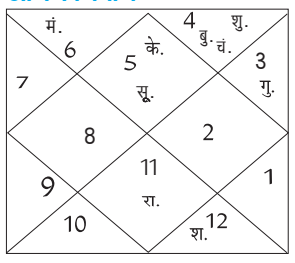

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। चन्द्रबल वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।

मेष — विवादों से दूर रहें। कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर शांत रहने की सलाह है। वाणी पर संयम रखना होगा। किसी भी विवाद में पड़ने से परेशानी खड़ी हो सकती है। आपको किसी से अहम सहयोग मिल सकता है। कार्य स्थल पर विरोधी पस्त रहेंगे।

वृष — आज धन और पद में वृद्धि के योग हैं। आज आर्थिक मामलों में लाभ होने की उम्मीद है। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिलने की आशा है। छात्र अगर किसी परीक्षा के लिए मेहनत कर रहे हैं तो उन्हें शुभ समाचार मिल सकता है। वैवाहिक जीवन में भी खुशियां रहेंगी।

मिथुन — आज हर मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कार्य क्षेत्र में लाभ के योग बन रहे हैं। आपके पराक्रम में भी वृद्धि होने की आशा है। धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। रुके काम भी पूरे हो सकते हैं। सत्ता का सहयोग मिल सकता है।

कर्क — आज आपको कोई बात परेशान कर सकती है। कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। व्यवसाय के मामले में योजना आगे बढ़ने के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आने की संभावना है।

सिंह — आपको आज आर्थिक मामलों में सावधान रहना चाहिए। पैसों के लेन-देन के समय सतर्क रहें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें वरना नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी तनाव की वजह बन सकता है। धैर्य के साथ काम करें।

कन्या — कार्य क्षेत्र में कोई निर्णय लेने से उलझन हो सकती है। आर्थिक मामलों में दिन अच्छा होने के संकेत हैं। आज आपको सफलता मिल सकती है। मधुर वाणी और व्यवहार के कारण प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। ससुराल पक्ष से लाभ मिल सकता है।

तुला — नौकरी की तलाश में लगे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। पराक्रम में वृद्धि के योग हैं। आर्थिक मामलों में किए गए प्रयासों से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र या पास-पड़ोस में विवाद या झगड़े में पड़ने से बचना होगा।

वृश्चिक — लंबे समय से चले आ रहे कर्ज से छुटकारा मिलने की संभावना है। व्यापार के मामले में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य भी बेहतर होता जाएगा। खानपान पर ध्यान जरूर दें। आर्थिक मामलों में आपको कुछ अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं। सफलता मिलने के योग हैं।

धनु — आज आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। आर्थिक मामलों में सफलता प्राप्त हो सकती है। वाणी और व्यवहार के चलते आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। धन के मामले में ससुराल पक्ष से सहयोग और लाभ मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मकर — धैर्य के साथ काम करने से आपके जरूरी काम समय पर पूरे होंगे। नौकरी करने वालों को भी सफलता मिलने के संकेत हैं। कोई उपहार या विशेष सम्मान भी प्राप्त हो सकता। दूसरों से सहयोग मिलने से भी मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ — राजनीति के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर खर्चे करना बेहतर रहेगा। आपकी मुलाकात किसी घनिष्ठ मित्र से भी हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के मामले में दिन अच्छा रहने के आसार हैं। लाभ कमाने के मौके मिल सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी समस्या या विवाद से भी छुटकारा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी कार्य के पूरे होने से आपकी सराहना की जाएगी।

सुडोकू-75

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7	1				4		3
			2			7		
5	6			1		9		
9		6		3				8
		4				6		
1				7				5
		7		4			2	
		2			5			
8					1	3	9	

सुडोकू - 74 का हल

7	8	3	4	2	9	6	1	5
5	1	2	7	6	8	4	3	9
9	4	6	3	5	1	8	2	7
6	9	5	1	4	2	3	7	8
4	3	1	8	7	6	5	9	2
8	2	7	5	9	3	1	6	4
3	5	4	9	1	7	2	8	6
2	7	8	6	3	5	9	4	1
1	6	9	2	8	4	7	5	3

यह अधिनियम अब भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ठोस ढांचा प्रदान करता है। इस अधिनियम में कई सकारात्मक तत्व हैं जिनमें खेल पंचाट भी शामिल है।
–अभिनव बिंद्रा, पूर्व ओलंपिक चैंपियन

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 21 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जम्पा को आईसीसी ने लगाई फटकार

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग से संबंधित है। जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

अमेरिकी लीग व सऊदी क्रिकेट के बीच करार

ह्यूस्टन। सऊदी अरब क्रिकेट महासंघ (एसएसीएफ) और डलास स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मजबूत करने और खिलाड़ियों के लिए सुगम राह तैयार करने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों से क्रिकेट 128 वर्ष बाद इस खेल महाकुंभ में वापसी करेगा। यह साझेदारी स्कूल और सामुदायिक कार्यक्रमों, कोचिंग और अंपायरिंग प्रमाणन, तकनीकी विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और उत्तरी अमेरिका में एनसीएल कार्यक्रमों के माध्यम से सऊदी अरब के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर केंद्रित होगा। इनमें कॉलेजिएट क्रिकेट लीग और पाथ टू क्रिकेट प्रो टैलेंट हंट शामिल हैं, जिनका उद्देश्य अगली पीढ़ी के पेशेवर खिलाड़ियों को तैयार करना है।

सिनर यूएस ओपन मिश्रित युगल से हटे

न्यूयॉर्क। इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर बीमारी का हवाला देते हुए सिनसिनाटी ओपन के फाइनल मैच से रिटायर होने के बाद यूएस ओपन मिश्रित युगल से अपना नाम वापस ले लिया है। यूएस ओपन 2025 ने मंगलवार को पुष्टि की कि जैनिक सिनर ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ अपने निर्धारित मिश्रित युगल के पहले दौर से नाम वापस ले लिया है। सिनर और सिनियाकोवा की जोड़ी को लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में बेलिंडा बेनसिक और अलेक्जेंडर ज्वेरेव की मिश्रित युगल जोड़ी से मुकाबला करना था लेकिन सिनर के इस टूर्नामेंट से हटने के बाद अब उनकी जगह वैकल्पिक टीम में डेनियल कॉलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को जगह दी गई है।

महिला चैंपियनशिप में भारत ने नेपाल को हराया

थिम्पू। भारत ने नीरा चानू लोंगजैम, अभिष्टा बेसनेट और अनुष्का कुमारी के दो-दो गोल की मदद से सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में नेपाल को 7-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से नीरा (25वें और 56वें मिनट), अभिष्टा (16वें और 41वें मिनट) और अनुष्का (37वें और 62वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि कप्तान जूलन नोंगमेथेम ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में एक गोल किया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 5-0 से आगे थी।

कोचिंग में हाथ आजमाना चाहते हैं पूर्व गेंदबाज ब्रॉड

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड कोच की भूमिका निभाने की योजना बना रहे हैं जहां वह एक दिन जोफ्रा आर्चर और जिमी एंडरसन जैसे गेंदबाज तैयार कर सकें।

टेस्ट क्रिकेट में एंडरसन के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ब्रॉड ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की से बात की और अंडर-17-19 खिलाड़ियों को तैयार करने की इच्छा व्यक्त की है। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने वाले ब्रॉड ने कहा, निश्चित रूप से मैं कोचिंग से जुड़ना चाहता हूं। मैंने रॉब से बात की कि जब कार्यक्रम अनुकूल हो तो मैं इंग्लैंड की टीम में युवा गेंदबाजों के साथ काम करना चाहता हूं। उन्होंने कोचिंग में कदम रखने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि वह अगले साल की शुरुआत में कोचिंग से जुड़ सकते हैं। ब्रॉड के लिए कोचिंग नई चीज नहीं है। वह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के गेंदबाजी सलाहकार थे।

प्रस्तावित प्रतिबंध से हो सकता है क्रिकेट उद्योग को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक

लोकसभा में पेश ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का अंत कर सकता है, जिनकी भारतीय खेलों, विशेषकर क्रिकेट के प्रायोजन बाजार में हिस्सेदारी है। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक को विनियमित करना है जो ई-स्पोर्ट्स जगत के लिए सुखद खबर है। लेकिन अरबों डॉलर के फैंटेसी गेमिंग उद्योग के राजस्व में भारी गिरावट देखी जा सकती है, जिसमें क्रिकेट के प्रायोजन में बड़ी रकम खर्च करने वाली कंपनियां हैं।

एक शृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में यह खेल प्रायोजन बाजार को भी प्रभावित कर सकता है जिसमें व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रायोजन और कबड्डी तथा फुटबॉल जैसे खेलों की फ्रैंचाइजी आधारित घरेलू लीग शामिल हैं। विधेयक में एक नियामक संस्था बनाने की बात है जो ई-स्पोर्ट्स, एजुकेशनल गेमिंग, सोशल और कैजुअल गेमिंग और पैसे के वास्तविक लेनदेन की गेमिंग चार विविध क्षेत्रों को देखेगी। दस्तावेज के अनुसार इनमें से 'ऑनलाइन मनी गेम्स' पर प्रतिबंध लगेगा। 'प्रतिबंध' अनुच्छेद के अनुसारः कोई व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम और गेमिंग सेवा की पेशकश में सहायता, प्रोत्साहन, प्रेरित करने या अन्यथा इसमें शामिल नहीं होगा। कोई भी बैंक, वित्तीय संस्थान, या वित्तीय लेनदेन या धन के प्राधिकरण की सुविधा देने वाला कोई व्यक्ति किसी भी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा के भुगतान के लिए धन के किसी भी लेनदेन या प्राधिकरण में संलग्न नहीं होगा, सहायता नहीं करेगा, प्रेरित नहीं करेगा या अन्यथा सुविधा नहीं देगा। सरकार स्पष्ट करती है कि वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं और इसके लिए किसी प्रकार के नियमन की आवश्यकता है।

विधेयक से सिकुड़ सकता है व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार

क्रिकेट ऐसा खेल है, जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है और भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार 44 मिलियन डॉलर (358 करोड़ रुपये) में खरीदे। माई11 सर्कल ने आईपीएल फैंटेसी गेमिंग अधिकार पांच वर्षों के लिए 625 करोड़ रुपये (125 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) में खरीदे। शीर्ष क्रिकेटरों (पूर्व और वर्तमान) के कई वास्तविक धन वाले गेमिंग प्लेटफार्म के साथ विज्ञापन करार हैं। खेल वकील विदुषपत सिंघानिया ने कहा कि भारतीय क्रिकेट और उसकी संपत्तियों के लिए प्रायोजकों की कमी नहीं होगी। इस विधेयक से व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार सिकुड़ सकता है। फैंटेसी गेम्स सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल हैं। आप गेमिंग ऐप के लिए 100 रुपये का भुगतान करते हैं और फैंटेसी गेमिंग में अपने कौशल को देखते हैं। लेकिन वास्तविक धन वाली गेमिंग इस विधेयक के अनुसार प्रतिबंधित है जिसमें पैसे देकर कमाई की जाती है।

वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके कुलदीप

यादव के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र ऐसे भारतीय जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल

दुबई, एजेंसी

भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज शीर्ष पर हैं। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की शृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे।

784 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज शुभमन गिल

पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

टी-20 में अभिषेक और तिलक शीर्ष दो स्थानों पर

पुरुषों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा 44वें स्थान से 37वें स्थान पर पहुंच गए।

- कप्तान सूर्यकुमार छठे व यशस्वी 10वें स्थान पर काबिज

उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

अनंत ने स्वर्ण, सौरभ-सुरुचि ने जीता कांस्य

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी

एशियाई चैंपियनशिप

- नरुका ने पुरुष स्कीट फाइनल में कुवैत के मंसूर को हराया
- भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपै को मिश्रित टीम वर्ग में दी मात

भारतीय निशानेबाज अनंत जीत सिंह नरुका ने बुधवार को पुरुष स्कीट फाइनल में कुवैत के मंसूर अल रशीदी को हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले दिन में सौरभ चौधरी और सुरुचि इंदर सिंह की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपै को हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग का कांस्य पदक जीता।

नरुका फाइनल में एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन अल रशीदी को हराकर पोडियम पर शीर्ष पर रहे। कतर के अल-इशाक अली अहमद ने कांस्य जीता। नरुका चैंपियनशिप के 2023 चरण में टीम स्वर्ण और मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। उन्होंने पांच दौर के बाद 119 अंक से दूसरे स्थान से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया जबकि कुवैत के अब्दुलअजीज अलसाद 120 अंक से फाइनल में सबसे आगे रहे। अल रशीदी 119 अंक से क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले सौरभ और सुरुचि ने लियू हेंग यू और सियेह सियांग चेन को हराया। भारतीय जोड़ी ने क्वालीफाइंग दौर में पांचवां स्थान हासिल किया सुरुचि और सौरभ का स्कोर 578 रहा व पदक दौड़ में वे पांचवें स्थान पर थे।

वंशिका और गेविन ने भी जीता कांस्य

जूनियर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में वंशिका चौधरी और गेविन एंथनी की भारतीय जोड़ी ने किम येजिन और किम डूयोन की कोरियाई जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम क्वालीफिकेशन में 578 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी, जिसमें वंशिका ने 282 और गेविन ने 296 अंक बनाए।

गुकेश ने अब्दुसत्तोरोव पर जीत से की वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

सिंकफील्ड कप

- गुकेश को हराने वाले प्रज्ञाननंदा ने दूसरे दौर में अमेरिका के कारूआना के साथ अंक बांटे

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की।

पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञाननंदा ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला। अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञाननंदा, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

क्लच शतरंज : आनंद का कास्पोरोव से होगा सामना

नई दिल्ली। भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद अमेरिका के सेंट लुईस में अक्टूबर में होने वाले क्लच शतरंज नुमाइशी मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस के गैरी कास्पोरोव से खेलेंगे जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश की टक्कर मैग्नस कार्लसन से होगी। कास्पोरोव और आनंद की टक्कर आखिरी बार 2021 में क्रोएशिया रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में जगरेब में हुई थी, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। दोनों के बीच 82 मुकाबले हो चुके हैं जिनमें से 30 ड्रॉ रहे और जीत के मामले में कास्पोरोव का दबदबा रहा। सेंट लुईस शतरंज क्लब ने कहा कि दो पूर्व विश्व चैंपियन विशेष क्लच शतरंज (लीजैंड्स) नुमाइशी मैच (7-11 अक्टूबर) में आमने सामने होंगे। यह नुमाइशी मैच क्लब की नई सुविधा में आयोजित होने वाला पहला मैच होगा। इसमें 144000 डॉलर ईनामी राशि होगी जो दोनों दिग्गजों के बीच 12 मुकाबलों के शतरंज 960 मैचों (फिशर रैंडम) में दी जाएगी। 412000 डॉलर राशि का क्लच शतरंज चैंपियंस शोडाउन 27-29 अक्टूबर तक होगा।

डायमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की होने से ब्रसेल्स में नहीं खेलेंगे चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

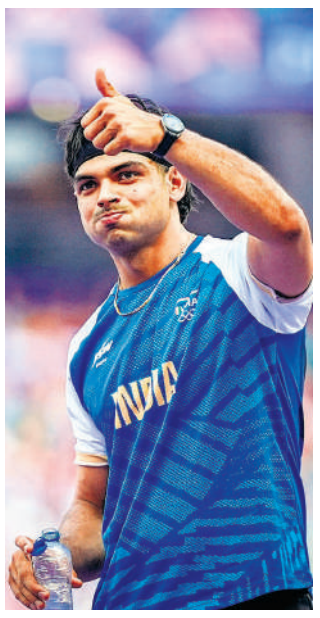

डायमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की करने के बाद स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रसेल्स में होने वाले अंतिम चरण में हिस्सा नहीं लेंगे। डायमंड लीग की 14 प्रतियोगिताओं में से चार में पुरुष भाला फेंक को जगह मिली है।

नीरज ने सिर्फ दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, लेकिन स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 28 अगस्त को होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी ने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास के साथ 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार किया था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर थे। उन्होंने 88.16 मीटर के प्रयास से पेरिस डायमंड लीग का खिताब जीता। ब्रसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स में जगह बनाएंगे। नीरज ने पिछला टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक के रूप में खेला था जहां उन्होंने 86.18 मीटर के साथ अपनी मेजबानी में टूर्नामेंट जीता था। नीरज ने मौजूदा सत्र में छह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें से चार में उन्होंने खिताब जीता। चोपड़ा तोक्यो में 13-21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे।

एमबाप्पे ने पेनाल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड जीता

मैड्रिड, एजेंसी

काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की।

पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे।

रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

सालाह-कैल्डेन्टी बने इंग्लिश फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह और आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए।

भारतीय हॉकी | बिहार में होगा टूर्नामेंट, विजेता को मिलेगा एफआईएच पुरुष विश्व कप में सीधा प्रवेश

एशिया कप के लिए टीम में लाकड़ा और दिलप्रीत

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार हुआ, जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह को जगह दी गई है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होगा, जिसके विजेता को एफआईएच पुरुष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14-30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है।

ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान होंगे। राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है।

भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि हमने अनुभवी टीम चुनी है। विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिये महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय हॉकी टीम

गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक
डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह **मिडफील्ड :** मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह **फॉरवर्ड :** मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह **रिजर्व खिलाड़ी :** नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।